केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले लालू एंड कंपनी सत्ता में आयी तो बनाएगी घुसपैठ घुसाओ बोर्ड - 12

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत - 12

हमने अपनी संप्रभुता का एक हिस्सा खो दिया... ममदानी की जीत पर ट्रंप - 13

चौथे टी-20 मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया - 14

आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.32

सूर्यास्त 05.25

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया 11:05 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 220, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पहले चरण में रिकॉर्ड 64.66% मतदान, उप मुख्यमंत्री पर हमला

पटना के बख्तियारपुर में एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए कतार में प्रतीक्षा करते मतदाता। ● एजेंसी

● डिप्टी सीएम विजय सिन्हा की कार पर राजद समर्थकों ने चप्पल और पत्थर फेंके
चुनाव आयोग बोला सख्त एक्शन लेंगे

पटना/लखीसराय एजेंसी

बिहार संग्राम

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को 121 सीट पर मतदान संपन्न हो गया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि शाम तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 3.75 करोड़ मतदाताओं में करीब 64.66 प्रतिशत ने मतदान किया, जो राज्य के इतिहास में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा कुल 45,341 मतदान केंद्रों में से 41,943 केंद्रों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है। वहीं, लखीसराय में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आरोप लगाया कि मतदान के दिन उनके वाहनों के काफिले पर मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के समर्थकों ने हमला किया। ये लोग इलाके में मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे थे। मामले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने घटना पर संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुंजियाल ने कहा, यह अनंतिम आंकड़ा है, क्योंकि कुछ मतदान केंद्रों से सूचनाएं अभी आनी बाकी हैं। अंतिम मतदान प्रतिशत के आंकड़े के इससे अधिक रहने की संभावना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ। कुछ स्थानों पर छिटपुट घटनाओं के अलावा कहीं से कोई बड़ी गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली।

सीएम नीतीश, तेजस्वी, सम्राट चौधरी समेत दिग्गजों ने डाले वोट

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उनके दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह व राजीव रंजन सिंह 'ललन' सहित कई प्रमुख नेताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने गृह नगर बख्तियारपुर में मतदान किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "मतदान लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है।

आरजेडी में सिखाया जाता है 'ए' से अपहरण और 'फ' से फिरौती : मोदी

भागलपुर में प्रधानमंत्री बोले- जंगलराज लाने वालों को जनता देगी जवाब

● कहा- इनकी पाठशाला में 'घ' से घोटाला और 'प' से परिवारवाद की ट्रेनिंग

भागलपुर/अररिया, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि बिहार की जनता, विशेषकर माताएं और बेटियां, बड़ी संख्या में मतदान कर रही हैं ताकि राजद के जंगलराज को वापस आने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि फिर एक बार बिहार में सुशासन की सरकार बननी चाहिए। बिहार के भागलपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने राजद और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन दलों ने बिहार के गरीबों और महिलाओं के हितों के बारे में कभी नहीं सोचा।

राजद पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जंगलराज की पाठशाला में 'ए' का मतलब होता है अपहरण और 'फ' का मतलब फिरौती सिखाया जाता है। इनकी पाठशाला में 'घ' से घोटाला और 'प' से परिवारवाद की ट्रेनिंग भी दी जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भागलपुर दंगा और सिख नरसंहार कांग्रेस के काले अध्याय हैं जिन्होंने देश को शर्मसार किया था। उन्होंने कहा, राजद और कांग्रेस ने कभी महिलाओं के खाते खोलने के बारे में नहीं सोचा। आज वे पोस्टरों में साथ तो दिखते हैं, लेकिन एक-दूसरे का चेहरा देखने को भी तैयार नहीं हैं। राजद के पोस्टरों में कांग्रेस के नामदार का चेहरा तक गायब है। राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, राजद ने कांग्रेस से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी बंदूक की नोक पर छीन ली, और कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया। दोनों दल सत्ता की लड़ाई में एक-दूसरे को खत्म करने पर उतारू हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार एक जिला, एक उत्पाद योजना के माध्यम से बिहार के हर जिले के स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर रही है।

भागलपुर में रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मान देते भाजपा नेता। एजेंसी

टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और टेक्सटाइल का हब बनाएंगे हम

बिहार के विकास के लिए राजग सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, हम बिहार को टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और टेक्सटाइल का हब बनाना चाहते हैं। हमने रोजगार सृजन के लिए ठोस रोडमैप तैयार किया है और निवेशक बिहार में निवेश को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कांग्रेस पर छठ महापर्व का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस के नामदार ने छठ महापर्व का अपमान किया जो बिहार का अपमान है। वे तुष्टिकरण की राजनीति के चलते बिहार की आस्था का भी मजाक उड़ा रहे हैं। अब वही लोग घुसपैठियों की रक्षा करने में जुटे हैं। लोगों से अपील की कि वे बड़े पैमाने पर मतदान कर विकास, सुरक्षा और सुशासन की सरकार को फिर से सत्ता में लाएं।

ब्रीफ न्यूज

जुबिन की मौत के मामले में असम के सीआईसी का इस्तीफा

गुवाहाटी। असम के मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) भास्कर ज्योति महंत ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। भास्कर के भाई श्यामकानु को गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार किया गया है। सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक लंबी पोस्ट में असम के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) भास्कर महंत ने अपने इस्तीफे की घोषणा की और कहा कि उन्होंने पहले ही राज्यपाल को इस संबंध में पत्र भेज दिया है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर बहुत खराब

नई दिल्ली। दो दिनों तक मामूली सुधार के बाद गुरुवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर खराब हो गई और यह 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई। निकट भविष्य में इससे राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। वायु गुणवत्ता बिगड़ जाने का एक प्रमुख पराली जलाना बताया जा रहा है। सीपीसीबी की ओर से जारी किए गए आंकड़े के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में अपरान्ह चार बजे 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 311 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के अनुसार दिल्ली सबसे प्रदूषित शहरों में चौथे स्थान पर है।

रैना और धवन की 11.14 करोड़ की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईडी ने सट्टेबाजी एप मामले में की कार्रवाई
● कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों और अभिनेताओं से भी की पूछताछ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति कुर्क की। कुर्की में सुरेश रैना के नाम पर 6.64 करोड़ रुपये मूल्य के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम पर 4.5 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति शामिल है।

ईडी ने जांच के तहत इन दोनों क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अभिनेता सोनू सूद, उर्वशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अभिनेता) से भी पूछताछ की है। कैरेबियाई द्वीप कुराकाओ में पंजीकृत '1एक्सबेट' को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज बताया गया है। ईडी ने दोनों क्रिकटरों की चल-अचल संपति की कुर्की की पुष्टि करते हुए कहा कि उसकी जांच विभिन्न राज्य पुलिस एजेंसियों द्वारा अवैध विदेशी सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म '1एक्सबेट' के खिलाफ दर्ज की गई कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

'1एक्सबेट' एक ऑनलाइन जुआ कंपनी है। कंपनी की स्थापना 2007 में हुई थी और इसका मुख्यालय साइप्रस में है। ईडी की जांच से पता चला है कि वन एक्स बीईटी और उसके सरोगेट ब्रांड वन एक्स बीएटी और '1एक्सबेट' स्पोर्टिंग लाइन्स ने पूरे भारत में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के संचालन को बढ़ावा दिया। एजेंसी की जांच से पुष्टि हुई कि दोनों क्रिकेटरों ने जानबूझकर वन एक्स बीईटी के प्रतिनिधियों के माध्यम से उसे बढ़ावा देने के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ विज्ञापन समझौते किए।

ईडी ने चार राज्यों के 16 ठिकानों पर मारा छापा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● फर्जी मार्कशीट-डिग्री बनाने वाले गिरोह व संस्थाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई
● मोनाड विवि, सरस्वती मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत, दिल्ली में दस्तावेज खंगाले

अमृत विचार: ईडी ने गुरुवार को फर्जी मार्कशीट-डिग्री बनाने वाले गिरोह व संस्थानों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई। ईडी की 10 टीमों ने उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व पंजाब के 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के गोमतीनगर स्थित आवास पर भी छापेमारी की गई।

टीम ने हापुड़ के मोनाड यूनिवर्सिटी, सरस्वती मेडिकल कॉलेज उन्नाव के अलावा फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत व दिल्ली में दस्तावेज खंगाले। ईडी के हाथ कई अहम दस्तावेज लगे हैं। लखनऊ जोन की टीम ने एसटीएफ की जांच में सामने कई तथ्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू की। जांच में पता चला था कि मोनाड यूनिवर्सिटी से मेडिकल, इंजीनियरिंग और एमबीए की फर्जी डिग्री बांटने का नेटवर्क चल रहा है। उसके साथ यूपी, दिल्ली और हरियाणा के कई और कालेज भी इस फर्जीवाड़े में शामिल हैं।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज व प्रिंसिपल के घर छापा

ईडी की टीम उन्नाव के कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सोहरामऊ स्थित सरस्वती मेडिकल कालेज में गुरुवार पहुंची। प्रशासनिक भवन के कर्मचारियों और प्रिंसिपल समेत सभी के मोबाइल जब्त कर लिए। कालेज के सभी कम्प्यूटरों की हार्ड डिस्क कब्जे में लेने के साथ ही सर्वर रूम को सील कर दिया। उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कालेज से कई तथ्य हाथ लगने के बाद प्रिंसिपल अखिलेश मौर्य के गोमतीनगर विस्तार में बने घर में भी छापा मारा, यहां से कई दस्तावेज जब्त किए।

मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरमैन के ठिकानों की तलाशी

ईडी ने मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन विजेन्द्र हुड्डा के कई ठिकानों पर भी दबिश दी। विजेन्द्र का नाम फर्जी डिग्री मामले में सरगना के तौर पर सामने आया था। उस समय एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार भी किया था। उसके ठिकानों से कई इलेक्ट्रानिक वस्तुएं ईडी ने जब्त की है। एसटीएफ ने वर्ष 2023 में मोनाड यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री व मार्कशीट के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया था। उस समय सामने आया था कि किसी भी विश्वविद्यालय के फेल विद्यार्थियों को 50 हजार से दो लाख रुपये लेकर नकली डिग्री व मार्कशीट यहां से मिल जाती थी। यह भी पता चला था कि पांच साल में इस फर्जीवाड़े से करीब 20 करोड़ रुपये की वसूली की गई थी।

इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर 2027 तक छूट

लखनऊ। प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के प्रयासों से अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स में अक्टूबर 2027 तक शत-प्रतिशत छूट दी जाएगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि सतत एवं स्वच्छ गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2022 में लागू उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति-2022 में संशोधन किया गया है। इस संशोधन को पांच नवंबर 2025 की अधिसूचना के तहत प्रभावी किया गया है। इसके अनुसार 14 अक्टूबर 2025 से 13 अक्टूबर 2027 के बीच खरीदे गए और पंजीकृत शुद्ध विद्युत वाहनों को पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स से पूर्णतः मुक्त किया गया है।

संभल में खाकी पहनकर उगाही, फर्जी पुलिसवाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता,संभल

● कबाड़ा व्यापारी को डरा-धमका कर पैसा वसूलने पहुंचा था
● संभल के जुनावई थाना क्षेत्र का रहने वाला है फर्जी सिपाही

पुलिस की गिरफ्त में फर्जी पुलिसकर्मी विष्णु बाबू एवं बरामद नकली पिस्टल।

अमृत विचार: सिपाही की वर्दी पहनकर व खिलौना पिस्तौल लेकर व्यापारियों को धमकाकर वसूली कर रहे फर्जी पुलिसकर्मी को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी हत्या के प्रयास में जेल जा चुका है। वह हरिद्वार में भी पकड़ा जा चुका है।

संभल के मोहल्ला चौधरी सराय में कबाड़ व्यापारी गय्यूर के पास एक सिपाही पहुंचा और धमकाने लगा। कहा कि कबाड़े का काम करने के लिए पुलिस से परमिशन नहीं लोगे तो जेल भेज दूंगा। इसके बाद पिस्टल दिखाकर धमकाया कि नहीं मानोगे तो उल्टे सीधे केस में फंसाकर एनकाउंटर कर दूंगा। सिपाही ने 5 हजार रुपये मांगे लेकिन गय्यूर ने 500 रुपये दिये तो उसने रख लिए। इसी बात पर गय्यूर को शक हुआ तो उसने अन्य लोगों को बुलाकर पुलिस कर्मी को पकड़ लिया और कोतवाली लेकर पहुंचे। यहां असलियत सामने आ गई कि वह फर्जी सिपाही है। उसने अपना नाम विष्णु बाबू पुत्र चंद्रपाल निवासी कुशावली थाना जुनावई बताया। बताया कि पहले भी वह खुद को पुलिसकर्मी बताकर वसूली करता रहा है। बुलंदशहर के नरौरा थाने से हत्या के प्रयास में जेल जा चुका है। दो वर्ष पूर्व हरिद्वार में खुद को क्राइम ब्रांच में दरोगा बताया तो पकड़ा गया था।

उसने एक माह पूर्व बहजोई में टेलर से वर्दी सिलवाई थी। इंस्पेक्टर गजेन्द्र सिंह ने बताया कि व्यापारी गय्यूर की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उसकी कुंडली खंगाल रही है।

फांसी घर विवाद में केजरीवाल व सिसोदिया तलब

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने 'फांसी घर' विवाद मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तत्कालीन उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को तलब किया है।

आम आदमी पार्टी के तीनों नेताओं को 13 नवंबर को विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश होना होगा। यह समिति पिछली सरकार के 'फांसी घर' संबंधी दावों की जांच कर रही है। विस अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अगस्त में मानसून सत्र के दौरान सदन को बताया था कि जिस तथाकथित ब्रिटिशकालीन 'फांसी घर' का उद्घाटन केजरीवाल ने 2022 में नवीनीकरण के बाद बड़े धूमधाम से विधानसभा परिसर में किया था, वह मूल रूप से एक 'टिफिन' रूम था।

जनसभा

मुख्यमंत्री ने बिहार के लौरिया, बेतिया और परिहार विधानसभा क्षेत्र में भरी हुंकार

जो राम का नहीं, वह किसी काम का नहीं : योगी

बेतिया, एजेंसी

● सीएम ने कहा, यूपी की तरह बिहार में भी खानदानी माफिया की उलटी गिनती शुरू

बिहार के बेतिया में एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार के लौरिया, बेतिया और परिहार विधानसभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में ताबड़तोड़ सभाएं कर विपक्ष पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं। अब बिहार में भी यूपी की तरह माफिया राज समाप्त होगा। जो खानदानी माफिया हैं, उनकी उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

जनसभाओं में योगी ने चेतावनी दी कि जैसे यूपी में माफिया पस्त हुआ, वैसे ही बिहार में भी एनडीए की सरकार बनते ही माफिया का अंत निश्चित है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में रुझान बता रहे हैं कि 14 नवंबर को परिणाम आने पर फिर एनडीए सरकार का नारा बुलंद होगा। नौजवान, किसान, माताएं, बहनें सब एनडीए के साथ हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद की दलाली रोक दी गई है, इसलिए वे मोदी जी को गाली देते हैं। बिजली एनडीए देगी, लालटेन की लाइट में मोबाइल-लैपटॉप नहीं चार्ज हो सकता। योगी ने कमल और तीर के निशान पर बटन दबाकर बिहार को विकास के पथ पर अग्रसर करने का आह्वान करते हुए कहा कि अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर के बाद अब सीतामढ़ी में मां जानकी धाम पर भी भव्य मंदिर का निर्माण होगा। यह कार्य केवल एनडीए ही कर सकता है।

मोदी-नीतीश की जोड़ी से बदला भारत और बिहार

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी ने देश और बिहार का चेहरा बदल दिया है। पिछले 11 वर्षों में भारत की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली हैं। सड़क, बिजली, पानी, रेलवे, एयर कनेक्टिविटी, मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज हर क्षेत्र में विकास हुआ है। एनडीए सरकार ने 80 करोड़ को मुफ्त राशन, 50 करोड़ को स्वास्थ्य बीमा, 12 करोड़ को उज्ज्वला गैस, 4 करोड़ को आवास व 3 करोड़ को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए।

मुख्यमंत्री बोले- सड़क और पुल तक का होता था अपहरण

बेतिया में योगी ने कहा कि राजद शासन में सड़क और पुल तक का अपहरण हो जाता था। वर्ष 1990 से वर्ष 2005 के बीच 60 से अधिक जातीय नरसंहार और 30 हजार से ज्यादा अपहरण हुए। इंजीनियर, डॉक्टर, बच्चे, व्यापारी तक सुरक्षित नहीं थे। योगी ने कहा कि जब भी माफिया और अपराधियों को सत्ता का स्वाद चखाओगे, जनता को कीमत चुकानी पड़ेगी। दंगाइयों और अपराधियों को सत्ता का स्वाद नहीं चखने देना है।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शुक्रवार,7 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सुहेल परवेज बने युवक कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष

मुरादाबाद, अमृत विचार : युवक कांग्रेस में सुहैल परवेज को महानगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पश्चिमी यूपी के अध्यक्ष पारस शुक्ला ने गुरुवार को नियुक्ति पत्र जारी किया।

युवक कांग्रेस का महानगर अध्यक्ष पद पिछले काफी लंबे समय से रिक्त चल रहा था। पिछले दिनों युवक कांग्रेस के पश्चिमी यूपी के अध्यक्ष पारस शुक्ला के साथ केंद्रीय नेताओं की एक टीम मुरादाबाद आई थी। उनके द्वारा वरिष्ठ नेताओं से संभावित दावेदारों की जानकारी की गई थी। जिसमें पूर्व सांसद अजहरुद्दीन के करीबी रहे सुहैल परवेज के नाम पर मोहर लगाते हुए गुरुवार को नियुक्ति पत्र जारी कर दिया गया। जिलाध्यक्ष विनोद गुम्बर, उपाध्यक्ष व प्रवक्ता सुधीर पाठक, पूर्व अध्यक्ष असलम खुर्शीद, असद मौलाई, रिजवान कुरैशी, अजय गोपाल रस्तोगी, अनिल शर्मा काले, श्यामबाबू वाल्मीकि आदि ने प्रसन्नता जताई है।

सामूहिक विवाह योजना में राशि बढ़ी लेकिन घट गया लक्ष्य

मुरादाबाद, अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने इस वर्ष मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में प्रति जोड़े की सहायता राशि बढ़ाकर लाभार्थियों को बड़ी राहत दी है, लेकिन कुल लक्ष्य में कटौती की गई है। जिले को इस वर्ष 567 सामूहिक शादियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के तहत प्रत्येक विकासखंड से 51 लाभार्थियों को चयनित किया जाएगा। चयनित लाभार्थियों को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत विवाह समारोह में आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। पूर्व में योजना के अंतर्गत प्रति जोड़े को 51,000 रुपये की सहायता दी जाती थी, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर 1 लाख एक हजार कर दिया है। अंतिम संशोधित सूची जिलास्तर पर जारी निर्देशों के अनुसार लागू होगी। सरकार का उद्देश्य है कि सामूहिक विवाह के माध्यम से गरीब एवं असहाय परिवारों की आर्थिक सहायता हो सके और विवाह संस्कार सामाजिक एकता का प्रतीक बनें।

राज्य सूचना आयुक्त ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए दिशा निर्देश

आरटीआई का गंभीरतापूर्वक पालन कराएं जनसूचना अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- आवेदन पत्र का निर्धारित 30 दिन के भीतर अनिवार्य रूप से निस्तारण हो सुनिश्चित

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम ने गुरुवार को डीएम अनुज सिंह, सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत नामित जिले के जन सूचना अधिकारियों और प्रथम अपीलीय अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आरटीआई(जन सूचना अधिकार) का गंभीरता से पालन सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने नगर निगम, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग और पंचायती राज विभाग के साथ-साथ खंड विकास अधिकारी बिलारी, खंड विकास अधिकारी कुंदरकी और तहसीलदार सदर कार्यालय में लंबित आवेदन पत्रों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली। निर्देशित दिया कि जन सूचना अधिकारी प्रत्येक आवेदन पत्र का निर्धारित 30 दिन के भीतर अनिवार्य रूप से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा सूचना का अधिकार के अंतर्गत नियमों का पालन करने में लापरवाही बरती जा रही है। जिसके चलते 780 प्रकरणों में जन सूचना अधिकारियों को दंडित करते हुए उनसे जुर्माना की धनराशि वसूलने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि आरटीआई को लेकर अधिकारियों को गंभीरता बरतनी होगी और आवेदक को स्पष्ट और समय से सूचना उपलब्ध कराने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह, अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह के अलावा अन्य विभागों के जन सूचना अधिकारी व प्रथम अपीलीय अधिकारी आदि मौजूद रहे।अधिकारियों को संपूर्ण जानकारी रखने और गंभीरता से पालन कराने का निर्देश दिया।

कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करते राज्य सूचना आयुक्त मोहम्मद नदीम। ● अमृत विचार

मासिक बैठकों में लंबित प्रकरणों की होगी मॉनिटरिंग

राज्य सूचना आयुक्त ने डीएम से कहा कि विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग के लिए आयोजित मासिक बैठकों के दौरान आरटीआई के मामलों के निस्तारण की भी समीक्षा की जाए। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने कार्यालय में अभिलेखों को दुरुस्त कराएं और आरटीआई के प्रावधानों के अनुरूप सूचनाओं को प्रदान करने में कोई लापरवाही न बरतें। उन्होंने कहा कि मासिक बैठकों में भी लंबित प्रकरणों की मॉनिटरिंग की जाएगी।

गवाह को धमकाने के मामले में 11 को होगी सुनवाई

रामपुर, अमृत विचार : गवाह को धमकाने के मामले में एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में गवाह से जिरह हुई। इस मामले में 11 नवंबर को सुनवाई होगी। गंज थाने में गवाह को धमकाने के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। आजम खां के कहने पर धमकाने का आरोप लगाया था।

पुलिस ने विवेचना के बाद चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी। सुनवाई एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में हो रही है। गुरुवार को गवाह कोर्ट में पहुंचे, उससे जिरह हुई। इस मामले में 11 नवंबर को सुनवाई होगी। इसके साथ ही गुरुवार को मजिस्ट्रेट कोर्ट में क्वालिटी बार से जुड़े लूटपाट के मामले में गवाह के आ आने के कारण सुनवाई टल गई। अब इस मामले में 21 नवंबर को सुनवाई होगी।

प्रेम कहानी में बाधा बनने पर कर दी प्रेमिका के भाई की हत्या

नेकपाल हत्याकांड का आरोपी मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- मझोला थाना पुलिस ने नेकपाल हत्याकांड के एक आरोपी को किया गिरफ्तार

अमृत विचार : मझोला थाना पुलिस ने बुधवार रात हुए नेकपाल हत्याकांड के मामले में गुरुवार सुबह मुठभेड़ में मुख्य आरोपी अमन को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गोली लगने से घायल होने के बाद उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि उसका जीजा राजा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार मझोला थाने के प्रीतम नगर एकता कॉलोनी निवासी फर्म कर्मी नेकपाल(23) की हत्या बुधवार रात उसके पड़ोसी अमन और उसके जीजा राजा ने प्रेम प्रसंग के विवाद में कर दी। बताया गया कि नेकपाल की बहन और आरोपी अमन के बीच प्रेम संबंध थे, जिसका वह विरोध करता था। इसी रंजिश में बुधवार रात अमन और राजा ने नेकपाल को गोली मार दी। घटना के बाद दोनों आरोपी तमंचे लहराते हुए मौके से फरार हो गए, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर कई टीमों का गठन किया। गुरुवार सुबह पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि हत्याकांड के आरोपी खदाना रोड पर बाइक से जा रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अमन के पैर में गोली लगी, जबकि राजा भाग निकला। मौके से एक तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद हुई है। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक के भाई की शिकायत पर अमन और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

अस्पताल में भर्ती आरोपी अमन।

> प्रेम संबंधों में बाधा बनने के कारण नेकपाल की हत्या की गई थी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से घटना के महज 6 घंटे बाद ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।
>
> – कुमार रणविजय सिंह
> पुलिस अधीक्षक नगर

परिजनों का हंगामा गिरफ्तारी की मांग

दूसरे दिन गुरुवार को गुस्साए परिजनों ने मंडी समिति परिसर में चौकी के सामने जाम लगाने का प्रयास किया। परिजन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग कर रहे थे। सूचना पर थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक आरपी सिंह मौके पर पहुंचे गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन मान गए और घर लौट गए। लगभग एक घंटे तक पुलिस और परिजनों के बीच वार्ता चली। बुधवार रात करीब नौ बजे एकता कॉलोनी प्रीतम नगर निवासी नेकपाल(23 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात पड़ोसी अमन और उसके बहनोई राजा ने अंजाम दी थी अमन दो माह पूर्व नेकपाल की बहन को अपने साथ लेकर भाग गया था, लेकिन कुछ दिन पहले उसे वापस छोड़ गया। इसी को लेकर दोनों परिवारों में विवाद चल रहा था। घर में कोहराम मचा हुआ है।

महिला अधिकारों की रक्षा प्राथमिकता

विकास भवन के सभागार में शिकायतें सुनती महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- महिला आयोग की सदस्य ने 15 में से 5 शिकायतों का मौके पर किया निस्तारण

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई हुई। प्राप्त 15 शिकायतों में से 5 का मौके पर निस्तारण किया। सुनीता सैनी ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता में है।

उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य महिलाओं को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। जनसुनवाई के दौरान कुल 15 शिकायतें प्राप्त हुईं। घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, उत्पीड़न, भरण-पोषण, सामाजिक सुरक्षा और संपत्ति संबंधी मामलों सहित महिला कल्याण योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से शामिल रहीं। प्राप्त शिकायतों में से 5 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया। शेष प्रकरणों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित किया। सुनीता सैनी ने अधिकारियों को महिलाओं से संबंधित किसी भी मामलों को समयानुसार निपटारे के निर्देश दिए। महिलाओं से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी न करने, प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनीटरिंग की जाए। पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध योजनाओं एवं सहायता का लाभ समय पर कराया जाए।

सदस्य ने कहा कि आयोग महिलाओं को आवश्यक सहायता, परामर्श और कानूनी सहयोग प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है, ताकि प्रत्येक महिला को सुरक्षा और न्याय का भरोसा प्राप्त हो सके। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी हरिश्चंद्र प्रजापति, जिला प्रोबेशन अधिकारी इरा आर्या जिला कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र कुमार मिश्र, जिला पंचायतीराज अधिकारी नत्थूलाल सहित अन्य संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पात्रता के अनुसार आमजन को प्रत्येक योजना का लाभ दिलाएं

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे ने गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने समाज कल्याण विभाग, श्रम विभाग, स्थानीय निकाय सहित विभिन्न विभागों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों के हित में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि पात्रता के अनुसार आमजन को प्रत्येक योजना का लाभ मिले।

इस दौरान उन्होंने शिकायतकर्ताओं की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समस्या समाधान के लिए दिशा निर्देश दिए।

बैठक करते आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे। ● अमृत विचार

- उ.प्र अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे ने सर्किट हाउस में की बैठक

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय, अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार के अलावा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जमीन के विवाद में मारपीट,14 घायल

संभल,अमृत विचार: थाना क्षेत्र में गंगा किनारे खाली पड़ी जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते लाठी-डंडे चल गए। झगड़े में दोनों पक्षों के 14 लोग घायल हो गए। गंगा तट के पास स्थित भूमि पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में पहले कहासुनी हुई। मामला गाली-गलौज से बढ़ते हुए मारपीट तक पहुंच गया।

दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे, जिसमें एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों में संत नगर गांव निवासी अंतराम , हीरा सिंह, तोताराम, राजेश तथा रामनगर टप्पा वैश्य निवासी भगवानदास, रामदास के अलावा खिरकबारी गांव के दीपक कुमार, भुवनेश कुमार, अनेक सिंह, दानवीर , बबलू, अंकित कुमार, संकित कुमार और राजेश शामिल हैं। पुलिस दोनों पक्षों के बयान लेकर कार्रवाई करेगी।

बिना ड्रेस और आई कार्ड के प्रवेश पर रोक, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : हिंदू महाविद्यालय में गुरुवार को उस समय हंगामा हुआ जब बिना ड्रेस और बिना आई कार्ड के आए छात्रों को कॉलेज में प्रवेश नहीं दिया गया। कॉलेज प्रशासन के सख्त रुख के चलते कई छात्र-छात्राओं ने गेट पर ही हंगामा किया, लेकिन प्रबंधन अपने निर्णय पर अडिग रहा।

हिंदू महाविद्यालय प्रशासन ने हाल ही में बाहरी छात्रों की बढ़ती आवाजाही और अनुशासनहीनता को देखते हुए निर्देश जारी किए हैं कि बिना निर्धारित कॉलेज ड्रेस और पहचान पत्र (आई कार्ड) के किसी भी छात्र को प्रवेश नहीं मिलेगा। गुरुवार सुबह कॉलेज के गेट पर चीफ प्रॉक्टर गिरीश कुमार शर्मा के साथ छह अन्य प्रोफेसर की ड्यूटी लगाई गई थी। सभी छात्रों की ड्रेस और आई कार्ड की जांच की जा रही थी। इसी दौरान कुछ छात्रों ने बिना ड्रेस और आई कार्ड के अंदर जाने का प्रयास किया, रोकने पर उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर बुध बाजार चौकी इंचार्ज पुलिस बल के साथ कॉलेज पहुंचीं। पुलिस के पहुंचते ही छात्रों का उत्साह ठंडा पड़ गया और हंगामा धीरे-धीरे शांत हो गया। प्राचार्य सत्यव्रत सिंह रावत ने बताया कि अनुशासन बनाए रखने और बाहरी तत्वों के प्रवेश को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि बिना यूनिफॉर्म और आई कार्ड के किसी भी छात्र को कॉलेज परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं चीफ प्रॉक्टर गिरीश कुमार शर्मा ने बताया कि हाल के दिनों में कॉलेज परिसर में होने वाली मारपीट और हंगामे की घटनाओं के पीछे बाहरी छात्रों का हाथ रहा है, इसलिए यह व्यवस्था स्थायी रूप से लागू की गई है।

कार्ड चेक करते चीफ प्रॉक्टर। ● अमृत विचार

- हिंदू महाविद्यालय में बाहरी छात्रों की बढ़ती आवाजाही व अनुशासनहीनता पर लिया निर्णय

> सभी छात्र छात्राओं को ड्रेस और आई कार्ड के साथ आने के लिए कहा गया है। किसी छात्र को बिना ड्रेस और बिना आई कार्ड के महाविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके लिए रोज महाविद्यालय के गेट पर ड्यूटी लगाई जाएगी।
>
> – सत्यव्रत सिंह रावत, प्राचार्य हिंदू महाविद्यालय

कल मुरादाबाद होकर गुजरेगी नई वंदे भारत ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : रेल यात्रियों को बेहतर सेवा देने के लिए नार्दर्न रेलवे की ओर से नई वंदे भारत ट्रेन बनारस-खजुराहो और लखनऊ जंक्शन से सहारनपुर तक चलेगी। इसका उद्घाटन 8 नवंबर को किया जाएगा। ट्रेन के मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने के चलते स्थानीय मंडल रेल प्रबंधन भी इसकी तैयारियों में जुट गया है।

नई वंदे भारत ट्रेन के संचालन से इन रुट के यात्रियों को काफी सहूलियत होगी। नार्दर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार नई वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन शेड्यूल जारी कर दिया गा है। नई वंदे भारत ट्रेन बनारस-खजुराहो और लखनऊ जंक्शन से सहारनपुर जंक्शन तक चलेगी। मुरादाबाद होकर जाने वाले नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जो लखनऊ से चलेगी वह मुरादाबाद रेलवे स्टेशन होकर रुड़की होकर सहारनपुर जंक्शन तक जाएगी।

यह ट्रेन लखनऊ जंक्शन से सुबह 8:05 बजे चलकर सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली होकर दोपहर में 12:32 बजे मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। यहां पांच मिनट रुकने के बाद 12:37 बजे अगले स्टेशन के लिए प्रस्थान कर जाएगी। मुरादाबाद के बाद इस ट्रेन का स्टॉपेज नजीबाबाद, रुड़की होते हुए शाम 4:00 बजे सहारनपुर जंक्शन पहुंचेगी। इस ट्रेन के संचालन से लखनऊ से मुरादाबाद होते सहारनपुर जंक्शन जाने वाले यात्रियों को काफी आसानी होगी।

- बनारस से खजुराहो और लखनऊ जंक्शन से सहारनपुर के लिए चलेगी

नाकामी | कई एजेंसियों की ढिलाई से केंद्रों पर नहीं पहुंच रहे किसान, कई पर सुविधाएं नदारद

एक महीना बीता...सिर्फ 5985 एमटी हुई धान खरीद

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- अब तक लक्ष्य के सापेक्ष सिर्फ 5.81 प्रतिशत खरीद होने पर अधिकारियों ने जताई नाराजगी

अमृत विचार : जिले में धान खरीद कच्छप गति से चल रहा है। खरीद सत्र के एक महीने से अधिक का समय बीतने के बाद भी अभी तक शासन से निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष केवल 5.81 प्रतिशत ही धान केंद्रों पर खरीदा गया है। अब तक 47 केंद्रों पर केवल 5985.76 मीट्रिक टन धान की खरीद होने से अधिकारियों ने भी नाराजगी जताई है।

जिले में एक अक्टूबर से धान की खरीद के लिए पहले 47 केंद्र बनाए गए। बाद में एक केंद्र और जिलाधिकारी के द्वारा स्वीकृत होने के बाद संख्या 48 हो गई। लेकिन खरीद 47 केंद्रों पर ही चल रहा है। शासन ने जिले को धान खरीद के लिए 1,03000 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया है। लेकिन पूरा अक्टूबर और 6 नवंबर तक केंद्रों पर 1293 किसानों से सिर्फ 5985.76 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई। जो लक्ष्य का सिर्फ 5.81 प्रतिशत है। कई क्रय एजेसियों के प्रतिनिधियों की उदासीनता से किसान सरकारी केंद्रों की बजाय खुले बाजार में या गांव के ही साहूकारों को धान बेचकर भुगतान ले रहे हैं।

हालांकि खरीदे गए धान के मूल्य का भुगतान करने में विभाग की उपलब्धि बेहतर है। अब तक 1293 में से 1196 किसानों को 1,31,69385.04 रुपये का भुगतान किया गया है। जबकि कुल भुगतान 1,42999076.84 रुपये करना था। भुगतान का प्रतिशत 92.05 प्रतिशत है। खरीद में तेजी लाने का निर्देश डीएम अनुज सिंह व संभागीय खाद्य नियंत्रक अनुभव सिंह ने अधिकारियों व केंद्र प्रभारियों को दिया है। इन्होंने किसानों से स्वयं संपर्क कर उन्हें सरकारी केंद्रों पर धान विक्रय करने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा है।

केंद्रों का आवंटन

एजेंसी	स्वीकृत केंद्र	सक्रिय केंद्र
खाद्य विभाग	25	25
एफसीआई	1	1
पीसीएफ	10	10
यूपीसीयू	8	7
यूपीएसएस	4	4

समय से किसानों को उपज का भुगतान कराना प्राथमिकता

जिला खाद्य विपणन अधिकारी विनीता मिश्रा ने बताया कि धान पक कर तैयार होने में विलंब के चलते खरीद में देर हुई। 48 में से 47 केंद्रों पर खरीद कराई जा रही है। जिन एजेंसियों की खरीद कम है उनके जिला प्रभारियों व केंद्रों के प्रभारियों को खरीद में तेजी लाने का निर्देश दिया है। किसानों से भी संपर्क किया जा रहा है। खरीद के साथ समय से किसानों को उनकी उपज का भुगतान कराना प्राथमिकता है।

पति की मौत और पत्नी से दुष्कर्म में छह पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुआ मामला, 13 अक्टूबर को ससुरालियों ने किया दुष्कर्म

अमृत विचार : प्रेम विवाह के बाद नवविवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म और पति की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में कोतवाली पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर छह लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्राम लालापुर पीपलसाना निवासी पीड़िता ने न्यायालय में दी याचिका में बताया कि उसका प्रेम संबंध गांव के दानिश से पिछले दो वर्षों से था। 13 अक्टूबर 2025 को गांव में डॉ. सिराज के घर पर निकाह किया था। निकाह के बाद जब वह ससुराल पहुंची तो सास रहीसन व परिवार के अन्य सदस्यों ने विवाह का विरोध किया। आरोप है कि निकाह के तीन दिन बाद 16 अक्टूबर की रात सास रहीसन की मिलीभगत से फईम, नईम, साजिद और अकील उसके कमरे में घुस आए और बारी-बारी से उससे दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर पति दानिश आ गया, जिसे आरोपियों ने पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह किसी तरह बचकर बाहर निकल गया। अगली सुबह दानिश का शव गांव स्थित पेड़ पर फांसी पर लटका हुआ मिला, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। उसने जानकारी पुलिस को दी, लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। जिसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर थाना ठाकुरद्वारा पुलिस ने रहीसन पत्नी खलील अहमद, खलील अहमद पुत्र नजरूद्दीन, फईम पुत्र कय्यूम, नईम पुत्र कय्यूम, साजिद पुत्र कमरूद्दीन और अकील पुत्र नजरूद्दीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शहर में आज

☞ भारतीय जनता पार्टी महानगर के तत्वावधान में राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम के 150 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम एसडीएम इंटर कॉलेज रामलीला ग्राउंड लाइनपार में सुबह 9 :30 बजे

☞ नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में हाकी प्रतियोगिता सुबह 10 :00 बजे

न्यूज ब्रीफ

दूध बेचने को लेकर मारपीट, मां-बेटी घायल

भोजपुर, अमृत विचार : गांव बारूभूड़ा में भैंस का दूध बेचने को लेकर हुई कहासुनी में मां-बेटी घायल हो गईं। पुलिस को दी तहरीर में महिला सुनिता देवी ने कहा है कि भैंस का दूध बेचने को लेकर पड़ोसी कांता देवी से कहासुनी हो रही थी। इस पर कांता देवी के बेटे अमित और आकाश मौके पर पहुंचे और मारपीट करने लगे। बेटी आंचल बीच-बचाव करने आई तो आरोपियों ने उसको भी मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने घायल मां-बेटी का मेडिकल परीक्षण कराकर आरोपी मां बेटों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मां-बेटी को पीटने में तीन के खिलाफ केस

भोजपुर, अमृत विचार : पुलिस ने कस्बे के मोहल्ला बगियवाला निवासी मैराज पत्नी आफताब की तहरीर पर पड़ोसी वसीम,निशा और शबाना पर बेटी सादिया के साथ गाली गलौज करने, शादी में बाधा डालने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लाठी डंडों से पीटा

भोजपुर, अमृत विचार : पुलिस ने गांव सिरसवां गोड़ निवासी नवी हसन पुत्र दूल्हे हसन की तहरीर पर गांव के वरकत अली, फरजंद और फिरोज के खिलाफ बेवजह गाली गलौज करने मना करने पर लाठी डंडों से पीटकर घायल करने एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया।

टीएमयू में श्री मज्जिनेन्द्र कल्पद्रुम महामंडल विधान का महायज्ञ के साथ आज होगा समापन

समोशरण तीर्थंकर प्रकृति के उदय से निर्मित त्रैलोक्य का सर्वोच्च वास्तुशिल्प

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के रिद्धि-सिद्धि भवन में आयोजित श्री मज्जिनेन्द्र कल्पद्रुम महामंडल विधान के अष्टम दिन प्रज्ञाश्रमण उपाध्याय श्री 108 प्रज्ञानंद जी महामुनिराज ने समोशरण को तीर्थंकर प्रकृति के उदय से निर्मित त्रैलोक्य का सर्वोच्च वास्तुशिल्प बताया।

उन्होंने कहा कि समोशरण का वैभव तीर्थंकरों के दिव्य उपदेशों का एक भव्य और अलौकिक मंडप है, जिसका निर्माण तीर्थंकर को केवलज्ञान प्राप्त होने के बाद सौधर्म इंद्र की आज्ञा से कुबेर की ओर से किया जाता है। समोशरण पृथ्वी से हजारों हाथ ऊपर आकाश में अधर में स्थित होता है। संरचना में चार भव्य परकोटे और पांच वेदियां होती हैं, जिनके बीच की आठ भूमियां विभिन्न भव्य तत्वों से सुसज्जित होती हैं, जिनमें नाट्यशालाएं, रत्नमय पुष्प वाटिकाएं और चौत्य वृक्ष शामिल होते हैं।

प्रज्ञाश्रमण उपाध्याय श्री 108 प्रज्ञानंद जी महामुनिराज ने बताया कि समोशरण की चारों दिशाओं में स्थापित रत्नजड़ित मानस्तंभ होते हैं, जिनके दर्शन मात्र से अज्ञानी प्राणी भी अहंकार त्यागकर सम्यक दर्शन के लिए तैयार हो जाता है। भगवान समोशरण के केंद्र में स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान होते हैं, जिससे उनका मुख पूर्व दिशा में होने पर भी, उनकी शक्ति के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि वे चारों दिशाओं में धर्म का उपदेश दे रहे हैं। उनकी दिव्य ध्वनि बिना किसी भाषा के ओ म के रूप में प्रगट होती है।

विश्व शांति और आत्म-कल्याण के उद्देश्य से मंगल शांतिधारा करने का सौभाग्य टीएमयू के कुलाधिपति सुरेश जैन, सम्राट भरत चक्रवर्ती की भूमिका में ग्रुप वाइस चेयरमैन मनीष जैन, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन आदि को मिला। अशोक जैन, नीरू जैन, रिंकू जैन आदि ने श्रीफल अर्पित किए। इस दौरान वीना जैन, जाहन्वी जैन, डॉ. कल्पना जैन, विपिन जैन, डॉ. विनोद जैन, डॉ. रत्नेश जैन, प्रो. रवि जैन, डॉ. अर्चना जैन, आदित्य जैन, प्रो. प्रवीन कुमार जैन, डॉ. विनीता जैन, अहिंसा जैन, डॉ. अक्षय जैन, निकिता जैन, सुनीता जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। समापन शुक्रवार को विश्व शांति महायज्ञ के साथ होगा।

विधान के आठवें दिन पूजन करते लोग। ● अमृत विचार

गुरुओं के उपदेश के बाद मुख्य पूजा की क्रियाएं हुईं

गणिनी प्रमुख 105 श्री ज्ञानमती माता के चित्र के समक्ष अर्घ्य चढ़ाया गया। गुरुओं के उपदेशों के बाद कलपद्रुम महामंडल विधान की मुख्य पूजा की क्रियाएं हुईं। जैन धर्म के संतों मुनि श्री सभ्यानंद मुनिराज, कर्मयोगी क्षुल्लकरत्न गिरनार पीठाधीश श्री 105 समर्पण सागर महाराज, क्षुल्लक श्री 105 दिव्यानंद महाराज, क्षुल्लक श्री 105 प्रबुद्धानंद महाराज के सान्निध्य में मंत्रोच्चार के बीच उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और समर्पण के भाव से प्रभु के चरणों में अर्घ्य समर्पित करके पुण्य कमाया।

21 दिन बीते, लापता डेढ़ वर्षीय बालक का सुराग नहीं

छजलैट, अमृत विचार: नगर के नवादड़ी निवासी अंकित जड़ी बूटी बेचकर परिवार का पालन पोषण करता है। 4 वर्ष से वह छजलैट क्षेत्र के करुला नदी के पास डेरा डालकर परिवार के साथ रह रहा था। 16 अक्टूबर की शाम वह किसी कार्य से छजलैट गया था। पत्नी बच्चों रोहन और डेढ़ वर्षीय मोहन को छोड़कर किसी कार्य से डेरे के भीतर चली गई। इसी बीच कोई मोहन को उठा ले गया।

पुलिस अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर 300 सीसीटीवी कैमरे और आसपास के क्षेत्र में ड्रोन से निगरानी के बावजूद पुलिस विफल रही। माता-पिता को अनहोनी का भय सता रहा है। अब पुलिस को सीसीटीवी कैमरे में एक संदिग्ध कार की तलाश है। एसएचओ प्रदीप कुमार सहरावत ने बताया कि कई संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

नाम का यातायात माह, टूट रहे नियम

चौराहों पर ट्रैफिक नियमों की अनदेखी, आमजन के साथ पुलिस कर्मी भी बिना हेलमेट बाइक चलाते दिखे

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : यातायात माह सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को नियमों के बारे में जागरुकता के लिए चलाया जाता है। लेकिन महानगर में यातायात माह के दौरान दूसरों से नियमों का पालन कराने वाली पुलिस बिना हेलमेट लगाए दोपहिया वाहन बेखौफ होकर चला रहे हैं। वह महानगर के प्रमुख सड़कों व चौराहों से निश्चिंत होकर आगे बढ़ते रहे जबकि इन्हीं रास्तों पर यातायात पुलिस सामान्य लोगों के वाहन रोक कर नियम न मानने वालों का चालान काट रही थी। गुरुवार को महानगर के कई चौराहों पर यातायात जागरुकता माह के अभियान के दौरान ही खाकी वाले नियम तोड़ते रहे। तो कई सामान्य लोग भी बिना हेलमेट के बाइक पर जाने के साथ वाहन चलाने के दौरान मोबाइल पर बात करते रहे।

महानगर के बुद्धि विहार, स्टेशन चौराहा, कटघर, सिविल लाइंस और दिल्ली रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर बिना हेलमेट पुलिसकर्मी, ई-रिक्शा चालक, स्कूल वैन, दोपहिया और चार पहिया वाहन चालक बेधड़क दौड़ते रहे। यातायात पुलिस के जवान वहीं मौजूद रहे, लेकिन किसी ने रोकने की जहमत नहीं उठाई।

यातायात माह के दौरान दावा किया गया कि सड़क पर उतरकर लोगों को नियमों के पालन का संदेश दिया जाएगा। लेकिन हकीकत उलट रही अभियान के दौरान कई वाहन चालक बिना हेलमेट, सीट बेल्ट और सिग्नल तोड़ते हुए नजर आए, फिर भी किसी पर कार्रवाई नहीं हुई। सिर्फ बाहर जनपद के वाहनों पर चालान की कार्रवाई करते हुए स्थानीय नियम तोड़ने वालों को नजरअंदाज किया गया। इससे लोगों में असंतोष और सवाल उठने लगे हैं कि क्या यातायात अभियान सिर्फ दिखावे के लिए चलाया जा रहा है। कई ई रिक्शा चालक नियमों की अनदेखी कर ड्राइवर सीट के बगल में भी दो से तीन सवारी बैठाकर चलते रहे। जबकि ऐसा करना नियमों को तोड़ना है। मोबाइल पर दोपहिया या चार पहिया वाहन चलाने के दौरान बात करना भी यातायात नियमों का उल्लंघन है। इससे सड़क हादसे का खतरा भी बढ़ जाता है।

एसपी ट्रैफिक से बात करने के लिए उनके मोबाइल नंबर पर फोन मिलाया गया तो उनका फोन नहीं उठा। सवाल यह है कि जब खुद पुलिसकर्मी ही नियमों का पालन नहीं करेंगे। तो आम जनता से नियमों के पालन की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

स्कूटर पर जान जोखिम में डाल परिवार को लेकर जाता चालक।

बाइक पर बिना हेलमेट लगाए परिवार को लेकर जाता व्यक्ति।

● वाहन चलाने के दौरान मोबाइल पर बात करते दिखे लोग

जिम्मेदारों और आम जन का हाल... बिना हेलमेट बाइक चलाते पुलिसकर्मी और अन्य।

बिना हेलमेट लगाए दो पहिया चलाते फोन पर बात करते चालक।

पतंगबाजी से लाइन में फॉल्ट, घंटों गुल रही बिजली

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- बुद्धि विहार, कांशीराम नगर और खुशहालपुर के हजारों उपभोक्ता रहे परेशान
- बिजलीघर और कंट्रोल रूम में फोन मिलाते रहे, लेकिन नहीं मिली ठोस जानकारी

अमृत विचार: महानगर के कई मोहल्लों में गुरुवार की सुबह से ही बिजली आपूर्ति ठप रहने से लोगों को परेशानी हुई। बुद्धि विहार, कांशीराम नगर, खुशहालपुर, दीवान का बाजार और नवाबपुरा सहित आसपास के क्षेत्रों में सुबह से लगातार बिजली गुल रही। पतंगबाजी के कारण लाइन में फॉल्ट हुआ तो कहीं तकनीकी खराबी के चलते आपूर्ति बाधित रही।

गुरुवार सुबह 4:00 बजे के लगभग बुद्धि विहार, कांशीराम नगर और खुशहालपुर की बिजली अचानक गुल हो गई। लोग अंधेरे में उठे तो पहले तो उन्होंने सामान्य कटौती समझी, लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी जब बिजली नहीं आई तो जानकारी के लिए बिजलीघर और कंट्रोल रूम में फोन मिलाते रहे, लेकिन बिजली आपूर्ति सुचारू होने की ठोस जानकारी नहीं मिल सकी।

इधर, सुबह करीब 7:00 बजे दीवान का बाजार और नवाबपुरा क्षेत्र में पतंगबाजी के दौरान 11 हजार वोल्ट की लाइन में फाल्ट हो गया। अचानक तारों के स्पर्श से चिंगारियां निकलने लगी और ट्रिपिंग के कारण कई इलाकों की सप्लाई ठप हो गई। बिजली गुल रहने से घरों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रही।

छात्रों के ऑनलाइन क्लास और कारोबारियों के कामकाज पर भी असर पड़ा। वहीं के रहने वाले विकास आहूजा ने बताया कि बार-बार ट्रिपिंग और फॉल्ट से इन इलाकों में रोजाना समस्या बनी रहती है। विभाग के अधिकारी कर्मचारी सुबह से ही लाइन सुधार कार्य में जुटे रहे। दोपहर तक बुद्धि विहार और कांशीराम नगर के कुछ हिस्सों में सप्लाई बहाल कर दी गई, जबकि खुशहालपुर और नवाबपुरा में मरम्मत का काम दोपहर तक चलता रहा।

जेई विद्युत वितरण खंड प्रथम संतोष सिंह ने बताया कि पतंगबाजी के कारण 11 हजार वोल्ट की लाइन में तार उलझ जाने से बड़ा फॉल्ट हुआ था। लाइन की मरम्मत के बाद धीरे-धीरे सभी क्षेत्रों की आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। लोगों ने विभाग से अपील की है कि पतंगबाजी के चलते लाइन के पास सुरक्षा अभियान चलाया जाए, ताकि इस तरह के हादसों और बार-बार होने वाली कटौती से राहत मिल सके।

आज दौलत बाग क्षेत्र में मरम्मत कार्य के चलते 3.30 घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र दौलत बाग से जुड़ी 33 केवी लाइन पर रखरखाव कार्य के चलते शुक्रवार को कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यह कटौती सुबह 8 से 11:30 बजे तक (करीब 3 .30 घंटे) के लिए प्रस्तावित की गई है। गुरुवार को अधीक्षण अभियंता नगरीय प्रशांत कुमार ने बताया कि 33 केवी दौलत बाग लाइन पर पेड़ों की कटाई-छंटाई का कार्य किया जाएगा। साथ ही 11 केवी तहसील स्कूल फीडर पर लगे जर्जर खंभों को बदला जाएगा। इस कार्य के चलते उपकेंद्र दौलत बाग से निर्गत 11 केवी तहसील स्कूल एवं बंगला गांव फीडर, तथा उपकेंद्र जिगर कॉलोनी से जुड़े 11 केवी डिप्टीगंज फीडर की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इस कार्य के चलते डिप्टीगंज, तहसील स्कूल, बंगला गांव, देवराज कम्पाउंड, दसवां घाट, झब्बू का नाला, घोंसी की पुलिया, दीवान का बाजार और लालबाग में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से इस दौरान सहयोग की अपील की है और बताया कि कार्य पूर्ण होने के बाद आपूर्ति जल्द ही बहाल कर दी जाएगी।

महिला सुरक्षा, हेल्पलाइन और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

मुरादाबाद, अमृत विचार: गुरुवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और महिलाओं को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, महिला सुरक्षा और अधिकारों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

मनो-सामाजिक परामर्शदाता तनीषा दिवाकर एवं विधिक सेवा प्राधिकरण की नीतू सक्सेना ने महिलाओं को उत्पीड़न से बचाव के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 181, महिला शक्ति हेल्पलाइन 1090, साइबर फ्रॉड 1930, आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 108 व 102 तथा बाल सहायता नंबर 1098 का उपयोग बताया। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को उत्पीड़न की स्थिति में सेवाओं का उपयोग करना चाहिए।

भारतीय संविधान में महिलाओं को समानता और स्वतंत्रता का अधिकार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत गुरुवार को गोकुलदास गर्ल्स कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में "भारतीय महिलाओं की बदलती सामाजिक स्थिति 1947 से 2025 विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की प्राचार्या प्रो. चारू मेहरोत्रा के निर्देशन में हुआ।

प्राचार्य प्रो. चारु मेहरोत्रा ने कहा कि भारतीय संविधान महिलाओं को समानता, स्वतंत्रता और सम्मान का पूरा अधिकार देता है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 यह सुनिश्चित करते हैं कि महिलाएं पुरुषों के समान अधिकारों की भागीदार हैं। वहीं अनुच्छेद 39 के तहत राज्य को यह निर्देश दिया गया है कि महिलाओं और पुरुषों को समान कार्य के लिए समान वेतन मिले और उनके स्वास्थ्य व सम्मान की रक्षा की जाए। महिलाओं की परिवर्तनशील सामाजिक स्थिति पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई, जिसके बाद महिलाओं की बदलती भूमिका और उसके कारणों पर विचार-विमर्श किया गया। विमर्श में यह निष्कर्ष निकला कि आज की महिलाएं अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति सजग होकर शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समानता के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। प्राचार्य ने कहा कि संविधान ने जो अधिकार दिए हैं, उन्हें व्यवहार में लाना ही सच्चे लोकतंत्र की पहचान है। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रो. अपर्णा जोशी, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अंचल गुप्ता ने प्रस्तुत किया। इस अवसर डॉ. अपर्णा तिवारी, डॉ. सीमा रानी और डॉ. मोनिका सिंह का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

गोकुलदास कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षिकाएं व छात्राएं।

● महिला सशक्तिकरण पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

सुबह छाया घना कोहरा, दिन में हवा के साथ खिली धूप

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- देर से हुए सूरज के दर्शन, दिन में तापमान रहा 28 डिग्री सेल्सियस

अमृत विचार: महानगरवासियों की गुरुवार की सुबह घनी धुंध के साथ हुई। कोहरे के चलते दृश्यता कम रही और वाहनों की गति धीमी रही। साढ़े नौ बजे के बाद सूर्य ने दर्शन दिए तो धीरे-धीरे धूप खिली।

दिन चढ़ने के साथ मौसम खुलने लगा, लेकिन हल्की ठंडी हवा पूरे दिन चलती रही। दिनभर धूप होने के बावजूद हवा में ठंडक महसूस की गई। लोगों ने दोपहर के समय भी हल्के गर्म कपड़े पहनना बेहतर समझा। वहीं, शाम होते-होते एक बार फिर कोहरे की हल्की धुंध छा गई जिससे ठंड का असर बढ़ गया।

मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच 13 डिग्री का अंतर रहा, जिससे दिन में हल्की गर्माहट और रात में ठंड का असर देखने को मिला। अगले कुछ दिनों तक सुबह और शाम को कोहरे की धुंध बनी रह सकती है।

गुरुवार सुबह दिल्ली रोड पर कोहरे में गुजरती कार। ● अमृत विचार

खेल खिलाड़ी | सातवीं अबुल हसन मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

मॉडर्न पब्लिक स्कूल बना फुटबॉल का चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : दिल्ली रोड स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में आयोजित सातवीं अबुल हसन मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का गुरुवार को समापन हो गया। रोमांचक मुकाबलों के बीच मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की।

आयोजन सचिव शाहवेज अली ने बताया कि प्रतियोगिता में मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा और संभल जिलों के साथ मुरादाबाद शहर के विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में मॉडर्न पब्लिक स्कूल का सामना स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल, रामपुर से हुआ। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों में कड़ी टक्कर रही। पहले हाफ में दोनों पक्षों की मजबूत रक्षा के कारण कोई भी गोल नहीं हो सका। दूसरे हाफ में मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम ने अपनी रणनीति बदलते हुए तेज आक्रमण किया और लगातार दो शानदार गोल दागकर बढ़त बना ली। मैच के अंत तक स्मार्ट इंडियन स्कूल की टीम मुकाबले में वापसी नहीं कर सकी और इस तरह मॉडर्न पब्लिक स्कूल ने टूर्नामेंट की विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता में व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए गए। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब मॉडर्न पब्लिक स्कूल के सरताज मुमताज को मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर स्मार्ट इंडियन स्कूल के आशीष बने। बेस्ट स्टॉपर का पुरस्कार अक्षय प्रताप को प्रदान किया गया और गोल्डन बूट का खिताब मोहम्मद नोमान को मिला। निर्णायक मंडल में अनुभव कुमार, तुषार, फैजान, आतिफ रजा, मोहम्मद फरमान, ऋतिक और कीर्ति बाजपेयी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में स्कूल के निदेशक सऊद आलम और प्रधानाचार्य शकील अहमद ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सुशील कुमार, अहसान खान, शादाब खान, कामरान केसर और नाजिश आदि मौजूद रहे।

एमपीएस ग्राउंड पर आयोजित टूर्नामेंट में ट्रॉफी के साथ विजेता मॉडर्न पब्लिक स्कूल की टीम। ● अमृत विचार

नोटिस के 10 दिन बाद कार्यदायी संस्था ने शुरू किया निर्माण कार्य

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- छजलैट तिराहे से बिजनौर-सहसपुर तक होना है 13.5 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण

अमृत विचार: लंबे समय से प्रतीक्षित छजलैट तिराहे से बिजनौर-सहसपुर तक 13.500 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग की ओर से जारी नोटिस के बाद कार्यदायी संस्था ने तय समय सीमा के भीतर कार्य प्रारंभ कर दिया है। संस्था द्वारा 15 दिन के भीतर कार्य पूर्ण करने की बात लिखित में दी गई है।

गुरुवार को अधीक्षण अभियंता (लोक निर्माण विभाग) एसपी सिंह ने बताया कि कार्यदायी संस्था को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया था कि निर्धारित अवधि में निर्माण कार्य शुरू न करने पर अनुबंध की समीक्षा की जाएगी। नोटिस जारी होने के सिर्फ 10 दिन बाद ही संस्था ने सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू कर दिया।इस सड़क के चौड़ीकरण से मुरादाबाद-बिजनौर मार्ग पर यात्रा करने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी। क्षेत्र के लोगों को अब लंबे समय से जर्जर सड़कों और जाम की समस्या से छुटकारा मिलने की उम्मीद है।अधिकारियों के अनुसार, सड़क का निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुसार कराया जा रहा है। 13.5 किलोमीटर की यह सड़क आधुनिक तकनीक से तैयार की जा रही है, जिससे बरसात के मौसम में जलभराव और गड्ढों की समस्या न हो।

कई कार्यों का प्रस्ताव शासन को भेजा

लोक निर्माण विभाग ने बताया कि मुरादाबाद मंडल के अन्य कई विकास कार्यों का प्रस्ताव भी तैयार कर शासन को भेजा गया है। इन प्रस्तावों में कई राज्य मार्गों के सुदृढ़ीकरण, पुल निर्माण और चौड़ीकरण परियोजनाएं शामिल हैं। व्यापारियों और ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य समय पर पूरा होने से न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि क्षेत्र के आर्थिक और औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी।

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बिश्नोई सभा का 9 नवंबर को होगा पुनर्गठन

कांठ, अमृत विचार : समाज को संगठित करने के लिए बिश्नोई सभा उत्तर प्रदेश का पुनर्गठन 9 नवंबर को किया जाएगा। गुरुवार को जानकारी देते हुए कार्यालय प्रभारी संजय कुमार बिश्नोई ने बताया कि समाज के विकास और संगठित करने के उद्देश्य से बिश्नोई सभा का पुनर्गठन करने का निर्णय विचार विमर्श के बाद किया गया है। भाजपा विधायक सलिल बिश्नोई की सहमति और सदस्यों एडवोकेट प्रदीप बिश्नोई, पूर्व अध्यक्ष नरेश सिंह बिश्नोई, वीरेंद्र विश्नोई, श्रवण बिश्नोई पूर्व महामंत्री लखनऊ राजीव बिश्नोई, सुदेश बिश्नोई मीडिया प्रभारी आदि से परामर्श के उपरांत सभा का आयोजन 9 नवंबर को 11:00 बजे उत्तर प्रदेश के मुख्यालय लोदीपुर धाम में होगा।

पांच के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज

भोजपुर अमृत विचार : पुलिस ने गांव पीपलसाना निवासी मुजफ़्फ़र पुत्र खैराती की तहरीर पर गांव के चार पिता-पुत्र समेत पांच के खिलाफ रास्ते में रोककर मारपीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में ग्रामीण ने कहा है कि 31अटूबर को गांव में ही अपने साथी तय्यब के साथ सुपर मार्डन शादी हाल में दावत खाकर लौट रहा था। रास्ते में शाबिर और उसके पुत्र शाकिर, गुड्डू, शारूख और हबीब अशरफ ने रोककर गालियां देते हुए कहा कि दोबारा इधर दिखाई दिया तो जान से मार देंगे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राज्य स्तरीय टीटी के लिए ट्रायल 21 को

मुरादाबाद, अमृत विचार : खेल निदेशालय के निर्देश अनुसार खेल विभाग और प्रदेश स्तरीय खेल संघों के समन्वय से अयोध्या में 25 से 27 नवंबर तक राज्य स्तरीय पुरुष व महिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए खिलाड़ी 21 नवंबर को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित होने वाले ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन 22 नवंबर को आयोजित होने वाले मंडल स्तरीय चयन ट्रायल के लिए होगा। इसमें प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभा दिखा सकते हैं।

मानसिक बीमारियों के लक्षण बताए

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सीएचसी कांठ में कैंप आयोजित

कैंप में मरीज और परिजनों की काउंसलिंग करते चिकित्सक। ● अमृत विचार

संवाददाता, कांठ

- 47 का स्वास्थ्य जांचा, मरीजों और परिजनों की काउंसलिंग

अमृत विचार : राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा सीएचसी कांठ में कैंप लगाया गया। जिसमें 47 मरीजों की स्क्रीनिंग करने के उपरांत परीक्षण कर उन्हें औषधि दी गई।

मरीजों और परिवार वालों की काउंसलिंग कर उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया। इस दौरान मानसिक बीमारियों से संबंधित लक्षणों जैसे नींद ना आना देर से नींद आना, चिंता, घबराहट उलझन आदि रहना, एक ही कार्य को बार-बार करना उदास रहना किसी प्रकार के नशे की लत लग जाना, उल्टा सीधा बोलना, गुस्सा अधिक करना, बेवजह गाली गलोज करना, बुद्धि का काम विकास होना, बेवजह सबसे ग्रसित रहना आदि लक्षणों के बारे में चिकित्सकों ने बताया। इस अवसर पर साइकोलॉजिस्ट एसके शर्मा, सोशल वर्कर जमींदार सिंह, कम्युनिटी नर्स सलिल दीक्षित, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव सिंह, बीपीएम चंद्रशेखर यादव, महेंद्र सिंह, सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

220 से अधिक नेत्र रोगियों का परीक्षण किया

बिलारी, अमृत विचार : क्षेत्र के अमरपुर काशी स्थित कृषि औद्योगिक प्राइमरी पाठशाला में रोटरी नेत्र चिकित्सालय चंदौसी द्वारा एक दिवसीय नेत्र परीक्षण कैंप का आयोजन हुआ। प्रधानाचार्य आशीष कुमार जादौन ने बताया कि संस्थान संस्थापक बाबूजी मुकुट सिंह के निर्देशन में रोटरी नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों की टीम ने नेत्र रोगियों का परीक्षण किया। मुफ्त दवाइयां दी गई और आयुष्मान कार्ड धारकों को ऑपरेशन के लिए ले जाया गया। रजिस्ट्रेशन प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि कैंप में 220 से अधिक नेत्र रोगियों का परीक्षण किया गया। प्रशासक नवीन जायसवाल, डॉ सुमित यादव, मुजाहिद अब्बासी, शहवाज नबी सहित चिकित्सकों की टीम ने नेत्र परीक्षण किया। इस दौरान अजय सिंह, वैभव राघव, हितेंद्र पाल सिंह, विश्वजीत राघव, शुभेन्दु प्रताप सिंह सहित एमएसडब्लू के विद्यार्थियों ने शिविर में सहयोग किया।

इंदर सिंह हत्याकांड 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

हसनपुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के गांव लुहारी खादर के किसान इंदर सिंह खड़गवंशी की पेड़ पर लटकी हुई लाश मिलने के सनसनीखेज मामले में 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

पेड़ पर किसान का शव रस्सी से लटका मिला था। जिस पर मारपीट और घसीटे जाने के स्पष्ट निशान थे। परिजनों ने रंजिश में बेरहमी से हत्या का आरोप लगाया है। मृतक की पत्नी हरप्यारी ने बताया कि रविवार शाम से लापता हुए इंदर सिंह का मोबाइल खेत पर मिला था, लेकिन गुमशुदगी की तहरीर के बाद भी पुलिस ने सक्रियता नहीं दिखाई, जिसके कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। हरप्यारी ने कुछ नामजद एवं अज्ञात लोगों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने बताया कि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का केस दर्ज कर जांच कर रही है।

15 हजार रुपये की रिश्वत लेते चकबंदी पेशकार गिरफ्तार

बरेली कार्यालय

- मुरादाबाद के ग्राम रूपपुर टंडौला का रहने वाला है आरोपी

अमृत विचार : जमीन की दाखिल खारिज करने की एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत ले रहे चकबंदी अधिकारी कार्यालय फरीदपुर में तैनात पेशकार मुरादाबाद के ग्राम रूपपुर टंडौला निवासी रजत चौधरी को भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) ने गुरुवार को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन इंस्पेक्टर प्रवीण सान्याल ने बताया कि फरीदपुर तहसील के ग्राम पदारथपुर निवासी मोहम्मद आदिल ने शिकायत की थी। आरोप था कि उन्हें दान में मिली हुई जमीन का दाखिल-खारिज कराना था। वह फरीदपुर चकबंदी अधिकारी के कार्यालय में तैनात कनिष्ठ सहायक (पेशकार) रजत चौधरी से मिले। सभी प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी वह उनसे 15 हजार रुपये की रिश्वत की मांग करते रहे। एंटीकरप्शन टीम ने जाल बिछाया और गुरुवार की दोपहर करीब सवा एक बजे पीड़ित को 15 हजार रुपये लेकर भेजा। जैसे ही आदिल ने पेशकार रजत चौधरी को रुपये दिए, टीम ने गिरफ्तार कर लिया। टीम आरोपी को गिरफ्तार कर शहर कोतवाली लेकर आई।

जहां पर इंस्पेक्टर प्रवीण सान्याल ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। इंस्पेक्टर प्रवीण सान्याल का कहना है कि मंडल में कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो 9454405475 और 9454401653 पर संपर्क कर शिकायत कर सकते हैं।

विहिप ने शुरू किया धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान

धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान में भाग लेते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : नगर में विश्व हिंदू परिषद की ओर से हिंदू जागरण, हिंदू हित संवर्धन, राष्ट्र निर्माण एवं शक्ति संवर्धन के लिए धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान चलाया गया। जिसमें दान दाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विहिप के मोनू विश्नोई बजरंगी ने बताया कि नगर कांठ में बृहस्पतिवार से धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान चलाया गया है जो 20 नवंबर तक चलेगा। पहले दिन दानदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निवेदन किया कि सभी यथाशक्ति दान कर संगठन को मजबूत करें। इस सहयोग से सेवा कार्यों को सुचारू रूप से चलाया जा सकेगा। संस्था में दिया गया अनुदान सहयोग हिंदू हित तथा राष्ट्र निर्माण संवर्धन में सहयोग करेगा। संस्था का प्रमुख उद्देश्य भावी पीढ़ी को संस्कारवान व नशामुक्त बनाना, समाज में समरसता स्थापित करना व बच्चियों को लव जेहाद से बचाना है। संगठन के प्रयासों से एकल विद्यालय, गोशालाएं, वेद विद्यालय, कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, चिकित्सा केंद्र चलाए जा रहे हैं। कहा कि पहला कर्तव्य धार्मिक, सांस्कृतिक विरासत को बचाना है। साथ ही साथ धर्म रक्षा करना भी है। इस अवसर पर, मोनू विश्नोई बजरंगी, अखिलेश चौहान, अजयपाल तोमर, सचिन अग्निहोत्री आदि कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

गोशाला में गो सेवा कर बीमार गोवंशों का उपचार कराया

कांठ, अमृत विचार: गो सेवा गतिविधि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को सादकपुर खिचड़ी की गोशाला में जाकर गो सेवा और बीमार गोवंशों का उपचार कराया।

जिला संयोजक विकास शर्मा ने बताया कि वर्तमान में यहां 300 से ज्यादा गोवंश संरक्षित है। बताया कि डीएम को पत्र देकर गोशाला में बीमार, छोटे गोवंश को अलग से बांधने के लिए एक कैटल शेड की मांग की थी। आदेश के बावजूद शेड नहीं बन पाया था। तो ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आदित्य श्रीवास्तव से मिलकर गोशाला में आ रही समस्याओं से अवगत कराया। उनके आदेश के बाद गुरुवार को कैटल शेड का आरंभ कर किया गया। उस में पांच गायों को रखा गया है। इस कैटल शेड की देखभाल के लिए दो केयरटेकरों को जिम्मेदारी दी गई है। इन पशुओं की खाने-पीने की व्यवस्था भी अलग से की गई है। कहा कि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आदित्य श्रीवास्तव ने काफी सहयोग किया। कुछ गांव में चारा बोने वाली जमीन पर दोबारा चारा नहीं बोया गया है।

आरिज के शतक से नेक्स्ट जेनरेशन की शानदार जीत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

टूर्नामेंट में शॉट लगाने के लिए तैयार खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- बिशप पारकर मेमोरियल अंडर-12 क्रिकेट टूर्नामेंट में गुर्जर अकादमी को 68 रनों से हराया

अमृत विचार : पारकर इंटर कॉलेज के मैदान पर पारकर क्रिकेट अकादमी की ओर से आयोजित बिशप पारकर मेमोरियल अंडर-12 क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार को नेक्स्ट जेनरेशन क्रिकेट अकादमी और गुर्जर क्रिकेट अकादमी, शाहजहांपुर के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। नेक्स्ट जेनरेशन के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मैच को अपने नाम किया।

टॉस जीतकर नेक्स्ट जेनरेशन क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। टीम की शुरुआत मजबूत रही। ओपनिंग जोड़ी ने सधी हुई पारी खेलते हुए रनगति बनाए रखी। टीम के बल्लेबाज आरिज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 106 रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं, अरीब कमाल ने भी उनके साथ बढ़िया साझेदारी की और 100 रन जोड़े। दोनों खिलाड़ियों ने मिलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मध्य क्रम में निखिल वर्मा ने तेजी से खेलते हुए 60 रन बनाए, जिससे टीम का स्कोर निर्धारित 40 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 252 रन तक पहुंच गया। गुर्जर क्रिकेट अकादमी की गेंदबाजी शुरुआत में थोड़ी असरदार रही, लेकिन नेक्स्ट जेनरेशन के बल्लेबाजों ने धैर्य के साथ रन जुटाते हुए बढ़त कायम रखी।

दबाव में नजर आई गुर्जर क्रिकेट अकादमी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुर्जर क्रिकेट अकादमी की टीम दबाव में नजर आई। शुरुआती ओवरों में ही उन्हें विकेटों का नुकसान उठाना पड़ा। हालांकि, मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने कुछ हद तक संघर्ष करते हुए रन जुटाने की कोशिश की, लेकिन पूरी टीम सात विकेट खोकर केवल 184 रन ही बना सकी।

नेक्स्ट जेनरेशन की गेंदबाजी भी उतनी ही प्रभावशाली रही, जिसने विरोधी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। नेक्स्ट जेनरेशन ने मुकाबला 68 रनों से जीत लिया। शानदार प्रदर्शन के लिए आरिज को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से सम्मानित किया गया। स्कोरर की भूमिका सीनियर प्लेयर हरदेव ने निभाई। इस मौके पर कोच हिमांशु शर्मा, अभय गुर्जर राहुल आदि मौजूद रहे।

स्वामी दयानंद सरस्वती के बताए मार्ग पर चलने का किया आह्वान

सदरपुर मतलबपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते आर्य समाजी। ● अमृत विचार

संवाददाता, छजलैट

- आर्य समाज में धूमधाम से मनाया गया 97वां वार्षिक महोत्सव

अमृत विचार : ग्राम सदरपुर मतलब पुर के आर्य समाज में 97 वां वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।कांठ तहसील क्षेत्र के ग्राम सदरपुर मतलबपुर में आयोजित कार्यक्रम में आर्य बंधुओं ने हवन में आहुति देकर सुख, शांति की कामना की। आर्य समाज के अध्यक्ष राजवर्धन आर्य ने बताया कि सदरपुर मतलब पुर में बहुत ही प्राचीन आर्य समाज है जिसकी सेवा करने का मौका हमें मिला है।

उन्होंने कहा कि हर मनुष्य को वेदों का ज्ञान होना चाहिए। कार्यक्रम में गुरुकुल पीठ के आचार्य अखिल आनंद सरस्वती ने स्वामी दयानंद सरस्वती के बताएं सच्चे मार्ग पर चलने का आह्वान किया। आर्य समाज के भजनों से मन मोह लिया। कार्यक्रम में उपस्थित आर्य समाज के उप प्रधान समरपाल सिंह आर्य, हर ज्ञान सिंह ,मंत्री अश्वनी आर्य, पुनीत आर्य, राहुल, सौरभ, मुनेश कुमार आर्य कांठ आर्यसमाज से ओम कार सिंह सतपाल सिंह दीवान जी भारी संख्या में महिलाएं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सड़क पर मिला ज्वेलरी से भरा बैग, दुकानदार ने लौटाया

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- सोशल मीडिया की मदद से मालिक को सौंपे ढाई लाख के आभूषण

अमृत विचार: दुकानदार ने सड़क पर मिला आभूषणों से भरा बैग पुलिस के सुपुर्द कर दिया। सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिलने पर बैग का वास्तविक मालिक कोतवाली पहुंचा, जहां पुलिस ने सत्यापन के बाद इ बैग उसे सौंप दिया।

बुधवार को सनातन धर्म हिंदू इंटर कॉलेज के सामने सड़क पर एक बैग गिर गया। पास स्थित दुकान पर बैठे दुकानदार राज बिहारी ओझा और उनकी पौत्री ने बैग को रख लिया। राज बिहारी ने पुत्र पत्रकार विवेक ओझा को जानकारी दी। विवेक ने बैग खोल उसका वीडियो बनाया, जिसमें लगभग ढाई लाख रुपये कीमत के सोने के आभूषण, बच्चों के कपड़े और अन्य सामान था। सूचना देने पर आरक्षी अभिषेक शर्मा व होमगार्ड ऋषिपाल सिंह पहुंचे और बैग को कोतवाली ले आए।

सोशल मीडिया से जानकारी मिलने पर बिजनौर के थाना रेहड़ क्षेत्र के गांव निवासी नरेंद्र सिंह पुत्र दिलीप सिंह पत्नी प्रीति सिंह के साथ कोतवाली ठाकुरद्वारा पहुंचे। दंपती ने बताया कि प्रीति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत हैं। शाम करीब चार बजे वह बाइक से घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में बैग गिर गया, जिसका पता उन्हें घर पहुंचने पर लगा।

कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने सत्यापन के बाद दंपती को बैग व उसमें रखे आभूषण एवं अन्य सामान सही सलामत सौंप दिया। बैग मिल जाने पर दंपती भावुक हो उठे और उन्होंने पुलिस, विवेक और उनके पिता राज बिहारी ओझा का आभार व्यक्त किया।

नारी उत्थान केंद्र के प्रयास से दो दंपती में सुलह

मुरादाबाद, अमृत विचार : पुलिस ने पारिवारिक विवादों में उलझे दो दंपती के बीच मतभेदों का समाधान कराया। सुलह नारी उत्थान केंद्र पुलिस लाइन में गुरुवार को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग के दौरान हुई।

गुरुवार को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी की निगरानी में परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कराई गई। परामर्शदाता एम.पी. सिंह यादव ने काउंसलिंग के दौरान दोनों जोड़ों की समस्याओं को सुना। समझाने और आपसी संवाद के बाद दोनों पक्षों ने सहमति से सुलह का निर्णय लिया। केंद्र की ओर से जोड़ों को नवजीवन की शुभकामनाएं दी गईं और समझाया गया कि भविष्य में किसी भी विवाद को बातचीत और आपसी समझ से सुलझाया जाए। पुलिस प्रशासन ने बताया कि ऐसे प्रयासों का उद्देश्य टूटी हुई पारिवारिक डोर को फिर से जोड़ना है।

शादी की जिद पर अड़ी प्रेमिका देवरिया से पहुंची प्रेमी के गांव

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- परिजनों में मचा हड़कंप, समझाने के बाद मां के साथ लौटी युवती

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लालापुर पीपलसाना में देवरिया जिले से एक युवती मां के साथ एक युवक के घर पहुंच गई। युवती ने युवक पर प्रेम संबंध और शादी का वादा करने के बाद मुकर जाने का आरोप लगाया। स्थिति तनावपूर्ण होती देख ग्रामीणों की भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम लालापुर पीपलसाना का एक युवक दिल्ली में कोचिंग सेंटर पर पढ़ाई करने गया था, जहां उसकी मुलाकात देवरिया निवासी एक युवती से हुई। साथ पढ़ाई के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और प्रेम संबंध बन गए। युवती का कहना है कि युवक ने उससे शादी करने का वादा भी किया था।

कुछ समय बाद युवक लौट आया, जिसके बाद उसने युवती के फोन कॉल उठाने बंद कर दिए। दो दिन पूर्व युवती मां को साथ लेकर किसी तरह युवक के गांव पहुंच गई।

घर पहुंचते ही युवती ने स्पष्ट कहा कि वह विवाह कर के ही वापस जाएगी, अन्यथा नहीं लौटेगी। युवक के परिजनों में हड़कंप मच गया। मामला बढ़ता देखकर परिजनों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस रात में ही मौके पर पहुंची। अगले दिन सुबह ग्रामीणों और परिजनों ने दोनों पक्षों को समझाया। काफी समझाने के बाद युवती और उसकी मां ने सहमति से वापस जाने का निर्णय लिया।

पुलिस का कहना है कि मामला आपसी सहमति से सुलझ गया है और फिलहाल किसी पक्ष की ओर से शिकायत नहीं दी गई है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो. 7906815587

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Mohammad Ahmad Jamal से बदलकर Mohd Ahmed Jamal S/o Aamir Jamal निवासी तकिया बुद्धा शाह किसरोल, मुरादाबाद रख लिया है भविष्य में मुझे नए नाम से जाना पहचाना जाए।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

5 बीघा जमीन पर अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

पंडित नगला में प्लाटिंग को ध्वस्त करती जेसीबी। ● अमृत विचार

- पंडित नगला रोड पर एमडीए टीम ने की कार्रवाई, चेतावनी दी

अमृत विचार : मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुभव सिंह के निर्देश पर गुरुवार को प्रवर्तन टीम ने पंडित नगला रोड पर अवैध प्लाटिंग को जेसीबी मशीन से ध्वस्त कराया। दोबारा ऐसा न करने की चेतावनी भी दी।

प्राधिकरण की टीम ने जोन 3 के पंडित नगला रोड पर लगभग 5 बीघा भूमि पर मोहम्मद कासिम के द्वारा अवैध तरीके से प्लाटिंग कर विक्रय किया जा रहा था। टीम ने प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निर्देश पर मौके पर पहुंचकर अवैध प्लाटिंग के चिन्हित 5 बीघा क्षेत्र पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। जिससे आगे किसी भी अवैध बिक्री या निर्माण को रोका जा सके।

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने बताया कि नगर क्षेत्र और अधिसूचित क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग, अनधिकृत निर्माण और अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रवर्तन अभियान लगातार चल रहा है। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि भूमि क्रय या निर्माण कार्य केवल प्राधिकरण की अनुमति और विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत ही करें। अवैध प्लाटिंग में निवेश करने से बचें।

थाने के नाम पर दुकान से दो भगोने ले गया अज्ञात

कुंदरकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगर स्थित एक टेंट की दुकान से कोई अज्ञात व्यक्ति दुकानदार से थाने का नाम लेकर दो भगोने ले गया। वापस नहीं पहुंचाया तो दुकानदार ने थाना कुंदरकी में शिकायती पत्र दिया।

नगर कुंदरकी के गैस एजेंसी के पास रहने वाले दुकानदार शहाबुद्दीन ने बताया कि 1 नवंबर को कोई अज्ञात व्यक्ति दुकान पर आया और कहा कि थाने में दो भगोने मंगाए है। थाने और पुलिस का नाम सुनकर शहाबुद्दीन ने उसे भगोने दे दिए लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी जब उक्त व्यक्ति भगोने पहुंचाने नहीं आया तो उसे धोखाधड़ी का शक हुआ। हल्का चौकी इंचार्ज ने बताया कि शिकायती पत्र नहीं मिला है। मिलते ही जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

वकालत के 63 वर्ष पूरे, चेयरमैन सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

चेयरमैन को सम्मानित करते अध्यक्ष व अन्य अधिवक्ता। ● अमृत विचार

- हॉल में बार एसोसिएशन की ओर से कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार : दि बार एसोसिएशन एंड लाईब्रेरी मुरादाबाद की चुनाव कराने वाली एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन बार के सबसे वरिष्ठ अधिवक्ता बनते हैं। इस समय रमाशंकर एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन है जो दायित्व पर रहते 13 बार एसोसिएशन का चुनाव करा चुके हैं।

गुरुवार को हॉल में आयोजित कार्यक्रम में बार एसोसिएशन की ओर से गुरुवार को एल्डर्स कमेटी के सदस्यों एवं चुनाव समिति के सदस्यों की उपस्थिति में दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता व कपिल गुप्ता ने एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन को सम्मानित किया। ईश्वर से कामना की गई कि एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन स्वस्थ रहें और सदस्यों को उनका मार्गदर्शन मिलता रहे। इस दौरान विजय गुप्ता, सुभाष चन्द्र गर्ग, सुधीर गुप्ता, महेश चन्द्र त्यागी, सतीश विश्नोई, संजय सोनी, रमेश सिंह आर्य, विशाल कांत, नरेन्द्र सिंह चौहान, आदेश श्रीवास्तव, सर्वेश शर्मा, मनोज कुमार गुप्ता, संदीप खन्ना, संजय यादव मो. उस्मान आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

मॉरीशस में कार्यक्रम में शामिल होंगे शिक्षक

रामपुर, अमृत विचार : साहित्य संचय शोध संवाद फाउंडेशन दिल्ली द्वारा मॉरीशस में 8 जनवरी 2026 में होने वाले अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक संगोष्ठी में वक्ता, शोध प्रस्तुति के लिए शिक्षक को आमंत्रण किया गया है। जिसमें टांडा के कन्या कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षक डॉ. राजवीर सिंह को एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पर अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो रहा है। वह ग्राम ठिरियादान निकट टांडा बादली के रहने वाले हैं, इनके पिता किसान थे। इनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम के ही प्राथमिक विद्यालय में हुई और बी-एड, वनस्पति विज्ञान, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान और इतिहास में परास्नातक की उपाधि के साथ वनस्पति विज्ञान में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

आज गुल रहेगी सिविल लाइंस क्षेत्र की बिजली

रामपुर, अमृत विचार : अधिशासी अभियंता पीके शर्मा ने बताया कि सिविल लाइन उप केंद्र के तहत सिविल लाइस फीडर पर राधा चौराहे पर 250 केवीए और 400 केवीए ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग का कार्य होना प्रस्तावित है। जिसके चलते रामनाथ कॉलोनी, नैनीताल रोड, डालमिया आई हॉस्पिटल, प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, कपूर पेट्रोल पंप, आदि की विद्युत आपूर्ति पूर्ण रूप से बंद रहेगी।

9 से होगी प्रतियोगिताएं

रामपुर, अमृत विचार : हाईवे किनारे स्थित व्हाइट हाल स्कूल में अंतरविद्यालीय रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन 9 नवंबर को होगा। जिसमें मुरादाबाद, रुद्रपुर, बरेली आदि के विभिन्न विद्यालय प्रतिभाग करेंगे। जिसका आयोजन सुबह 9 बजे से होगा।

लोगों को किया जागरूक

रामपुर, अमृत विचार : थाना एचटीयू पुलिस एवं जिला चिकित्सालय की संयुक्त टीम द्वारा थाना अजीमनगर क्षेत्र के गांव खौद में जागरूकता अभियान संचालित किया। अभियान के दौरान टीम द्वारा स्कूल, कॉलेज के 200 मीटर के दायरे तथा सार्वजनिक स्थलों पर तम्बाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट आदि प्रतिबंधित उत्पाद बेचने वालों के विरुद्ध निरीक्षण एवं कार्रवाई की गई। इस दौरान 7 दुकानदारों के विरुद्ध चालान करते हुए 2400 का जुर्माना वसूला किया। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना एवं शैक्षणिक संस्थानों के आस-पास नशे के प्रसार पर रोक लगाना है।

स्काउट से राष्ट्र निर्माण की भावना का विकास

जिलाधिकारी और भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन, बच्चों ने किया मार्च पास्ट

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : स्वार रोड स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम में भारत स्काउट और गाइड की तीन दिवसीय जनपदीय रैली का गुरुवार को आगाज हुआ। जिलाधिकारी ने कहा कि स्काउट से हम बच्चों में मानव सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना का विकास करते हैं।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी और भाजपा के जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन करने के बाद स्काउट झंडा फहराकर उद्घाटन किया। स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में स्काउट गाइड ने गांठ बांधने का प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि बच्चों को इस प्रकार का प्रशिक्षण से देने से राष्ट्रीय एकता की भावना और सेवाभाव का विकास किया जा सकता है। जिला विद्यालय अंजलि अग्रवाल, जिला बेसिक अधिकारी कल्पना देवी, जिला मुख्य आयुक्त बलराम सिंह, भारत स्काउट गाइड ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कन्या इंटर कॉलेज खारी कुआं, राजकीय खुर्शीद बालिका इंटर कॉलेज की बालिकाओं ने स्वागत गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्काउट और गाइड की मार्च पास्ट और वर्दी की प्रतियोगिता हुई। इस अवसर पर अवतार सिंह, सतपाल सिंह, सतनाम सिंह, शिव ओम शर्मा, रीता जैसवार, अनिल कुमार शर्मा, योगेंद्र पाल सिंह, लक्ष्मी यादव, गीता सैनी, रीना दुबे, जमील अहमद, जीतू कुमार, नरवंत कौर, भुजवीर सिंह, निदा खुशनुद, जमाल फातिमा, प्रेमपाल सिंह, हरीश डुडेजा, गुरप्रीत सिंह, योगेंद्र पाल सिंह, रूपा अग्रवाल, आकांशा सक्सेना, वेदपाल सिंह, तरुण वार्ष्णेय, शिव शंकर, तुषार शर्मा आदि उपस्थित रहे। संचालन निलय सक्सेना, हरीश डुडेजा और नरवंत कौर ने किया।

स्काउट गाइड की जनपदीय रैली में बोलते जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी।

गांठें बांधने का प्रदर्शन करते स्काउट। ● अमृत विचार

इन स्कूलों के स्काउट हुए शामिल

जैन इंटर कॉलेज, सुंदर लाल इंटर कॉलेज, राजकीय जुल्फिकार इंटर कॉलेज, चौधरी जमना दास इंटर कॉलेज बिलासपुर, डीएवी इंटर कॉलेज विशारद नगर, आदर्श कृषक इंटर कालेज किरा, राजकीय इंटर कालेज पटवाई, राजकीय इंटर कॉलेज मानकपुर बंजरिया, गुरुनानक इंटर कॉलेज बिलासपुर, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेमपुर, दर्शन अकादमी जूनियर हाइस्कूल, पूर्व माधमिक विद्यालय लालपुर कलां, कम्पोजिट विद्यालय नरखेड़ा।

इस स्कूलों की गाइड हुईं शामिल

कन्या इंटर कॉलेज खारी कुआं, राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज, विद्या मंदिर समूह, रामप्रसाद कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नेहरू नगर पालिका इंटर कॉलेज, डीएवी कन्या इंटर कॉलेज, उच्चतर प्राथमिक विद्यालय लालपुर, राजकीय इंटर कॉलेज मानकपुर बंजरिया, पूर्व माध्यमिक विद्यालय इमरता, राजकीय इंटर कॉलेज काशीपुर।

पुरस्कार के साथ मौजूद शिक्षक। ● अमृत विचार

पुरुष वर्ग में अंजुम और महिला में उर्वशी प्रथम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में जिला स्तरीय आईसीटी प्रतियोगिता हुई। पुरुष वर्ग में कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय मिल्क निब्बी सिंह के सहायक अध्यापक अंजुम स्नेही सक्सेना प्रथम व द्वितीय स्थान पर सुमित कुमार सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय भंडपुरा रहे। महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार उर्वशी सिंह को मिला।

प्रतियोगिता में कुल 28 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने अपने विद्यालय में आईसीटी आधारित गतिविधियों का प्रदर्शन किया। महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार उर्वशी सिंह सहायक अध्यापक कंपोजिट विद्यालय लोहा मिलक व द्वितीय पुरस्कार प्रिया शर्मा सहायक अध्यापक प्राथमिक मझरा रामनगर ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल द्वारा कहा कि सभी शिक्षकों ने अच्छा प्रदर्शन किया। प्राचार्य डायट अशोक कुमार ने सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया व अपने विद्यालय में अच्छा कार्य करने के लिए उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में मोहित कुमार सक्सेना, रूही नाज, अनुजा सिंह, जफर बेग, पुनीत अग्रवाल, विनोद कुमार, अंजलि सक्सेना, पवन सक्सेना, पूनम सिन्हा ने प्रतिभाग किया। संचालन मुनेंद्र प्रताप सिंह, मोनिका व अनन्या शर्मा ने किया। निर्णायक डॉ. कामिल हुसैन, डॉ. साक्षी त्यागी व डॉ. सोमपाल सिंह निभाई व नोडल श्याम रस्तोगी रहे।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रही मिशन शक्ति : डॉ. ढींगरा

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में महिला सशक्तिकरण के व्याख्यान सत्र हुआ।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. जागृति मदान ढींगरा ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य और स्वावलंबन के लिए महत्वपूर्ण पहल है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में महिला सशक्तिकरण, मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य, कैरियर, स्वरोजगार, आत्मनिर्भरता एवं जागरूकता की भावना को प्रबल करना और उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों में डटकर मुकाबला करने के लिए सजग करना था। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो. मीनाक्षी गुप्ता ने अपने प्रेरणादायक व्याख्यान में छात्राओं को स्वास्थ्य और स्वरोजगार के बारे में जानकारी दी।

भारतीय हॉकी महासंघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे, खिलाड़ियों ने काटा केक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : 7 नवंबर 1925 को आईएचएफ (भारतीय हॉकी महासंघ) की स्थापना हुई थी। भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर जश्न मनाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी में रामपुर की हॉकी की धमक रही है। इसको लेकर रामपुर में उप्र खेल विभाग की ओर से खेलों का आयोजन होगा।

1925 में एफआईएच ने तीन वर्ष के भीतर आया एम्स्टर्डम 1928 और उसके साथ ऐतिहासिक ओलंपिक स्वर्ण पदक ने भारत को हॉकी महाशक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। वर्ष 1928 से 1959 का स्वर्ण युग भारतीय हॉकी की पहचान बना और 1980 और 1990 के दशक ने उसकी विरासत की परीक्षा ली। भारतीय हॉकी में रामपुर के खिलाड़ियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नवाब दौर से रामपुर में हॉकी का जलवा रहा है। हॉकी का रजा गोल्ड कप देश-दुनिया में प्रसिद्ध रहा है। लड्डन खां, अरशद अली खां, इकबाल बेग समेत रामपुर के कई खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेलकर देश का मान बढ़ाया है। इनमें कई क्लब भी शामिल हैं। रूहेला टाइगर क्लब का मैदान, महात्मा गांधी स्टेडियम, माला ग्राउंड, नवाब जुल्फिकार अली खां एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम पनवड़िया, शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम बमनपुरी, अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम सींगनखेड़ा प्रमुख हैं। हॉकी संघ के सचिव मुख्तार खां ने बताया कि 50 और 60 के दशक में भारतीय हॉकी जलवा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया के माध्यम से खेलों का बढ़ावा दिया है। हॉकी की नर्सरी तैयार हो रही है और आने वाले कल में एक बार फिर भारतीय हॉकी का डंका बजेगा।

● **7 नवंबर 1925 को ग्वालियर में हुई थी स्थापना**

पुरुषों और महिला हॉकी खिलाड़ियों ने शानदार हॉकी का प्रदर्शन कर देश दुनिया में भारतीय हॉकी का हुनर दिखाया है। एशियाई खेलों में समृद्ध पदक उपलब्धियों के साथ, हॉकी आज भी भारत की खेल आत्मा में गहराई से रची-बसी है। – **जोजफ खां**

100 वर्ष के सफर में भारतीय हॉकी ने बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। इन 100 वर्ष में भारतीय हॉकी ने 8 स्वर्ण पदक जीते हैं जोकि, अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धता है। भारतीय हॉकी का भविष्य स्वर्णिम है इसे कोई रोक नहीं सकता। – **नेहा सिंह**, राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी

● **रामपुर में नवाबों के समय में हॉकी को मिलता रहा बढ़ावा**

भारतीय हॉकी के 100 वर्ष दौरान रामपुर के खिलाड़ियों ने भी उपस्थिति दर्ज कराई है। हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर देश में जश्न मनाया जा रहा है यह हॉकी इंडिया में ऊर्जा फूंकने का काम करेगा। – **मुख्तार खां**, सेक्रेटरी जिला हॉकी संघ

हॉकी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर जश्न मनाया जाना खुशी की बात है। वर्ष 1980 के दशक तक रामपुर की हॉकी जलवा रहा है। एक बार फिर हॉकी की नर्सरी तैयार हो रही है जोकि, भविष्य में हॉकी को नए आयाम देगी। – **साजिद अली**, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी

स्टेडियम में केक काटते प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी एवं हॉकी खिलाड़ी।

प्रशिक्षक ने बताए भारतीय हॉकी के कीर्तिमान

रामपुर, अमृत विचार : शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम में गुरुवार को हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर खिलाड़ियों ने केक काटकर जश्न मनाया। इस अवसर पर हॉकी प्रशिक्षक फरहत अली खां ने कहा कि भारतीय हॉकी के कीर्तिमान ओलम्पिक कोई देश छू भी नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हम गर्व से कहते हैं कि हमने ओलंपिक में आठ गोल्ड, एक सिल्वर और तीन ब्रांस मेडल हासिल किए हैं। स्टेडियम पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि नवंबर और दिसंबर में हॉकी से संबंधित सामान्य ज्ञान, भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग सेमिनार और प्रतियोगिताएं होगी। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार, खेलो इंडिया कोच मोहमद फहीम, रोशनी, मशीयत फातिमा, कशिश, नविता माही, परी, आंचल, शीतल, गुंजन, हुदा खान, समीर खान, आदित्य, साजन दक्ष आदि उपस्थित रहे।

सीएमओ ने अधीक्षक से मांगा स्पष्टीकरण

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्वार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी, महिला वार्ड, इमरजेंसी कक्ष, रजिस्ट्रेशन कक्ष, टीबी बीपीएचयू लैब, एक्स-रे कक्ष और प्रसव कक्ष की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक को अनुपस्थित कार्मिकों का वेतन अग्रिम आदेशों तक बाधित करने के साथ ही चिकित्साधीक्षक का जवाब तलब किया है। सीएचसी में गुरुवार को निरीक्षण में सफाई व्यवस्था खराब पाई गई और चिकित्सा अधीक्षक नियमित टीकाकरण सुपरविजन के लिए फील्ड में रहने पर देरी से उपस्थित हुए। सीएमओ को चिकित्साधिकारी, स्टाफ नर्स सहित ज्यादातर कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इमरजेंसी कक्ष के निरीक्षण के दौरान कोई भी चिकित्सक ड्यूटी पर उपस्थित नहीं पाया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने चिकित्सा अधीक्षक का जवाब तलब किया है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने चिकित्सा अधीक्षक से कहा कि सभी वार्ड, इमरजेंसी कक्ष, रजिस्ट्रेशन कक्ष आदि की सफाई व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त कराएं और प्रसव कक्ष में ड्यूटी पर तैनात एएनएम व स्टाफ नर्स का स्पष्टीकरण प्राप्त कर कार्यालय को उपलब्ध करायें। उन्होंने टीकाकरण सत्र पर पीसीएम सिरप मौजूद न होने एवं पार्शियल वैक्सीनेशन किए जाने पर एएनएम का स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। कहा कि अस्पताल में चिकित्सक या अन्य कर्मी द्वारा मरीजों को बाहर से दवाइयां न लिखी जाएं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्वार में निरीक्षण करतीं सीएमओ डॉ. दीपा सिंह।

● **सीएओ ने अनुपस्थित कार्मिकों का रोका वेतन**

निपुण कार्य योजना, कंपोजिट ग्रांट को लेकर शिक्षकों में चर्चा

संवाददाता, भोट

अमृत विचार : प्राथमिक विद्यालय में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक में शैक्षिक कार्यों के साथ छात्र उपस्थिति बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा बैठक में निपुण कार्य योजना, कंपोजिट ग्रांट को लेकर चर्चा हुई।

गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय भोट में ग्राम प्रधान मैसर जहां की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक हुई। इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सादिया जावेद ने निपुण कार्य योजना, कंपोजिट ग्रांट व अन्य मदों के शत प्रतिशत उपभोग के संबंध में चर्चा की। शिक्षक हेमंत कुमार ने खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन व इको क्लब एक्टिविटीज के प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी दी। बैठक में छत्रपाल सिंह, पूनम, रूचि, हसीब अहमद, ममता वर्मा मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय भोट में आयोजित बैठक में मौजूद शिक्षक। ● अमृत विचार

न्यूज डायरी

सिख संगत ने पांचवे दिन निकाली प्रभात फेरी

स्वार, अमृत विचार : गुरुनानक देव महाराज के प्रकाश पर्व पर सिख समुदाय ने पांचवें दिन प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। प्रभात फेरी में वाहे गुरु जी का खालसा वाहे गुरु जी की फतह से नगर भक्तिमय हो उठा। गुरुवार सुबह पांचवे दिन सिख संगत ने पंजाबी कालोनी स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में एकत्रित हुई। जहां से हर्षोउल्लास के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभातफेरी पंजाबी कालोनी से होकर मुख्य बाजार एवं गंगा दास की पुलिया से होते हुए पुनः गुरुद्वारा साहिब में जाकर समाप्त हुई। प्रभात फेरी का श्रद्धालुओं एवं सिख समुदाय ने जगह-जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। प्रभात फेरी में संगत वाहे गुरु जी का खालसा-वाहे गुरु जी की फतह का उद्घोष करते चल रही थी। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस दौरान ग्रंथी ज्ञानी तारा सिंह, प्रधान कर्मजीत सिंह मिंटू, हरदीप सिंह, सरदार रघुवीर सिंह, जितेंद्र सिंह, बिट्टू गोलू, चरनजीत सिंह, सर्वजीत कौर, अजीत कौर, सरन कौर आदि मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करें छात्राएं : डॉ. गिरि

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय रजा नगर मिशन शक्ति फेज 5 के तहत आयोजित कार्यक्रम में आरएस गिरि ने कहा कि छात्राएं आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करें। कहा कि छात्राएं शिक्षा के साथ कोई हुनर भी अवश्य सीखें इससे उनकी आमदनी होती रहेगी। कॉलेज सभागार में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य ने कहा कि छात्राओं के लिए आत्मनिर्भर बनना बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. केसी दिवाकर, डॉ. अनुपम मित्र तथा डॉ. बीएम वर्मा ने विचार व्यक्त किए। कहा कि महिला सुरक्षा, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। कहा कि मिशन शक्ति अभियान महिलाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है।

अनिरुद्ध अध्यक्ष, मोअस्सर बने उपाध्यक्ष

बिलासपुर, अमृत विचार : पशु धन प्रसार अधिकारी संघ का द्विवार्षिक चुनाव हुआ। उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार एवं सहायक चुनाव अधिकारी डॉ. साक्षी सिंह रहे। उसके बाद निर्विरोध कार्यकारिणी का गठन किया। अनिरुद्ध सागर को अध्यक्ष, मोअस्सर अली को उपाध्यक्ष बनाया गया। महामंत्री नितिन कुमार त्यागी को बनाया गया। संयुक्त मंत्री हरिओम सिंह और ऑडिटर फराह खान को मनाया। संरक्षक चंद्रपाल सिंह और वरिष्ठ सलाहकार विजय कुमार शर्मा को बनाया है।

सैफनी के अदनान ने खनूपुरा के सचिन को दी पटखनी

सैफनी, अमृत विचार : नगर में पांच दिवसीय हजरत शेख भूरे शाह बाबा के उर्स पर नगर में अकबरपुर मार्ग पर आयोजित दो दिवसीय विराट दंगल में गुरुवार को पहलवानों का जंगी मुकाबला देखने को मिला। विराट दंगल के आयोजक इरशाद पहलवान एवं भूरा पहलवान ने जानकारी देकर बताया, दंगल में पहला मुकाबला सैफनी के जैन और मुजफ्फरनगर के मोहम्मद अरमान के बीच हुआ जो बराबरी पर छूटा। खनूपुरा के सचिन को सैफनी के अदनान ने पटखनी दी। सैफनी के खलीक और अलीगढ़ के रिंकू के बीच निर्णय नहीं हो सका। कासगंज के जोगेंद्र और मुरादाबाद के साहिल के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा। कैथल के घमंडी और बरेली के फरमान के बीच भी मुकाबला बराबरी पर छूटा। अलीगढ़ के जीशान और सैफनी के जुबेर के बीच भी मुकाबला बराबर रहा।अलीगढ़ के मुड़िया पहलवान ने बरेली के कासर पहलवान को पटखनी देकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारी संख्या में दंगल देखने पहुंचे लोगों ने तालियां बजाकर और इनाम देकर पहलवानों का उत्साह बढ़ाया।

अनदेखी नगर पालिका अधिकारी दे रहे आश्वासन, समस्या का नहीं हो रहा समाधान

वार्ड 3 में पार्क बदहाल, टूटे पड़े हैं कई झूले

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद के वार्ड 3 में पार्क बदहाल है, पार्क में घास बढ़ी हुई है और झूले टूटे हुए हैं। पार्क बदहाल होने पर बच्चों को खेल-कूदने में परेशानी हो रही है। सर्दी के मौसम में बुजुर्ग पार्क में बैठकर धूप सेंकते हैं। लेकिन, घास बढ़ी होने के कारण वे बैठ नहीं पाते हैं। पार्क में कुर्सियां भी टूटी हुई हैं।

सिविल लाइंस क्षेत्र में पार्कों के अलावा बच्चों के खेलने के लिए कोई जगह नहीं है। वार्ड 3 में लेबर कालोनी में बना यह पार्क अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। पार्क की लाइटें भी दुरुस्त नहीं हैं और बच्चों के झूले भी टूटे हुए हैं। पार्क में घास बढ़ी हुई पार्क के रखरखाव पर तवज्जो नहीं है।

वार्ड 3 की कालोनी के पार्क में टूटा झूला।

पार्क के आसपास के लोगों का कहना है कि पार्क में कम से कम दो गेट होना चाहिए। कहा कि चार गेट होने से लेबर कालोनी के चारों ओर से बच्चे पार्क में पहुंच सकते हैं। पार्क में आने के लिए केवल एक गेट होने के कारण उस ओर के लोग ही कभी-कभार पार्क में दिख जाते हैं। लोगों ने पार्क की बदहाली होने पर कई बार पालिका के अधिकारियों को शिकायती पत्र दिए लेकिन, पार्क की स्थिति में फिलहाल कोई सुधार नहीं है।

लेबर कालोनी में पार्क में झूले टूटे हुए हैं, जिसके कारण बच्चों को झूला झूलने को नहीं मिल रहा है। इसके अलावा पार्क में घास भी बढ़ी होने के कारण लोग धूप सेंकने के लिए बैठ नहीं पाते हैं। –**रविंद्र सिंह**

पार्क का सौंदर्यीकरण होने के बावजूद स्थिति खराब है। पार्क में बच्चों के खेलने के झूले आदि कम हैं और जो हैं वह टूटे हुए हैं। जिसके कारण बच्चों को खेलने में परेशानी होती है और लोग पार्क में बैठ नहीं पाते हैं। – **मंजीत सिंह**

लेबर कालोनी के पार्क में कम से कम चार गेट होना चाहिए, ताकि चारों ओर के लोग पार्क में पहुंच सकें। एक गेट होने के कारण उसी तरफ के लोग पार्क में आ पाते हैं तीन दिशाओं से बुजुर्ग पार्क में नहीं पहुंच पाते। – **उस्मान खां**

वार्ड 3 की लेबर कालोनी के पार्क की हालत बदहाल है। पार्क में लोगों के बैठने के लिए कोई सीट नहीं है। इसके अलावा बच्चों के लिए लगाए गए झूले भी टूट गए हैं। पालिका अधिकारी इस ओर ध्यान दें। – **प्रीत पाल सिंह**

दिल्ली स्ट्राइकर्स ने बेंगलुरु बुल्स को 6 विकेट से हराया

रामपुर, अमृत विचार : शहीद ए आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित मिनी आईपीएल सीजन 5 में गुरुवार को दिल्ली स्ट्राइकर्स ने बेंगलुरु बुल्स के बीच मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु बुल्स की टीम 18.2 ओवर में 99 रन पर ऑलआउट हो गई। इसमें बल्लेबाज मोहित कटारिया ने 27 रन, अरबाज खान ने 21 रन बनाए। दिल्ली स्ट्राइकर्स के गेंदबाज मोहसिन शाह ने 3 विकेट लिए, जबकि वाजिद अली ने 2, गगन व विर्क ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली स्ट्राइकर्स की टीम ने 15.1 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। इसमें गगन विर्क ने 45 गेंद पर 62 रन की पारी खेली, जबकि मतीन खान ने 19, अकबर ने 13 रन बनाए। बेंगलुरु बुल्स के गेंदबाज अहमद नवाज ने 2 विकेट और कमाल चंदेल ने 1 विकेट लिया।

न्यूज ब्रीफ

अकेले मिले बच्चे को परिजनों को सौंपा

मिलक, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान फेज 5 के तहत चलाए जा रहे महिला सुरक्षा एवं जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार रात थाना मिलक की महिला सुरक्षा टीम द्वारा थाना क्षेत्र का भ्रमण किया जा रहा था। इस दौरान टीम को 9 वर्षीय बालक भटकता हुआ मिला। टीम द्वारा बच्चे को थाना मिलक स्थित मिशन शक्ति केंद्र लाया गया। उसके बाद बच्चे से पूछताछ की। बच्चे की पहचान होने के बाद मिशन शक्ति टीम द्वारा उसके परिजनों गुलफशा, शकील, नदीम एवं असलम निवासी हजियापुर, कमलेशनगर, थाना बारादरी, जनपद बरेली से संपर्क स्थापित कर बच्चे को सुरक्षित रूप से उनके सुपुर्द किया।

छात्रों को पढ़ाया कानून का पाठ

रामपुर, अमृत विचार : महिला सुरक्षा दल थाना सिविल लाइंस द्वारा नगर क्षेत्र के आदर्श कन्या उत्तर माध्यमिक विद्यालय एवं रफत जूनियर हाई स्कूल ज्वाला नगर में छात्र-छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन कर जागरूक किया। जिसमें महिलाओं, बालिकाओं को महिला संबंधी अपराध, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1930 साइबर क्राइम, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा के बारे में बताया। इसके अलावा 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, साइबर क्राइम से बचने के उपाय की विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया।

कार से कपड़े चोरी

रामपुर, अमृत विचार : शाहबाद के रेवड़ी कलां निवासी प्रदीप कुमार सिविल लाइंस में रहे हैं। उनके घर में शादी की तैयारियां चल रही है। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को लगन जाना था। जिसके चलते बुधवार रात को परिजनों ने लवी नर्सिंग होम के पीछे खाली पड़े मैदान में कार में लगन के कपड़ों को कार में रखकर बंद कर दिया था। लेकिन चोर रात को मौका पाकर कार का शीशा तोड़कर उसमें रखे कपड़े चुराकर ले गए। जब सुबह कार का शीशा परिजनों ने टूटा देखा तो होश उड़ गए। उसके बाद पुलिस को जानकारी दी। पुलिस मौके पर आ गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सामान की कीमत 20 से 25 हजार रुपये बताई जा रही है।

10 महीने में 395 हादसे, 238 लोगों की मौत

बिना हेलमेट बाइक सवारों के साथ अधिक घटनाएं, लापरवाह चालकों पर हो रही कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : यातायात सुरक्षा के लिए तमाम कवायद के बावजूद भी जिले में सड़क हादसों में कमी नहीं आई है। एक जनवरी से 31 अक्तूबर तक 10 माह के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो जिले में 395 सड़क हादसे हुए हैं। इनमें 236 लोगों घायल हुए, जबकि 238 लोगों को इन हादसों में अपनी जान को गंवानी पड़ी है। आंकड़ों के हिसाब से सप्ताह में 4-5 मौतें सड़क हादसों से हो रहीं हैं।

दिल्ली-लखनऊ हाईवे, नैनीताल हाईवे से लेकर राज्य मार्ग पर पिछले 10 महीनों में खून से लाल रहा। आएदिन होने वाले हादसों पर रोक लगाने के लिए शासन की ओर से गाइडलाइन जारी होती है। ताकि वाहन चालकों से नियमों के बारे में बताया जा सके। सड़क की देखभाल और सुरक्षा इंतजामों के लिए टोल टैक्स की वसूली भी होती है, मगर इसके बाद भी मार्ग पर हादसे होते हैं। कारण है कि कहीं सड़क धंस गई है तो कहीं पटरियां गायब हैं। कहीं सड़क के निर्माण के कारण रेत और मलबा पड़ा होना भी हादसों का कारण होता है। इसे फिसलकर भी हादसे हो जाते हैं। इतना ही नहीं हाईवे पर जगह-जगह बने ब्रेकर भी मानक के अनुरूप नहीं होने के कारण हादसे हो रहे हैं। पिछले 10 माह में जिले में 395 घटनाएं हुई। इन घटनाओं में 236 लोगों घायल हुए, इनमें 238 लोगों को इन हादसों में अपनी जान को गंवानी पड़ी। जिससे यह माना जाए कि हर सप्ताह में 4 से 5 लोगों की मौत हुई। इनमें अधिकतर हादसे बाइक और स्कूटी सवार बिना हेलमेट के चलाने के कारण हुए हैं, जो चिंता का विषय है।

वाहन स्वामी को नियमों के बारे में बताते टीआई। ● अमृत विचार

- औसतन प्रत्येक सप्ताह हुईं चार से पांच मौतें
- पुलिस की सख्ती के बावजूद वाहन चालक करते हैं लापरवाही

बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन ना चलाएं और शराब का सेवन कर ड्राइविंग भी ना करें। अपने और दूसरे परिवार के लोगों की खुशियों का ख्याल रखें। जीवन बेहद अनमोल है इस चीज को समझना होगा। यातायात माह में लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

-विद्या सागर मिश्र, एसपी रामपुर

10 माह में 27,538 वाहनों के काटे चालान

नियमों को दरकिनार करने वाले वाहन चालकों के प्रति ट्रैफिक पुलिस का रवैया हमेशा सख्त रहता है। मुख्य चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहता है। टीआई नवनीत कुमार ने बताया कि बिना हेलमेट के बाइक और स्कूटी चलाने वालों पर शिकंजा कसा जा रहा है। 10 माह में 27,538 वाहनों के चालान काटे गए। जबकि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हर साल हादसों को रोकने की होती है कवायद

हादसों पर रोक लगाने के लिए शासन की ओर हर साल एक नंवबर से लेकर 30 नवंबर तक यातायात माह चलाया जाता है। जिसमें वाहन चालकों को रोककर जागरूक किया जाता है। यातायात को लेकर रैली निकाली जाती है। हाईवे पर साइन बोर्ड तक पर लिखा होता है। गति पर नियंत्रण रखे। इसके अलावा छात्र-छात्राओं को यातायात का पाठ पढ़ाया जाता है। मंगलवार को भी पुलिस ने यातायात का पाठ पढ़ाया।

स्पीड बन रही हादसों का कारण

हादसों का कारण स्पीड भी है। चाहे दो पहिया वाहन या फिर चार पहिया वाहन हो, हाथ में आने के बाद वाहन को युवक तेज स्पीड से वाहन चला रहे हैं। इन लोगों की जरा सी लापरवाही इनको मौत की नींद सुला रही है। इन 238 मौतों में कितने ही परिवार का इकलौता चिराग बुझ गया है। किसी पत्नी ने अपने पति को खो दिया।

शिक्षकों ने बीएसए को बताईं समस्याएं, समाधान की मांग

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : गुरुवार को शिक्षक एकत्रित होकर बेसिक शिक्षा अधिकारी कल्पना देवी से मिले। उन्होंने कहा कि शिक्षक पात्रता परीक्षा पर आधारित पहली भर्ती नवंबर 2011 में उत्तर प्रदेश में आयोजित की गई थी।

टीईटी 2011 में लागू हुआ था, तब राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने इसे 29 जुलाई 2011 से अनिवार्य कर दिया था। इसका उद्देश्य शिक्षण के स्तर को बेहतर बनाना था। तब से सरकारी स्कूलों में नौकरी के लिए टेट पास करना अनिवार्य है। प्रथम टेट परीक्षा में लगभग तीन लाख 20 हजार परीक्षार्थी पास हुए थे। इसके बाद टेट परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर पूरे प्रदेश में लगभग 72 हजार शिक्षकों की भर्ती हुई। इस भर्ती को 10 साल पूरे हो गए हैं। पिछले पांच साल से पदोन्नति की बाट जोट रहे, इस भर्ती में चयनित शिक्षक अब चयन वेतनमान की आस में हैं। इसके बाद शिक्षकों की आंबेडकर पार्क में बैठक भी हुई।

इसके बाद भर्ती में चयनित शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से शिष्टाचार मुलाकात कर चयनित वेतनमान प्रक्रिया को शुरू करने के लिए अनुरोध किया। इस अवसर पर राजकुमार तोमर, प्रदीप भटनागर, डॉ. वसीम अहमद, डॉ. संदीप कुमार शर्मा, ललित चौधरी, आशीष वशिष्ठ, प्रहलाद, हरिओम वत्स, अजय प्रकाश, अमित, राहुल, नीतू रानी, पम्मी राणा, योगेश कश्यप, ऋचु शर्मा, राजपाल सिंह एवं राजकुमार सिंह उपस्थित रहे।

महिला के अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

रामपुर, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए अभियान चला रही है। उसी के तहत पुलिस ने आरोपी अर्शी अंसारी निवासी अंगूरो वाली मस्जिद थाना गंज को गिरफ्तार किया। जो कि महिला का अपहरण करके ले गया। इसके साथ ही एक जोडी कुंडल पीली धातु व एक अंगूठी पीली धातु व गले की चैन पीली धातु भी बरामद की।

प्रेम से भगवान के चरण प्राप्त होते हैं : राजेंद्र

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : श्रीराम कथा प्रसार समिति की ओर से एकता विहार में श्रीराम कथा का आयोजन हो रहा है। जिसमें पांचवें दिन कथा व्यास राजेंद्र तिवारी ने कहा कि प्रेम और अनुराग से ही भगवान के चरण प्राप्त होते हैं। जनक जैसे महाज्ञानी भगवान के चरण अनुराग के कारण ही प्राप्त कर सके। भगवान तक पहुंचने का मार्ग राग नहीं, अनुराग है। राग संसार से होता है और अनुराग ईश्वर से होना चाहिए।

कथावाचक राजेंद्र तिवारी ने कहा कि कभी महान ज्ञानी भी अज्ञान की भाषा बोल जाते हैं। परम ज्ञानी राजा जनक ने भी धनुष न टूटने की स्थिति में कहा था कि शायद विधाता ने राम-सीता का विवाह नहीं लिखा होगा। कथा व्यास ने कहा कि राम और सीता भिन्न नहीं, अभिन्न हैं। राम और सीता का विवाह शाश्वत है, धनुष टूटना या न टूटना इसका कारण नहीं है। आगे कहा कि भगवान श्रीराम ने धनुष तोड़ा और उसके बाद माता सीता ने भगवान श्रीराम के गले में जयमाला डालते हुए समस्त देवगण और भक्तों ने गीत गाते हुए विवाहोत्सव मनाया। कार्यक्रम में रामगोपाल गुप्ता व संगीता गुप्ता ने वेदी पूजन और व्यास पूजन किया, विधान अतुल मिश्रा ने संपन्न कराया। चंद्रपाल, अजय सक्सेना, सीताराम शर्मा, दीपक गुप्ता, नवीन शर्मा, शोभित सक्सेना, विनय कुमार, राजीव कुमार, प्रदीप माहिर, गौरव वार्ष्णेय, दीनानाथ, सुनील कौशिक, गोविंद शर्मा, विनोद शर्मा, सुनील वैश्य, जेके श्रीवास्तव, अशोक सक्सेना आदि रहे।

भागवत कथा में मौजूद भक्त। ● अमृत विचार

कथा सुनाते वाचक।

राष्ट्र की अखंडता के प्रतीक हैं सरदार पटेल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : गुरुवार को भाजपा ने रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल राष्ट्र की एकता, अखंडता और समर्पण के भाव का प्रतीक हैं। उन्हीं के आदर्शों को आत्मसात कर केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार भारत को समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने आजादी के बाद देश की सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने अपनी कुशलता, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प के बल पर भारत को अखंडता और एकता की डोर में बांधा। आज हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए संकल्प लेना चाहिए। रन फॉर यूनिटी में विद्यार्थियों के हाथों में एक भारत, श्रेष्ठ भारत और राष्ट्र की एकता, अखंडता ही हमारी पहचान जैसे नारे लगाए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने आगामी समय में हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए आगे बढ़ें। कहा कि देश के विकास और खुशहाली के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

इस अवसर पर जिला महामंत्री अशोक विश्नोई, अवधेश शर्मा, प्रमोद आहूजा, पारूल अग्रवाल, ऋषभ ठाकुर, प्रमोद कुमार लोधी, अन्नू सक्सेना, प्रभात अग्रवाल, मनु सक्सेना, भाव्य उप्पल, राजू सुमन, अनमोल सक्सेना, नीना साहनी, विवेक विश्नोई आदि मौजूद रहे।

रन फॉर यूनिटी में शामिल भाजपाई। ● अमृत विचार

- भारत को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही सरकार : हरीश

स्वार में मिला डेंगू का एक और मरीज, 26 हुई संख्या

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- सिकरौल में 40 मरीजों की हुई जेई की जांच

अमृत विचार : स्वार के ग्राम जालफ नगला में महिला में डेंगू की पुष्टि हुई है। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या 26 हो गई है। चमरौआ ब्लॉक के ग्राम सिकरौल में शिविर लगाकर 40 बुखार के मरीजों के जेई के नमूने लिए गए, इसकी रिपोर्ट एक सप्ताह बाद आएगी।

60 मरीजों के डेंगू और मलेरिया के नमूने लिए जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. संजय चौहान ने बताया कि डेंगू और मलेरिया के नमूने निगेटव आए हैं। गांव में जेई, डेंगू और मलेरिया के लार्वा को नष्ट कराए जाने के लिए छिड़काव कराया गया। जिले में धीरे-धीरे कर डेंगू के मरीज बढ़ते जा रहे हैं, गुरुवार को 24 वर्षीय महिला में डेंगू की पुष्टि हुई है। चमरौआ के ग्राम सिकरौल में तीन दिन पूर्व 12 वर्षीय बालिका शिल्पा में जापानी इंफेलेटाइटिस की पुष्टि हुई थी।

गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम सिकरौल पहुंची और गांव के स्कूल में शिविर लगाकर बुखार से पीड़ित 40 मरीजों के इंफेलेटाइटिस के नमूने लिए। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जेई के नमूने एक सप्ताह बाद आएंगे। शिविर में 60 मरीजों में डेंगू और मलेरिया की जांच की गई। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि किसी भी मरीज में डेंगू या मलेरिया की पुष्टि नहीं हुई है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को सिकरौल गांव में साफ-सफाई अभियान भी चलवाया गया।

डंपर की टक्कर से मजदूर की मौत

संवाददाता, सैफनी/मुरादाबाद

अमृत विचार : ट्रैक्टर-ट्रॉली से ईंट उतारने जा रहे मजदूर की नूरपुर गांव के पास डंपर के नीचे आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

मृतक निशाल।

थाना क्षेत्र के ताजपुर बेहटा गांव निवासी 16 वर्षीय निशाल पुत्र विशम्भर ट्रैक्टर-ट्रॉली से ईंट भरने और उतारने की मजदूरी करता था। निशाल के चाचा राहुल ने बताया कि बुधवार रात 12 बजे के आसपास उसके साथी मजदूर उसे मुरादाबाद के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली से ईंट उतरवाने के लिए लेकर गए थे। रात को करीब वह जब 2 बजे के थाना मैनाठेर के नूरपुर गांव के पास पहुंचे। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर गाड़ी ने उनके ट्रैक्टर-ट्रॉली में टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर पर बैठा निशाल डंपर के पहियों के नीचे आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डंपर चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया, पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया था।

छात्र की मौत के चालक पर रिपोर्ट

टांडा, अमृत विचार : टांडा के गांव शिकारपुर अहमदपुर निवासी जाकिर का बेटा शारिक 15 दिन पहले बहन आयशा को साइकिल पर बैठाकर जनता पब्लिक स्कूल लालपुर से पढ़ाई के बाद घर लौट रहा था। वह नगलिया कासिमगंज गांव के पास पहुंचा, तभी टांडा की ओर से आ रहे ट्रैक्टर के चालक फईम निवासी शिकारपुर अहमदपुर ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शारिक की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी बहन आयशा गंभीर रूप से घायल हो गई थी। पुलिस ने अब तहरीर के आधार पर ट्रैक्टर चालक फईम के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बाइक की टक्कर से चाय विक्रेता घायल

सैफनी, अमृत विचार : क्षेत्र के रूपपुर चौराहे पर चाय का ठेला लगाने जा रहे वृद्ध को बाइक की टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरुवार दोपहर के समय रूपपुर गांव निवासी 60 वर्षीय प्रेमपाल अपने गांव के चौराहे पर चाय का ठेला लगाने जा रहे थे। बताया कि इस दौरान बाइक सवार ने ओवरटेक करते हुए प्रेमपाल को टक्कर मार दी। जिससे प्रेमपाल सड़क पर जा गिरे और उनके ठेले पर लदा सामान भी सड़क पर बिखर गया। इस दौरान हादसे में प्रेमपाल गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर जमा हुई भीड़ ने एंबुलेंस बुलाकर उपचार के लिए शाहबाद के सीएचसी केंद्र भिजवा दिया।

न्यूज डायरी

पुलिस अधीक्षक ने किया कंट्रोल रूम का निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा डायल 112 कॉल रिस्पॉन्स, संचार प्रणाली, रिकॉर्ड संधारण, सीसीटीवी निगरानी एवं टीवी मॉनिटरिंग सिस्टम की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। कंट्रोल रूम स्टाफ को निर्देशित किया कि किसी भी आपात सूचना या कॉल पर त्वरित, प्रभावी एवं संवेदनशील प्रतिक्रिया तय की जाए। यह भी कहा कि कंट्रोल रूम पुलिस का मुख्य संचार, सूचना एवं निगरानी केंद्र है। प्रत्येक कर्मचारी अपनी ड्यूटी को पूर्ण निष्ठा, अनुशासन एवं सतर्कता के साथ संपादित करे।

पुलिस ने लोगों को पहनाया हेलमेट

रामपुर, अमृत विचार : यातायात माह में जनपद में विभिन्न स्थानों पर यातायात पुलिस द्वारा जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा चार पहिया वाहन चालकों को वाहन चलाते समय सेफ्टी बेल्ट लगाने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा तेज गति से वाहन न चलाने की अपील की। चालकों को बताया कि लापरवाही से वाहन चलाना न केवल स्वयं के लिए, बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी खतरा उत्पन्न करता है। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाने, निर्धारित लेन में चलने एवं ओवरलोडिंग न करने की सलाह दी। यातायात पुलिस द्वारा नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर होने वाले चालान, दंडात्मक प्रावधानों तथा दुर्घटनाओं से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

चीनी मिल देर से चलने पर नाराजगी

हसनपुर, अमृत विचार : ग्राम नगलिया मुंशी में राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओं की बैठक संगठन संस्थापक रूपचंद चौहान के आवास पर हुई। चीनी मिल गजरौला हसनपुर के देर से शुरू किए जाने पर रोष व्यक्त किया। संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि चीनी मिल चालू न होने पर किसानों ने गन्ना निजी कोल्हू को बेच दिया है। 8 नवंबर को चीनी मिल चालू किए जाने की घोषणा तो कर दी गई है। लेकिन इसमें संदेह है। करन सिंह सभापति सहकारी संघ कुंदरखी भूड़, रूप चंद्र चौहान, खड़क सिंह, महिपाल सिंह, थल प्रकाश, ऋषिपाल, होमपाल रहे।

हिंद एग्रीकल्चर की टीम फाइनल में

अमरोहा, अमृत विचार : अब्बासी क्रिकेट अकादमी में चल एपीएल-18 कप 2025 का पहले सेमीफाइनल में हिंद एग्रीकल्चर ने फ़रहान खान इलेवन को हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए फ़रहान ख़ान इलेवन की टीम ने 176 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। सलीम ख़ान ने 64 और जैद ने 46 रन बनाए। हिंद एग्रीकल्चर ने 11.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। मुसिफ़ ख़ान ने 137 रन ठोके। हर्ष ने भी 25 रनों की उपयोगी पारी खेली। अब्बासी क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष फ़िरोज कमाल अब्बासी ने कहा कि इस लीग का उद्देश्य अमरोहा की प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच देना है ताकि वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

किसानों को मिले कृषि में तकनीक का लाभ

गजरौला, अमृत विचार : कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की आठवीं बैठक गुरुवार को हुई। वर्ष 2025 की प्रगति व आगामी वर्ष 2026 की कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण किया। समिति सदस्यों को बताया कि केंद्र पर शस्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान, पादप प्रजनन, पादप सुरक्षा एवं गृह विज्ञान विषयों के वैज्ञानिक कार्यरत हैं, जो अपने विषयों पर प्रशिक्षण, रोजगार परक प्रशिक्षण, प्रदर्शन एवं ट्रायल किसानों के प्रक्षेत्रों पर आयोजित करके किसानों को नवीन तकनीक के बारे में जागरूक कर रहे हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ के निदेशक प्रसार डा.पीके सिंह, संयुक्त निदेशक (उद्यान) डा.एसके त्रिपाठी तथा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा.आभा दत्त, वरिष्ठ गन्ना उपनिदेशक कृषि डा.रामप्रवेश वर्मा, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार, जिला उद्यान अधिकारी अविनाश श्रीवास्तव, डीडीएम नाबार्ड रजत सहगल तथा समिति के चयनित सदस्यों की उपस्थिति में केंद्र प्रभारी अधिकारी डा.एके मिश्र ने कहा कि किसान तकनीकी जानकारी लेने के लिए केंद्र पर आते हैं। उपनिदेशक कृषि डा.राम प्रवेश वर्मा ने कहा कि वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर जनपद में प्राकृतिक खेती को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। वैज्ञानिक डॉ.शीशपाल सिंह आदि रहे।

किसानों ने धान खरीद को लेकर दिया धरना

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भाकियू (अराजनैतिक) ने मिलक में नवीन मंडी स्थल पर धरना दिया। जिसमें मंडल अध्यक्ष अरुण राठी ने कहा कि किसानों के धान की तोल 10 दिन से नहीं हो पा रही है। ऐसा मंडी सचिव की मनमानी के चलते हो रहा है।

उसके बाद मंडल अध्यक्ष अरुण राठी ने ज्ञापन को प्रशासन के सामने फाड़कर फेंक दिया। उन्होंने कहा कि अब हम हाईवे ब्लॉक करेंगे। आप चाहे तो हमारा एनकाउंटर कर दीजिए, लेकिन किसानों के साथ उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके बाद किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने हाईवे जाम करने के लिए तैयार हो गए। जैसे तैसे मजिस्ट्रेट ने मामले को शांत किया। तीन दिन में तोल शुरू करवाने का आश्वासन दिया, लेकिन किसान नहीं माने। तुरंत तोल करने की मांग की। जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह गंगवार ने कहा कि जब तक किसानों की तोल नहीं होगी, धरना जारी रहेगा। किसानों के पास बच्चों के स्कूलों के फीस जमा करने के लिए रुपये नहीं है और बेटी की शादियों के लिए पैसा नहीं है। किसान धान पर आस लगाए बैठे हैं। इस दौरान तेजपाल गंगवार, चौधरी अरुण सिंह राठी, फरीद खां, बाबर खां, आबिद खां, विजयपाल कश्यप, अवतार सिंह, नीरज कुमार, शाहिद खां, फाजिल अंसारी, नदीम, मुशीब अली खान, विनोद कुमार, नरेश गंगवार, अंतरिक्ष गंगवार, वीरेंद्र गंगवार, राम प्रताप गंगवार, अब्दुल रज्जाक खान समेत बहुत संख्या में किसान मौजूद है।

तहसील मिलक में धरना देते किसान। ● अमृत विचार

- धान खरीद न होने से किसानों को हो रही आर्थिक परेशानी

युवती से अश्लील हरकतें, रिपोर्ट दर्ज

सैदनगर, अमृत विचार : मेला देखकर घर आ रही युवती के साथ अश्लील हरकतें की गईं। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

घटना अजीमनगर थाना क्षेत्र के बजावाले के पास कोसी बांध की है। स्वार क्षेत्र की युवती अपने चाचा के साथ मेला देखकर लौट रही थी। लोगों ने बताया कि बाइक से पीछा कर रहे युवक ने उसकी ओर अश्लील इशारे शुरू कर दिए। विरोध करने पर आरोपी मारपीट पर उतारू हो गया। इस दौरान आरोपी युवक ने उसके चाचा से मारपीट भी की। ग्रामीणों को आता देख आरोपी मौके से भागने में कामयाब रहा। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने इमरता गांव निवासी इसरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष कर्म सिंह पाल ने बताया जल्दी ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

युवक की हत्या, नहर किनारे मिला शव

गुरुवार को चौहड़पुर गांव निवासी अपने दोस्तों के साथ बाइक से तिगरी गंगा मेला गया था आकाश

संवाददाता गजरौला

अमृत विचार : गजरौला में दिनदहाड़े एक युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव नहर किनारे एक गड्ढे में मिला। घटना गुरुवार शाम की है, जब ग्रामीण खेतों से लौट रहे थे। ग्रामीणों ने शव देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। वह पांच बहनों का इकलौता भाई था। उसकी तीन बहनों की शादी हो चुकी थी।

क्षेत्र के गांव चौबारा निवासी 25 वर्षीय आकाश ई-रिक्शा चलाता था। उसके पिता जसवंत सिंह दूध की फैक्ट्री में काम करते हैं। गुरुवार को वह चौहड़पुर गांव निवासी दोस्तों के साथ बाइक से तिगरी गंगा मेला गया था। जसवंत ने दोपहर के वक्त आकाश को फोन करके खाना देकर जाने की बात कही। आकाश ने मेले में होने की जानकारी देते हुए खाना पहुंचाने से मना कर दिया। शाम को आकाश का शव गांव के बाहर श्योराज सिंह के खेत के पास नहर किनारे पड़ा मिला। उसके चेहरे पर गहरी चोट थी। वह खून से लथपथ था। वहीं पास में ही एक बाइक भी पड़ी थी।

अस्पताल पहुंचे पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

रोते-बिलखते युवक के परिजन। ● अमृत विचार

- युवक ई-रिक्शा चलाता था और पिता दूध की फैक्ट्री में काम करते हैं
- परिवार वालों ने किया हंगामा हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग

परिवार वाले आकाश को उठाकर सीएचसी ले गए। वहां भी चिकित्सक ने आकाश को मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों ने उसके दोस्तों पर हत्या करके शव को खेत में फेंकने का आरोप लगाया। सीएचसी पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरा व पोस्टमार्टम के लिए भेजने लगी, तभी परिवार वालों ने हंगामा शुरू कर दिया व हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की बात कही। जानकारी पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह व सीओ अंजलि कटारिया सीएचसी पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझा बुझाकर किसी तरह शांत कराया।

ग्रामीण ने अपने भैंसे का मनाया जन्मदिन

संवाददाता, मंडी धनौरा

- डीजे पर झूमे गांव वाले, केक काटकर दी दावत

अमृत विचार : इंसानों के जन्मदिन तो अक्सर देखे होंगे, लेकिन यहां एक भैंसे शेरा का जन्मदिन कुछ ऐसे अंदाज में मनाया गया कि लोग हैरान रह गए।

गांव सुनगढ़ माफी में रहने वाले इसरार ने अपने भैंसे शेरा का जन्मदिन उत्साह से मनाया। बुधवार की रात गांव में रंग-बिरंगी लाइटें लगीं, डीजे की धुनों पर बच्चे और युवक नाचे। केक कटा, 'हैप्पी बर्थडे शेरा' के नारे लगे, और फिर सभी को दावत दी गई। इसरार ने बताया कि वह अपने शेरा को रेस के लिए तैयार कर रहे हैं और उसे अपने परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं। जन्मदिन मनाने और डीजे बजाने के लिए उन्होंने बाकायदा एसडीएम से अनुमति भी ली थी। पार्टी में गांव के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। केक काटने के बाद जमकर नाच-गाना हुआ। किसी ने वीडियो बनाए तो किसी ने सोशल मीडिया पर लाइव कर दिया। लोगों ने कहा कि इसरार ने भैंसे के जन्मदिन की पार्टी में कोई कमी नहीं छोड़ी नाच-गाना, खाना और जश्न सबकुछ फिल्मी अंदाज में हुआ।

भैंसा 'शेरा' का जन्मदिन मनाता इसरार।

ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत, साथी घायल

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

- डीजल लेकर लौटते समय बिगड़ा ट्रैक्टर का संतुलन

अमृत विचार : पेट्रोल पंप से डीजल लेकर घर लौट रहे किसान का ट्रैक्टर संतुलन बिगड़ जाने के कारण पलट गया। इसके नीचे दबने से किसान की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक के परिजन बेहाल हो गए।

यह हादसा रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव गफ्फारपुर में बुधवार के शाम को हुआ था। यहां पर किसान देवेंद्र सिंह का परिवार रहता है। उनके परिवार में पत्नी मुन्नी देवी, बेटी शिवानी, बेटा प्रिंस व निशांत है। बुधवार शाम देवेंद्र सिंह गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप से ट्रैक्टर में डीजल भरवाने गए गया था। उसके साथ गांव का ही सोनित कुमार भी था। वहां से वापस लौटते समय शाम 6:00 बजे जब वह गांव के नजदीक नहर के पास सामने से टेंपो आ गया। टेंपो को बचाने के लिए जब देवेंद्र ने ट्रैक्टर को थोड़ा नीचे उतरा तो उसका संतुलन बिगड़ गया और लहराता हुआ ट्रैक्टर पलट गया।

ट्रैक्टर के पलट जाने से देवेंद्र उसके नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हास्य में सोनित गंभीर रूप से घायल होगा जिसको सूचना मिलते ही मौके पहुंचे ग्रामीणों ने एक निजी अस्पताल में ले जाकर पार्टी कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार को दोपहर बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया है।

गोवंश को ठंड से बचाने के करें इंतजाम

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : गुरुवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कान्हा गोशाला एवं पशु आश्रय स्थल हसनपुर का निरीक्षण किया। निर्देश दिए की आश्रय स्थल के टीनशेड को चारों तरफ से तिरपाल से ढक दिया जाए ताकि ठंड में पशुओं का बचाव हो सके। उन्होंने गोशाला में साफ सफाई के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में सभी पशुओं पर काऊ कोट अवश्य होना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने बीमार पशुओं की जानकारी प्राप्त की। डॉक्टर ने बताया कि पांच पशु बीमार है,जिनका इलाज चल रहा है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जो भी पशु बीमार हैं उनका सही प्रकार इलाज किया जाए किसी प्रकार की लापरवाही न हो। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्टॉक रजिस्टर,भूसा स्टोर,चोकर स्टोर,सीसीटीवी कैमरे रूम आदि का निरीक्षण किया।

कान्हा गोशाला का निरीक्षण करतीं डीएम निधि गुप्ता वत्स। ● अमृत विचार

- डीएम ने किया कान्हा गोशाला का निरीक्षण, तिरपाल से ढकने को कहा

जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी पशु को भूसा, खल, चोकर, पानी की कमी न रहे इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। गोशाला में प्रकाश की उचित व्यवस्था हो। जिलाधिकारी ने गोशाला में पशुओं के खाने की रूटीन की जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिए कि भूसे में अच्छी प्रकार से पानी, चोकर, हरा चारा मिलकर खिलाया जाए। सूखे भूसे में चोकर मिलकर न दिया जाए। उन्होंने कहा पशुओं को दिन में तीन बार चारा अवश्य दिया जाए। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी ने गायों को गुड़ खिलाया। यरमैन राजपाल सैनी, अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, बाबू दिनेश कुमार, करन सिंह,मनी कुमार सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जमीन के विवाद में भतीजे ने चाचा की ली जान

बिजनौर, अमृत विचार : कोतवाली शहर क्षेत्र के भरेरा गांव में गुरुवार सुबह जमीन के विवाद के चलते भतीजे ने चाचा की हत्या कर दी।

भरेरा गांव में एक वर्ष से जमीन को लेकर 65 वर्षीय नरेश सिंह पुत्र प्रवीण सिंह और भतीजे नरेंद्र पुत्र गिरीश कुमार में विवाद था। गुरुवार को नरेश सिंह खेत में काम कर रेह थे तभी भतीजे ने उन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल नरेश सिंह को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। एएसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश में पुलिस टीम लगाई गई है। मृतक नरेश सिंह के परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं। बेटा दिल्ली में सीआईएसएफ में दरोगा है।

तिगरी मेला सकुशल संपन्न होने पर पुलिस ने कराया हवन-पूजन

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : तिगरी गंगा मेला की सकुशल समाप्ति के बाद पुलिस ने गुरुवार को गंगाघाट के किनारे विधि विधान से हवन संपन्न कराया। एसपी अमित कुमार आनंद व अन्य पुलिसकर्मियों ने आहुतियां दीं। मेले के सफल आयोजन के लिए मां गंगा व ईश्वर को नमन किया।

पंडित गंगाशरण शर्मा ने मंत्रोच्चार कर आहुतियां दिलवाई। एसपी के अलावा एएसपी अखिलेश भदौरिया, सीओ अंजलि कटारिया, मेला कोतवाली इंचार्ज करनपाल सिंह, प्रभारी निरीक्षक गजरौला मनोज कुमार आदि ने हवन में आहुतियां दी। एसपी ने कहा कि मेला शांतिपूर्ण संपन्न करवाने में श्रद्धालुओं ने पुलिस-प्रशासन का पूरा सहयोग किया है। हवन पूजन के बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिसकर्मियों हेतु भोज (बड़ा खाना) का आयोजन किया गया। जिसमें मेला ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने तिगरी मेला-2025 को सकुशल सम्पन्न कराने में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मानित किया। मेला समापन कार्यक्रम के दौरान जनपद के सभी सीओ, थानाध्यक्ष, महिला पुलिस कर्मी आदि पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

हवन-पूजन करते एसपी अमित कुमार आनंद व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

- एसपी अमित कुमार आनंद व अन्य पुलिसकर्मियों ने आहुतियां दीं

शिक्षक की पत्नी पर कसीं फब्तियां, दो भाइयों पर रिपोर्ट

अमरोहा, अमृत विचार: नगर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले में शिक्षक का परिवार रहता है। शिक्षक की पत्नी के अनुसार, आरोपी शराब का सेवन करता है और काफी समय से उन्हें व उनके परिवार को परेशान कर रहा है। रास्ते में आते-जाते घूरता है, फब्तियां कसता है और घर की रेकी भी करता है। आरोप है कि आरोपी पति और बच्चों के साथ गाली-गलौज भी करता है। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी विभौर जैन व राहुल जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपों की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल, हायर सेंटर ले जाते समय मौत

संवाददाता, सैदनगली

अमृत विचार : संभल हसनपुर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई।

मृतक वसीम अहमद।

यह हादसा थाना सैदनगली क्षेत्र में उझारी के पास हुआ। ढक्का मोड निवासी वसीम अहमद पुत्र अनीश उझारी से करीब 7 बजे घर लौट रहा था। आंबेडकर राजकीय इंटर कॉलेज के पास किसी वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। घायल वसीम ने मुरादाबाद हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। युवक की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। परिवार में चार भाई-बहनों में वसीम सबसे बड़ा था। हादसे की सूचना पाकर डयाल 112 पुलिस व चौकी प्रभारी उझारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वसीम सिलाई का काम करता था। थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि सड़क हादसे में युवक की मौत हुई है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

तिगरी मेले से लौट रहे श्रद्धालुओं की पलटी ट्राली, कई घायल

गजरौला, अमृत विचार : तिगरी गंगा मेले से लौटते वक्त घोड़ा बुग्गी से बचाने के दौरान ट्रेक्टर ट्राली अनियंत्रित हो गई। जिसके चलते ट्राली पलट गई। इस दौरान ट्राली में सवार महिलाओं सहित कई श्रद्धालु घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांव शीशोवाली से गुरुवार को ट्रैक्टर-ट्राली से ग्रामीण तिगरी गंगा मेला देखने गए थे। वहां से शाम को वापस लौटते वक्त गजरौला-तिगरी मार्ग पर गांव शाहपुर के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर घोड़ा बुग्गी से बचाने के लिए साइड लेते वक्त अनियंत्रित हो गया, जिससे ट्राली पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर ट्राली में सवार माया देवी, सोमवती, रामवती, नेमवती, रानी, वरुण समेत 15 लोग घायल हो गए। हादसा होने पर तेज धमाका हुआ, जिसके चलते खेतों में काम कर रहे लोग बुरी तरह डर गए। उन्होंने सड़क पर ट्राली पलटी देखी तो दौड़कर वहां पहुंचे। चीख-पुकार की आवाज सुनकर गांव से भी लोग दौड़कर वहां पहुंचे। ट्राली में फंसे घायलों को किसी तरह बाहर निकाला गया। कुछ घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया जबकि कई को निजी अस्पतालों में भी ले जाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया।

बाइक की साइड लगने पर कोरियर एजेंट का सिर फोड़ा

संवाददाता, मंडी धनौरा

अमृत विचार : मोटरसाइकिल की साइड लगने पर एक कोरियर एजेंट का सिर फोड़ दिया गया। हमलावरों ने उसकी जेब से पांच सौ रुपए भी छीन लिए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मौहल्ला कटरा शिवपुरी निवासी निशांत यादव एक कोरियर कंपनी में एजेंट है। गुरुवार सुबह डिलीवरी देने के लिए सैरकपुर लौहडडा जा रहा था। रास्ते में उसकी बाइक कुछ युवकों से छू गई, जिससे वे गिर गए। तीनों युवकों ने निशांत के साथ मार पीटकर सिर फोड़ दिया। हमलावरों ने निशांत की जेब से पांच सौ रुपए भी छीन लिए। हमलावर धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित निशांत यादव की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

शराब पीने से रोका तो युवक को ईंट मारकर किया लहूलुहान

हसनपुर,अमृत विचार : नगर की काशीराम कॉलोनी निवासी सिकंदर पुत्र साजिद संभल अड्डे पर टायर पंचर की दुकान चलाता है। गुरुवार को दोपहर में खाना खाने के लिए घर जा रहा था। काशीराम कॉलोनी के मुख्य गेट पर दो युवक शराब पी रहे थे और अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। सिकंदर ने उन्हें वहां शराब पीने से मना किया, तो दोनों शराबी भड़क गए। उन्होंने सिकंदर को गालियां देकर ईंट से सिकंदर का सिर फोड़ दिया। प्रभारी प्रेमपाल सिंह ने बताया मारपीट की तहरीर प्राप्त हुई है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, स्वार (रामपुर)

पत्रांक: 309(II)/न.पा.प.स्वा./2025-26 दिनांक: 03.11.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, सवार, जनपद- रामपुर द्वारा उत्तर प्रदेश के राज्य सेक्टर के सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत शासनादेश संख्या 334/2025/नौ-5-2025/001-Com. No.-1982756 दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 के द्वारा स्वीकृत धनराशि से निम्नविवरण के अनुसार नाला निर्माण कार्य की ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण टेण्डर प्रपत्र शर्ते आदि उत्तर प्रदेश की ई-प्रक्योरमेन्ट की बेवसाईट www.etender.up.nic.in से प्राप्त किये जा सकते है। निविदा का विस्तृत विवरण टेण्डर प्रपत्र शर्ते आदि उत्तर प्रदेश की ई-प्रक्योरमेन्ट की बेवसाईट www.etender.up.nic.in से प्राप्त किये जा सकते है। ई-निविदा की समस्त कार्यवाही उक्त बेवसाईट के माध्यम से ही पूर्ण की जायेगी। किसी भी ई-निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी, नगर पालिका परिषद, स्वार, जनपद-रामपुर में निहित होगा। निविदा खोले जाने वाली दिनांक को सार्वजनिक अवकाश अथवा विषम परिस्थिति उत्पन्न होने की दशा में निविदा अगले कार्यदिवस में खोली जायेगी। निविदा आमन्त्रणकर्ता को आईटीबी के अनुसार परिष्टि/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है. जो किसी भी समाचार-पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा, सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें । जी0आई0एस0 सर्वे से सम्बन्धित नियम व शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय नगर पालिका परिषद स्वार अथवा ई-प्रक्योरमेन्ट की बेवसाईट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

ई-निविदा समय सारणी (www.etender.up.nic.in पर)

1	वेबसाइट पर ई-निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	दिनांक 04.11.2025 को प्रात: 10:00 बजे से
2	ई-निविदा डाउनलोड/अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	दिनांक 04.11.2025 को प्रात: 10:00 बजे से
3	ई-निविदा डाउनलोड/अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	दिनांक 25.11.2025 को सायं 05:00 बजे तक
4	प्राप्त ई-निविदाओं को खोलने की तिथि/समय	दिनांक 26.11.2025 को प्रात: 10:00 बजे
5	कार्यो के निविदा स्कैन अर्नेस्टमनी, निविदा शुल्क की मूल प्रति एवं समस्त अभिलेख कार्यालय नगर पालिका परिषद, स्वार में जमा करने की अन्तिम तिथि/समय	दिनांक 26.11.2025 को सायं 05:00 बजे तक

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत आमंत्रित कार्यो का विवरण

क्र.	कार्य का विवरण	आगणन राशि (लाख में)	02 प्रतिशत धरोहर राशि	टेण्डर मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर पालिका परिषद स्वार वार्ड नं. 18 में स्वार-बिलासपुर मार्ग पर असलवाली तालाब से पीरानी के बाग तक आर.सी.सी. नाला निर्माण कार्य।	199.06	398120.00	23500.00	4 माह

सामान्य नियम व शर्ते:-

1. सशर्त ई-निविदायें मान्य नहीं होंगी एवं स्वत: ही निरस्त समझी जायेंगी।
2. बिड डालने हेतु निम्न प्रपत्र अपलोड करने होंगे तथा किसी भी वांछित प्रपत्र के अपलोड न होने तथा अपठनीय होने की दशा में बिड निरस्त कर दी जायेगी –
   (1.) ई-निविदादाता को 02 प्रतिशत धरोहर राशि एवं टेण्डर फार्म का मूल्य नगर पालिका परिषद, स्वार (रामपुर) के संचालित खाता सं0- 9891002100000523, पंजाब नेशनल बैंक, शाखा स्वार, आई.एफ.एस.सी. कोड PUNB0989100 , में जमा कर पर्ची या ट्रान्सफर रसीद को स्कैन कर अपलोड करना होगा। अन्यथा की स्थिति में ई-निविदा अस्वीकृत कर दी जाएगी।
   (2.) ई-निविदादाता को ई-निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 रू0 व 10.00 रू0 का नानज्यूडिसियल स्टाम्प पर शपथ पत्र स्कैन पर अपलोड करना अनिवार्य होगा ।
3. प्रत्येक निविदा के साथ निविदादाता को हैसियत प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, पैन नम्बर, जी0एस0टी0 पंजीकरण, निविदा शुल्क की जमा पर्ची की मूल प्रति या ट्रांसफर रसीद व धरोहर राशि की आर0टी0जी0एस0 की मूल प्रति आदि को स्कैन कर अनिवार्य रूप से अपलोड करना होगा। अन्यथा निविदा निरस्त कर दी जायेगी।
4. ई-निविदा के सम्बन्ध मे प्रमुख सचिव उ.प्र., शासन नगर विकास, अनुभाग-9 लखनऊ के द्वारा जारी शासनादेश सं0 609/नौ-9-200ज/ 07, दिनांक 26.02.2007, शासनादेश सं0-1319/नौ-9-24-45ज/2। दिनांक 30 जून, 2021 एवं शासनादेश सं0-1124/नौ-9-2025-45ज /2021-ई-1749112 दिनांक 04 जून, 2025 में दिये गये नियम एवं शर्तो का पालन करना अनिवार्य होगा।
5. बिड स्वीकृति के पश्चात ठेकेदार/फर्म को अनुबन्ध के समय वांछित प्रपत्र अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने होंगे, अन्यथा की स्थिति में उनकी वित्तीय बिड को निरस्त कर दिया जायेगा तथा द्वितीय न्यूनतम वित्तीय बिड को कार्यादेश जारी कर दिया जायेगा।
6. बिड स्वीकृति के पश्चात ठेकेदार/फर्म को ठेकेदारी फर्म का जी0एस0टी0, ई0पी0एस0, ई0एस0आई0, आयकर, चरित्र प्रमाण पत्र (जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी), हैसियत प्रमाण-पत्र (जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी), पैन कार्ड, आधार कार्ड, श्रम विभाग में रजिस्ट्रेशन, सम्बन्धित कार्य का अनुभाव का प्रमाण पत्र, नगर पालिका परिषद सवार में पंजीकृत ठेकेदार फर्म को छोडकर नये ठेकेदार/फर्म को पंजीकरण शुल्क रू0 20,000.00 सहित जमा कर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।
7. ठेकेदार/फर्म का जी0एस0टी0 में पंजीकरण अनिवार्य है तथा जी0एस0टी0 नियमानुसार देय होगा।
8. ई-निविदादाता अपनी ई-निविदा में किसी शासकीय कर को स्पष्ट नहीं करता है तो स्पष्ट न किये जाने वाले करों

की अदायगी के लिए सम्बन्धित ई-निविदादाता स्वयं ही जिम्मेदार होगा ।

9. ई-निविदा खोले जाने के समय यदि किसी ठेकेदार, फर्म द्वारा ई-निविदा में प्रतिभाग नहीं किया जाता है तथा बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति/ शिकायत की जाती है, तो वह किसी भी दशा में मान्य नहीं होगी ।
10. ठेकेदार/फर्म को किसी भी विभाग अथवा राज्य सरकार," भारत सरकार द्वारा ब्लेक लिस्ट घोषित नहीं होनी चाहिये ऐसी फर्मो की ई-निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा तथा तथ्यों को छिपाने के फलस्वरूप उसकी जमानत धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
11. ठेकेदार/फर्म को निर्धारित समय के अन्दर कार्य पूर्ण करना अनिवार्य होगा। अन्यथा की स्थिति में प्रतिदिन रू. 50.00 प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना पालिका में जमा करना अनिवार्य होगा तथा जमानत धनराशि जब्त करने के उपरान्त टेण्डर निरस्त कर पुन: टेण्डर की कार्यवाही की जायेगी। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित ठेकेदार/ फर्म का होगा।
12. ई-निविदा से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी पालिका कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है।
13. सम्बन्धित फर्म/ठेकेदार को अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, सवार, उक्त योजनाओं के अन्तर्गत जारी शासनादेशों एवं शासन द्वारा समय-समय पर जारी समस्त आदेशों का पालन करना अनिवार्य होगा।
14. निविदा के संबंध में किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने पर न्यायिक क्षेत्राधिकार, रामपुर होगा ।

पूजा सिंह
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
स्वार (रामपुर)

रेशमा परवीन
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
स्वार (रामपुर)

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

देश में नफरत फैलाने वाले बयान ठीक नहीं: बर्क

संभल, अमृत विचार: बिहार चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयानों पर समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. जियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि देश में 140 करोड़ नागरिक हैं। चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, इसे नफरत की भाषा से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

सांसद बर्क ने कहा कि यदि कोई बयान दुनिया को एकता का संदेश देने के लिए होता, तो वह भी इसकी प्रशंसा करते, लेकिन विभाजन की सोच पैदा करने वाली बातों का वह समर्थन नहीं कर सकते। इंडी गठबंधन को लेकर पीएम मोदी के बयान बंद कमरे में कनपटी पर कट्टा लगा दिया पर बर्क ने कहा कि वह देश के प्रधानमंत्री से इस तरह की भाषा की उम्मीद नहीं कर सकते। सांसद ने कहा कि चुनाव मुद्दों पर लड़े जाने चाहिए। भाजपा को यह एहसास हो रहा है कि बिहार की सत्ता हाथ से फिसल रही है, इसलिए इस तरह की भाषा उपयोग की जा रही है। देश में कुछ तत्व ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं जिससे मुसलमानों के साथ-साथ देश का बड़ा हिस्सा भी प्रभावित होता है।

छात्र से विवाद के बाद बस पर शिक्षक ने कराया पथराव

कई छात्र हो गए चोटिल, मथुरा में शिक्षक का हो गया था छात्र से विवाद, उसने 20 साथियों को बुलाकर करा दिया पथराव

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: भ्रमण कार्यक्रम के दौरान स्कूल के छात्र व शिक्षक के बीच विवाद के बाद शिक्षक ने जो किया उससे बस में सवार छात्रों की सांसें थम गईं। टूर से लौटते समय शिक्षक ने असमोली थाना क्षेत्र में अपने 20 साथी बुलाकर बस पर पथराव करा दिया। पथराव में कई छात्र चोटिल हुए हैं। 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पथराव कर रहे लोग भाग गये। पुलिस ने आरोपी शिक्षक सहित कई लोगों को हिरासत में लिया है।

असमोली थाना क्षेत्र के हरथला गांव स्थित वीर सैनिक अब्दुल हमीद हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों का टूर 3 नवंबर को आगरा, फतेहपुर सीकरी, मथुरा व वृंदावन आदि स्थानों पर भ्रमण के लिए गया था। टूर में 48 छात्रों के साथ ही कुछ छात्राएं भी थीं। बाकी शहरों में भ्रमण के बाद टूर वृंदावन पहुंचा तो वहां बांके बिहारी मंदिर में लाइन लगने को लेकर विद्यार्थी योगेंद्र व अध्यापक नजम में कहासुनी हो गई थी। बाकी शिक्षकों के कहने पर योगेंद्र ने अध्यापक नजम से माफी मांग ली थी। गुरुवार सुबह शिक्षक वापस लौटे तो शिक्षक नजम ने व्हाट्सएप चैटिंग कर अपने शफातनगर गांव के रहने वाले दोस्तों व समर्थकों को सैधंरी धर्म कांटा चौराहे पर बुला लिया।

बस सुबह 5:15 बजे बस सैंधरी धर्मकांटा चौराहा पर पहुंची तो पहले से वहां खड़े अध्यापक नजम के समर्थकों ने बस को घेर कर पथराव शुरू कर दिया। इतना ही नहीं सरिया लाठी डंडों से मारपीट भी की। जिस समय बस पर हमला हुआ उस समय ज्यादातर बच्चे नींद में थे। अचानक हमले से वे बुरी तरह घबरा गये।

पथराव में बस के शीशे टूटे गए वहीं कई बच्चे चोटिल हो गये। हंगामा हुआ तो गांव के लोग घरों से निकलकर बाहर आ गये । इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दी तो 112 पुलिस की वैन मौके पर पहुंची। पुलिस की गाड़ी आती देख हमलावर मौके से भाग गये।

इसके बाद असमोली पुलिस मौके पर पहंची और स्थिति नियंत्रण में ली।

पुलिस ने शिक्षक नजम समते कई को हिरासत में ले लिया। स्कूल के प्रिंसिपल अख्तर अली ने आरोपी शिक्षक नजम पर कार्रवाई के लिए तहरीर दी है।

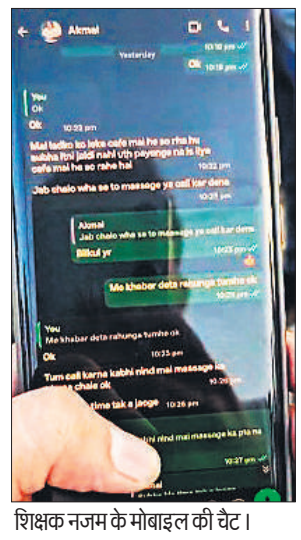

शिक्षक नजम के मोबाइल की चैट।

इसी बस पर पथराव किया गया।

सीओ कुलदीप कुमार ने बताया कि प्रिंसिपल ने पूरे प्रकरण को लेकर शिक्षक के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस घटना के कारण, शामिल अन्य युवकों की पहचान और पुरानी रंजिश सहित समस्त बिंदुओं की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- आगरा व मथुरा आदि शहरों में गया था असमोली के स्कूल का टूर
- पुलिस ने आरोपी शिक्षक सहित कई लोगों को हिरासत में लिया

मामले को निपटाने के लिए चलती रही पंचायत

वीर सैनिक अब्दुल हमीद हायर सेकेंडरी स्कूल हरथला के बच्चों के टूर के दौरान मथुरा में शिक्षक व छात्र के बीच कहासुनी के बाद यदि छात्र बस पर हमला कराने जैसी हरकत करता तो बात उतनी गंभीर नहीं थी, लेकिन अच्छाई, सच्चाई और कानून के रास्ते पर चलने का पाठ पढ़ाने वाले शिक्षक ने जिस तरह बस पर हमला कराया वह बेहद गंभीर है। मुख्य मार्ग पर बस को रोककर जिस तरह लगभग 20 लोगों ने बस पर पथराव किया वह बेहद दुस्साहसिक है। इसके बावजूद असमोली पुलिस सुबह से शाम तक तहरीर को लिये बैठी रही और मामले को निपटाने के लिए पंचायतों का दौर चलता रहा। देर शाम तक पुलिस की तैयारी आरोपी शिक्षक व कुछ हमलावरों पर शांति भंग की आशंका में कार्रवाई करने की थी।

रात को ही लिख दी थी सुबह के हमले की स्क्रिप्ट

वीर सैनिक अब्दुल हमीद हायर सेकेंडरी स्कूल हरथला की टूर बस पर सैंधरी धर्म कांटे के निकट हमला आनन फानन में नहीं किया गया बल्कि इसकी योजना आरोपी शिक्षक नजम ने रात को ही बना ली थी। उसने अपने समर्थकों से चैटिंग कर बस पर हमला कर छात्रों को सबक सिखाने के लिए कहा था। इसके बाद हमला करने वाले लोग रात को घरों से आ गये और एक कैफे में रुके। उनमें से एक ने रात 10 :30 बजे शिक्षक नजम को संदेश लिखा कि मैं लड़कों को लेकर कैफे में सो रहा हूं। सुबह इतनी सुबह इतनी जल्दी नहीं उठा पाऊंगा इसलिए सो रहा हूं। जवाब में शिक्षक नजम ने लिखा था कि यार ठीक है, मैं खबर देता रहूंगा तुम्हें।

जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर मामले में सुनवाई 3 को

संभल, अमृत विचार: शाही जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर मामले में सिविल सीनियर डिवीजन कोर्ट चंदौसी में अगली सुनवाई 3 दिसंबर निर्धारित की गई है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में मामला विचाराधीन होने का उल्लेख होने के बाद स्थानीय अदालत ने सुनवाई आगे बढ़ा दी।

न्यायाधीश आदित्य सिंह ने 3 दिसंबर की अगली तिथि तय की है। मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता शकील अहमद वारसी ने बताया कि कोर्ट ने ऑनलाइन सुप्रीम कोर्ट का स्टेटस देखने के बाद यह तिथि नियत की है। वहीं हिंदू पक्ष के अधिवक्ता श्रीगोपाल शर्मा का कहना है कि विपक्षी संख्या 6 द्वारा सुप्रीम कोर्ट में स्टे का हवाला दिया गया, इसी कारण अगली तारीख लगाई गई है। सुप्रीम कोर्ट में भी इस मामले की सुनवाई प्रस्तावित है। गौरतलब है कि 19 नवम्बर को हिंदू पक्ष की ओर से दावा दाखिल किया गया था कि शाही जामा मस्जिद पूर्व में श्री हरिहर मंदिर थी। मस्जिद परिसर में 24 नवम्बर को दूसरे सर्वे के दौरान पथराव-फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई थी तथा कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे।

लौटे श्रद्धालु, गंगा तीरे छोड़ा गंदगी का अंबार

कार्यालय संवाददाता,संभल/ सौंधन

अमृत विचार: सिसौना डांडा मेले में कार्तिक पूर्णिमा स्नान के बाद अब मेला समापन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुरुवार को श्रद्धालुओं के लौटने के बाद तंबू उखड़ने लगे और गंगा किनारा वीरान होने लगा। बड़ी बात यह कि सुनसान गंगा घाट के किनारे गंदगी और कूड़े का अंबार लगे नजर आए। यह गंदगी गंगा के जल को प्रदूषित करेगी।

कार्तिक पूर्णिमा से पूर्व जिला पंचायत द्वारा तंबू लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई थी और सोमवार से तमाम श्रद्धालु गंगा तट पर डेरा डालकर पहुंचने लगे थे। बुधवार को मुख्य स्नान वाले दिन लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान किया । शाम होते-होते श्रद्धालुओं की भीड़ वापस लौटना शुरू हो गई। बुधवार को मेले से श्रद्धालु जा चुके

संभल के सिसौना डांडा में गंगा किनारे लगे गंदगी के अंबार। ● अमृत विचार

- सिसौना डांडा मेले से तंबू उखड़ने लगे और गंगा का किनारा वीरान होने लगा

थे जबकि दुकानदार अपनी दुकानें समेटते दिख रहे थे। झूले वालों ने भी अपना सामान खोलना शुरु कर दिया है। श्रद्धालुओं के लौटने के बाद मेला स्थल पर गंदगी के बड़े अंबार दिखाई दे रहे हैं। गंगा किनारे पूजा सामग्री, पॉलीथिन, कपड़े व दुकानों का कचरा हर तरफ बिखरा नजर आया। गुरुवार को दुकानदारों ने गड्ढा खोदकर उसी में कचरा दबाना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मेले के बाद सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है ताकि गंगा तट की स्वच्छता बनी रहे और गंगा में प्रदूषण न बढ़े।

चोरी की झूठी सूचना देने में तीन गिरफ्तार

संभल/ कुढफतेहगढ़, गांव मुड़िया खेड़ा में चोरी की सूचना झूठी निकली। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर तमंचा भी बरामद किया।

मंगलवार रात गांव में तीन घरों में चोरी का प्रयास तथा दो घरों में चोरी की सूचना मिलने पर पुलिस, फोरेंसिक टीम और सीओ मनोज कुमार मौके पर पहुंचे। गृहस्वामिनी कन्यावती ने जेवर चोरी होने की बात कही थी। फोरेंसिक टीम कमरे में फैले सामान की जांच व फोटोग्राफी कर रही थी तभी अलमारी से तमंचा मिला। गृहस्वामिनी ने तमंचा अपने पुत्र बृजनंदन का होने की पुष्टि की। पुलिस ने बृजनंदन को आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं दूसरी जगह विजय सिंह पुत्र रामप्रसाद के घर भी चोरी की सूचना मिली थी, लेकिन जांच के दौरान जेवर वहीं एक अन्य घर से बरामद हो गए। पुलिस ने झूठी सूचना देने पर विजय सिंह और प्रेम सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

महिलाओं पर गिरी मिट्टी की ढांग, एक की मौत

संवाददाता,बहजोई

अमृत विचार: खनन कारोबारी द्वारा खोदे गए गड्ढे में घर की लिपाई करने के लिए मिट्टी खोद रही महिलाओं के ऊपर भरा भरकर मिट्टी गिर गई जिसके नीचे सात महिलाएं दब गईं। आसपास खड़ी अन्य महिलाओं के चीखने चिल्लाने पर मौके पर ग्रामीण फावड़े लेकर आए। आधे घंटे की कड़ी में मशक्कत के बाद महिलाओं को बाहर निकाल गया। एक की मौत हो गई, छह महिलाएं घायल हो गईं।

बहजोई के गांव नरोदा के जंगल में अवैध खनन कारोबारी द्वारा अवैध खनन करके लगभग 15 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था। इसी गड्ढे में गांव की महिलाएं भूदेई पत्नी रमाशंकर, चंद्रावती पत्नी प्रकाश, किशोरी, विमला, नीरज कुमारी, भूरी, संतोष, सोमवती व अन्य घर की लिपाई के लिए मिट्टी लेने गई थी। वे गड्ढे के अंदर मिट्टी खोद रही

- घर की लिपाई के लिए मिट्टी लेने गई थीं महिलाएं, छह घायल

थीं वैसे ही उनके ऊपर ढांग गिर गई। बाहर खड़ी महिलाओं ने जब महिलाओं ने चीखना चिल्लाना शुरू कर दिया। उनकी आवाज सुनकर दर्जनों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद महिलाओं को बाहर निकला। भूदेई तथा चंद्रावती को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों को रेफर कर दिया गया। इनमें भूदेई की मौत हो गई। जबकि विमला, भूरी, नीरज कुमारी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने उनकी हालत गंभीर बताते हुए मुरादाबाद रेफर कर दिया। मामूली रूप से चोटिल हुई संतोष व सोमवती को उपचार के बाद घर भेज दिया गया। सीओ बहजोई डॉ प्रदीप कुमार सिंह व कोतवाल संत कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे ।

तहसीलदार, चंदौसी रवि सोनकर ने बताया कि घर की लिपाई के लिए मिट्टी लेने गई सात महिलाएं के ऊपर मिट्टी गिर गई। दो महिलाओं को सरकारी अस्पताल से रेफर कर दिया गया है। वही दो महिलाओं को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन महिलाएं मामूली रूप से चोटिल हुई हैं। जांच की जा रही है जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार कार व ऑटो की भिड़ंत में 8 लोग घायल

संभल, अमृत विचार : संभल- चंदौसी रोड पर तेज रफ्तार कार ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आठ लोग घायल हुए हैं, वहीं दो गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर ट्रिपल की मदद से जंजीर बांधकर कार को खींचा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की रफ्तार काफी तेज थी। ऑटो में बैठे घायलों में जानशीन व जमशेद निवासी तिमरदास सराय, फरजाना निवासी मोहल्ला रायसत्ती, शम्सुल हसन निवासी सरायतरीन, इरशाद निवासी लहरा कमंगर थाना हयातनगर, इंद्रावती निवासी मूंढापांडे, शाहिद अली निवासी संग्रामपुर बदायूं तथा चालक अंकुर निवासी मोहम्मदपुर टांडा शामिल हैं। इंद्रावती अपनी बेटी की सास के देहांत में शामिल होने जा रही थीं, जबकि शाहिद अली दिल्ली से संभल होते हुए घर लौट रहा था। घायल जानशीन ने बताया कि उसकी चंदौसी कोर्ट में मुकदमे की तारीख थी। चालक अंकुर वर्मा ने कहा कि वह अपनी साइड में था, सामने से आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने ऑटो में टक्कर मार दी, बचाने की काफी कोशिश की लेकिन कार सीधी घुस गई। सीओ संभल आलोक भाटी ने बताया कि हादसे में कुल आठ लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो गंभीर घायलों को रेफर किया गया है। पुलिस वाहन को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

बिजली समस्या को लेकर व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

चंदौसी में एक्सईएन को ज्ञापन देते व्यापारी। ● अमृत विचार

संवाददाता,चंदौसी

अमृत विचार: अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड को ज्ञापन सौंपा। स्मार्ट मीटर से बिलिंग औरबिजली कटौती पर नाराजगी जताई ।

नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय ने कहा कि सुबह की बिजली कटौती लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रही है। सुबह 5 बजे से 10 बजे तक तथा शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक बिजली कटौती नहीं करने की मांग की गई। प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी ने कहा कि स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को मैसेज और बिलिंग में भारी अंतर देखने को मिल रहा है। अधिशासी अभियंता एवं उपखंड अधिकारी प्रथम कार्यालय में स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतों हेतु अलग काउंटर और अलग स्टाफ नियुक्त करने की मांग की। जिलाध्यक्ष सागर गुप्ता, प्रभात कृष्णा, मोहित, अमोल शर्मा, जावेद, रितिक वार्ष्णेय व भाजपा नेता शुभम अग्रवाल मौजूद रहे।

डॉ. शहजाद अस्पताल में मिलीं अनियमितताएं

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: नगर मजिस्ट्रेट ने संभल के डॉ. शहजाद बॉडी लाइन सेंटर अस्पताल में भवन निर्माण में गंभीर अनियमितताएं पकड़ीं। अस्पताल का भवन नियमों के विपरीत निर्मित पाया गया। रास्ते के दोनों ओर के परिसरों को जोड़ने के लिए दूसरी मंजिल पर ब्रिज जैसा निर्माण किया कर दिया गया। नगर मजिस्ट्रेट नेविनियमित क्षेत्र से नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

डॉ. शहजाद बॉडी लाइन सेंटर अस्पताल को लेकर प्रशासन से शिकायत की गई थी। इसे लेकर नगर मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने गुरुवार को विनियमित क्षेत्र के जूनियर इंजीनियर सचिन के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अस्पताल परिसर में मानचित्र के विपरीत निर्माण किया गया है और रास्ते के ऊपर

- नगर मजिस्ट्रेट ने नोटिस जारी करने के निर्देश दिए
- मेडिकल स्टोर पर नहीं था लाइसेंस धारक

निरीक्षण के बाद अवर अभियंता को निर्देश देते सिटी मजिस्ट्रेट। ● अमृत विचार

ब्रिजनुमा ढांचा बना दिया गया। नगर मजिस्ट्रेट ने अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए । अस्पताल परिसर में मेडिकल स्टोर में लाइसेंस धारक मौजूद नहीं मिला। नगर मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिए कि लाइसेंस धारक की अनुपस्थिति में दवा डॉ. शहजाद खुद दें, अन्यथा मेडिकल स्टोर बंद किया जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि डॉ. शहजाद बॉडी लाइन सेंटर अस्पताल में सड़कों के दोनों तरफ के निर्माण को जोड़ते हुए ब्रिजनुमा ढांचा बनाना गैर कानूनी है।

न्यूज डायरी

लायंस क्लब ने बुजुर्गों को वितरित किए स्वेटर, कार्डिगन

संभल,अमृत विचार : लायंस क्लब संभल द्वारा लायंस भवन में एक बैठक में वृद्ध आश्रम में सेवा कार्य करने का निर्णय लिया गया। इस क्रम में बुजुर्गों की आवश्यकताओं की जानकारी के लिए आश्रम प्रबंधन से बात की गई। केयरटेकर नीरज ने बताया कि बुजुर्गों के पास कम्बल पर्याप्त हैं, लेकिन सर्दियों में स्वेटर की जरूरत है। उनकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 75 बुजुर्गों को स्वेटर तथा वृद्ध महिलाओं को कार्डिगन उपलब्ध कराए। इसके साथ ही गर्म मोजे तथा फल-फ्रूट का भी वितरण किया गया। क्लब अध्यक्ष दीपक गुप्ता, सचिव नितिन गर्ग, कोषाध्यक्ष रविंद्र गुप्ता के साथ राकेश अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, रुचि गर्ग और अनीता अग्रवाल मौजूद रहे। क्लब सदस्यों ने कहा कि सामाजिक सेवा के ऐसे कार्यक्रम आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

डीएसएम रजपुरा में शुरू हुआ पेराई सत्र

संभल/रजपुरा,अमृत विचार : डीएसएम शुगर मिल रजपुरा में नए पेराई सत्र की शुरुआत पर यूनिट हेड आशीष कुमार शर्मा व कंपनी के सीओ अक्षत कपूर ने पूजा की। उपजिलाधिकारी अवधेश कुमार उपस्थित रहे। उनका स्वागत वरिष्ठ महाप्रबंधक इकबाल सिंह और महाप्रबंधक प्रशासन राजन कुमार दीक्षित ने किया। यूनिट हेड ने किसानों को आश्वासन दिया कि मिल किसानों की फसल की शत-प्रतिशत क्रशिंग करेगी। किसानों से अपील की कि वे अपना गन्ना सीधे मिल को ही आपूर्ति करें। बिचौलियों से दूरी बनाए रखें। सीओ अक्षत कपूर ने कहा कि मिल 24 घंटे किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। ज्येष्ठ गन्ना निरीक्षक ममता भारतीय, सचिव देव प्रकाश त्यागी, गन्ना समिति के चेयरमैन भूशंकर गुप्ता, वाइस चेयरमैन उपेंद्र सिंह, हरगोविंद लाल, रामलाल, शंकर सिंह आर्य, वीना ठाकुर, राजकुमार, नौबत सिंह, हरनाम सिंह, ललतेश कुमार, विशेष पाल सिंह सहित कारखाना प्रशासन, कर्मचारी, क्षेत्र के ग्राम प्रधान और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

स्कॉर्पियो की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

बहजोई, अमृत विचार : बहजोई के गांव राजपुर निवासी मक्खन स्कूटी से बहजोई आ रहा था। संभल-बहजोई मार्ग स्थित गांव परतापुर के निकट बहजोई की ओर से जा रही स्कार्पियो ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मक्खन गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों के साथ ग्रामीणों ने ई-रिक्शा से घायल ग्रामीण को बहजोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। स्कार्पियो चालक मौके से अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर फरार हो गया।

बुलेट की टक्कर से बाइक सवार दो शिक्षक घायल

जुनावई,अमृत विचार : जनता इंटर कॉलेज के शिक्षक मास्टर अविनाश पुरी और अंग्रेजी विषय की प्रवक्ता अंजलि श्रीवास्तव मोटरसाइकिल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दवा लेने जा रहे थे। अस्पताल गेट के सामने मुड़ते समय गन्नौर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही बुलेट मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर घायल हो गए। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से गंभीर हालत देखते हुए अलीगढ़ के लिए रेफर किया गया। वहीं बुलेट सवार बुलंदशहर के भरभूड़ मोहल्ले का युवक भी हादसे में घायल हुआ।

खाद को लेकर भड़के किसान, हंगामा

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

अमृत विचार: असमोली क्षेत्र के गांव तलवार स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति मढ़न पर खाद न मिलने से किसान परेशान हैं । यहां तीन चार दिनों से किसान रोजाना समिति पर पहुंच कर मायूस होकर खाली हाथ लौट रहे हैं। गुरुवार को समिति पर पहुंचे कई गांवों के किसानों ने खाद न मिलने पर हंगामा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

वर्तमान में आलू, गेहूं, सरसों व अन्य फसलों की बुआई के लिए किसानों को खाद की जरूरत है लेकिन किसान खाद के लिए परेशान हैं। गुरुवार की सुबह काफी संख्या में मुबारकपुर बंद, मढ़न, असगरीपुर, मंडियों, ओबरी व अन्य गांवों से किसान खाद लेने के लिए गांव तलवार स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति मढ़न पहुंच गए। यहां खाद न मिलने पर किसानों ने हंगामा करते हुए विरोध प्रदर्शन

असमोली की मढ़न सहकारी समिति पर किसानों को समझाते एडीओ सहकारिता।

- सहकारी समिति पर किया प्रदर्शन, एडीओ ने समझाया

किया। किसानों ने कहा कि उन्होंने तीन चार दिन पहले समिति सचिव के पास खाद लेने के लिए सहकारी कृषक पंजिका जमा की थी । गंगा स्नान के अवकाश के बाद गुरुवार की सुबह समिति पर खाद लेने पहुंचे, लेकिन समिति के कर्मचारी खाद नहीं दे रहे है। किसानों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों को दो-तीन कट्टे खाद दिए जा रहे हैं, लेकिन उन्हें मायूस लौटना पड़ रहा है।

एडीओ सहकारिता रोहिताश सिंह ने हंगामा कर रहे किसानों को समझाया कि समिति पर खाद की कोई कमी नहीं है सभी किसानों को खाद उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने समिति सचिव को रोस्टर अनुसार खाद वितरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान यूसुफ, मो. अली , विपिन, इरफान, साबिर, अमर सिंह , रमेश, इकबाल, यूसुफ, आज़म, शमीम, आसिफ़ कमाल, छोटे, केदार सिंह, उमेश, अय्यूब, मुजफ्फर, शमशाद, छोटे, इकबाल खलील, नासिर हुसैन, आदि किसान मौजूद रहे।

पिटाई से घायल ग्रामीण की मौत, तीन पर हत्या का आरोप

संभल/ रजपुरा,अमृत विचार: रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव तुमरिया घाट में रंजिश के चलते मारपीट में घायल ग्रामीण की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के पुत्र ने गांव के ही तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

गांव निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उसके पिता नेकपाल का करीब 10 दिन पूर्व गांव के ही नैकसे से विवाद हो गया था। उसी रंजिश में बुधवार शाम करीब 6 बजे नैकसे, जीतपाल और मान सिंह ने रास्ते में घेरकर लाठी-डंडों से हमला किया। मारपीट में नेकपाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रजपुरा में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर अलीगढ़ के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां गुरुवार सुबह उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक निशांत कुमार राठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

ग्रामीण की मौत के बारे में पुलिस को जानकारी देते परिजन। ● अमृत विचार

धामपुर चीनी मिल ने जारी किया गन्ना इंडेन्ट

असमोली, अमृत विचार : धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड यूनिट असमोली चीनी मिल द्वारा आगामी पेराई सत्र के लिए गन्ना इन्डेन्ट जारी कर दिया गया है। मिल प्रबंधन द्वारा 9 नवम्बर को सभी बाह्य गन्ना क्रय केन्द्रों पर तथा 10 नवम्बर से मिल गेट सहित सभी क्रय केन्द्रों पर गन्ना तौल प्रारंभ किए जाने की घोषणा की गई है। महाप्रबंधक गन्ना प्रवीण सिंह ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे साफ-सुथरा, छिला हुआ और ताजा गन्ना ही मिल को आपूर्ति करें। प्रदेश सरकार द्वारा गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसी भी किसान को अपना गन्ना सस्ते दाम पर कोल्हू या क्रेशर पर नहीं डालना चाहिए। मिल प्रबंधन के अनुसार किसानों की सुविधा हेतु 108 क्रय केन्द्र स्थापित किए गए हैं। गन्ने के समय से उठान के लिए पर्याप्त लोडर और परिवहन की व्यवस्था भी की गई है। किसान अपनी पर्ची की तिथि तथा हाड़े के अनुसार ही गन्ना क्रय केन्द्रों पर लेकर आएं।

वाद्ययंत्रों की खरीद में सामने आई 25 लाख रुपये की गड़बड़ी

शासन ने घटाई आवंटित धनराशि, जांच के बाद पुराने आदेश रद्द, संस्कृति विभाग से चयनित गांवों में खरीदे गए हैं 825 वाद्ययंत्र सेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : संस्कृति विभाग से चयनित ग्राम पंचायतों के लिए 825 वाद्ययंत्र सेटों की खरीद में गड़बड़ी की जांच के बाद शासन ने पहले स्वीकृत लगभग तीन करोड़ रुपये की धनराशि में कटौती करते हुए नया आदेश जारी किया है। 2,95,11,100 रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति को रद्द करते वास्तविक व्यय के आधार पर 2,70,73,002 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

दैनिक अमृत विचार ने सबसे पहले इस गड़बड़ी को 4 अप्रैल, 2025 को उजागर किया था। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मामले की जांच का आदेश दिया। प्राथमिक जांच में सहायक निदेशक डॉ. राजेश अहिरवार और वैयक्तिक सहायक कुलदीप सिंह को निलंबित कर दिया गया था। साथ ही, शासन ने किट के वितरण और भुगतान पर रोक लगा दी थी। अब नए शासनादेश के बाद सामने आया है कि करीब 25 लाख रुपये हड़पने की तैयारी थी। नए शासनादेश में कहा गया है कि वर्ष 2024-25 में चयनित ग्राम पंचायतों के लिए 825 वाद्ययंत्र सेट क्रय किए गए थे। इसके लिए शासनादेश संख्या 385/2024 दिनांक 27 नवंबर 2024 के तहत 2,95,11,100 रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति दी गई थी। मगर खरीद प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत पर जांच शुरू होने से भुगतान रोक दिया गया था। अब जांच पूर्ण होने के बाद संस्कृति अनुभाग द्वारा जारी नवीन शासनादेश संख्या 323/2025 में पुराने आदेश को निरस्त करते हुए वास्तविक व्यय के आधार पर 2,70,73,002 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

संस्कृति विभाग की संयुक्त सचिव उमा द्विवेदी की ओर से जारी शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल वाद्ययंत्र खरीद के लिए ही किया जाएगा और किसी अन्य मद में खर्च नहीं किया जा सकेगा। साथ ही वित्तीय नियमों और नीतिगत दिशा-निर्देशों के सख्त अनुपालन के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार में 4 अप्रैल,2025 के अंक में प्रकाशित खबर।

12 हजार की किट 32,800 में खरीदने का था आरोप

लोक कल्याण वाद्य यंत्र योजना के तहत लोक कलाकारों को पांच वाद्ययंत्रों- हारमोनियम, तबला, घुंघरू, मजीरा और ढोलक की किट दी जानी थी। पिछले दिनों प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर 825 किट की खरीद और वितरण के निर्देश दिए गए थे। शिकायत के बाद पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के आदेश पर हुई जांच में सामने आया कि संस्कृति विभाग ने सहायक निदेशक की अध्यक्षता में एक क्रय समिति गठित की थी, जिसने बाजार मूल्य से लगभग तीन गुना अधिक दर पर खरीद की संस्तुति दी। औसतन 12 हजार की किट कुछ जगह 32,800 में खरीदी गईं, जिससे लगभग 25 लाख की गड़बड़ी उजागर हुई।

ओपीडी बंद है तो मरीज के मोबाइल पर आएगा मैसेज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- केजीएमयू प्रशासन जल्द शुरू करेगा नई व्यवस्था

अमृत विचार: किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने मरीजों की सुविधा के लिए एक नई व्यवस्था शुरू करने की तैयारी की है। अब अगर ओपीडी बंद होगी तो उसकी जानकारी सीधे मरीज के मोबाइल नंबर पर मैसेज के जरिए दी जाएगी। इससे दूर-दराज के जिलों जैसे गोरखपुर, जौनपुर, बाराबंकी, देवरिया आदि से आने वाले मरीजों को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी।

केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि कई बार मरीजों को ओपीडी बंद होने की जानकारी समय पर नहीं मिलती। ऐसे में वे सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा कर लखनऊ पहुंचते हैं और यहां आकर पता चलता है कि ओपीडी बंद है। इस वजह से उन्हें समय और पैसे दोनों का नुकसान झेलना पड़ता है। नई व्यवस्था से इस समस्या का समाधान होगा। उन्होंने बताया कि मरीज जब ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेते हैं या पंजीकरण कराते हैं, तब अपना मोबाइल नंबर दर्ज करते हैं। इसी नंबर पर ओपीडी बंद होने की सूचना भेजी जाएगी। उम्मीद है कि यह व्यवस्था अगले एक महीने के भीतर लागू कर दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

पीजीआई में बच्चों के दिल का उपचार शुरू

अमृत विचार, पीजीआई/लखनऊ: एसजीपीजीआई में जन्मजात हृदय रोगों से जूझ रहे बच्चों के लिए राहत की खबर है। अब संस्थान में बच्चों के दिल के छेद और वॉल्व संबंधी सर्जरी शुरू हो गई है। इसके लिए पीजीआई में बच्चों के लिए छह बेड का विशेष आईसीयू, 30 बेड का वार्ड और एक ऑपरेशन थिएटर आरक्षित किया गया है। पहले जहां ऐसे मामलों में बच्चों को इलाज के लिए दिल्ली या अन्य बड़े शहरों के अस्पतालों में जाना पड़ता था, अब यह सुविधा लखनऊ में ही उपलब्ध हो गई है। सीवीटीएस विभागाध्यक्ष डॉ. एसके अग्रवाल ने बताया कि अब पीजीआई में हर माह 10 से अधिक बच्चों के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। पीजीआई में बच्चों के हृदय रोगों के समग्र उपचार के लिए 200 बेड का अत्याधुनिक केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इसमें 100 बेड आईसीयू के होंगे। नवजात से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए यह सेंटर एक बड़ा सहारा बनेगा।

डी. फार्मा की काउंसिलिंग की तिथि बढ़ाई गई

अमृत विचार, लखनऊ: संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी. फार्मा) पाठ्यक्रम की पांचवें चरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग में विकल्प चयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकल्प चयन की अंतिम तिथि 4 से 6 नवंबर थी, जिसे अब 7 नवंबर दोपहर 12 बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी काउंसिलिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी परिषद की वेबसाइट www.jeecup.admissions.nic.in पर प्राप्त कर सकते हैं या सहायता के लिए परिषद के दूरभाष 0522-2630106, 2630695, 2630667, 2636589 पर संपर्क कर सकते हैं।

रालोद का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 को

अमृत विचार, लखनऊ: राष्ट्रीय लोकदल का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 नवंबर को मथुरा में आयोजित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अधिवेशन में उत्तर प्रदेश के 2000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा होगी। रालोद का यह अधिवेशन संगठन की मजबूती और आगामी राजनीतिक दिशा तय करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिवेशन में प्रदेश भर से आए पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं किसान प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि भाग लेंगे। राष्ट्रीय अधिवेशन में वर्ष 2026 के पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनावों की रूपरेखा एवं रणनीति पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

50 लाख डुप्लीकेट नाम बने चुनौती

मतदाता सूची से काटे जाएंगे नाम, 15 तक सत्यापन का कार्य पूरा करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से 52 लाख डुप्लीकेट नाम कटेंगे। तमाम जिलों को राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से भेजे गए पत्र में 15 नवंबर तक सत्यापन का काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। 15 जनवरी को अंतिम वोटर लिस्ट जारी होगी।

इस बीच सामने आ रहीं त्रुटियों के मद्देनजर 15 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची जारी करने से पहले यह काम पूरा होना बड़ी चुनौती बना हुआ है। दरअसल, नामों की डुप्लीकेसी को देखते हुए नाम काटने के निर्देश जिलाधिकारियों को अगस्त में ही दिया गया था, लेकिन माना जा रहा है कि अधीनस्थ अधिकारी ढुलमुल रवैया दिखाते रहे। फिलहाल मात्र 13.28 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन किया गया है और इसमें से 1.63 लाख मतदाता गलत मिले हैं।

वहीं, 2.14 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन किया जाना बाकी है। अकेले पीलीभीत के पूरनपुर ब्लॉक में ही 97 हजार डुप्लीकेट मतदाता हैं। सैदपुर गाजीपुर में 71 हजार, पडरौना के 63 हजार और हापुड़ में 61 हजार डुप्लीकेट मतदाता हैं। ऐसे ही वाराणसी, बिजनौर, आजमगढ़, जौनपुर व अंबेडकरनगर इत्यादि जिलों में बड़ी संख्या में डुप्लीकेट वोटर हैं।

अप्रैल तक संपन्न हो जाएंगे पंचायत चुनाव : प्रदेश में वर्ष 2026 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत स्तर पर होने हैं, जो हर 5 वर्ष में होते हैं। माना जा रहा है कि चुनाव अप्रैल तक संपन्न हो जाएंगे। राज्य में लगभग 58000 पंचायतें, 8000 पंचायत वार्ड और 800 से जिला पंचायत वार्ड हैं, जिनमें 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इन पंचायत चुनाव के लिए जनवरी 2026 में अधिसूचना जारी हो सकती है और फरवरी-मार्च 2026 में कई चरणों में चुनाव हो सकते हैं। एससी/एसटी आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया पूरी होते ही आयोग चुनाव कार्यक्रम घोषित करेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

- चुनाव से पहले मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी आई सामने
- पीलीभीत, बिजनौर सहित कई जिलों में नामों का दोहराव मिला
- पूरनपुर ब्लॉक में ही लगभग 97,000 नाम दोहराए गए

लापरवाही पर कठोर कार्रवाई तय

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर गुरुवार की बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी, शामली के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिये। साथ ही सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किसी भी स्तर पर कार्य में लापरवाही तथा दिये गये निर्देशों की अवहेलना पाये जाने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है।

खर्च सीमा में बढ़ोतरी

पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच आयोग ने प्रत्याशियों के लिए खर्च सीमा में भी बढ़ोत्तरी की है। ग्राम प्रधान अब अधिकतम 1.25 लाख रुपये खर्च कर सकेंगे, जबकि जिला पंचायत सदस्य के लिए यह सीमा 2.5 लाख रुपये है। सर्वाधिक 7 लाख रुपये जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए तय किए गए हैं। आयोग ने पारदर्शिता बनाए रखने और खर्च पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक, बैलेट पेपर की छपाई का काम भी शुरू हो चुका है।

मतदाताओं के लिए बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा गुरुवार को सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि मतदाताओं की सुविधा के मद्देनजर बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा प्रदान की गई है, जिसके तहत कोई भी मतदाता voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से अपने बीएलओ से बात करने की रिक्वेस्ट डाल सकता है। जिसे बीएलओ को अगले 48 घंटों के भीतर आवेदक से संपर्क कर निस्तारण करना है। बुक ए कॉल सुविधा का वोटर हेल्पलाइन 1950 की ही भांति प्रचार-प्रसार करते हुए क्रियाशील रखने के निर्देश सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए। समीक्षा बैठक में सामने आया कि सभी जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। वितरण में धीमी प्रगति वाले जिलों को वितरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जिन मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल है उनकी वर्तमान मतदाता सूची से मैपिंग के कार्य को अगले तीन दिनों के भीतर पूरे किए जाने के निर्देश मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिये गये।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित शुक्रवार के दौरे को लेकर वाराणसी में रेलवे स्टेशन पर तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : मुख्यमंत्री

योगी ने बनारस रेलवे स्टेशन पर की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों से स्टेशन परिसर के सुंदरीकरण, सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं, और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से जुड़ी तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु, व्यवस्थित और उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपने वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री ने रेलवे और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली और सभी व्यवस्थाओं को सर्वोच्च स्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मोदी का काशी दौरा आज

अमृत विचार, लखनऊ: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचेंगे। वहां पीएम मोदी का स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरे पर प्रधानमंत्री वाराणसी से रेल यातायात को बड़ी सौगात देंगे। वहीं, बनारस से लेकर बेंगलुरु तक को चार नई वंदे भारत ट्रेन भी मिलेंगी। इस कड़ी में प्रधानमंत्री बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे। कुल मिलाकर यात्री सुविधाओं और पर्यटन को बढ़ावा मिलने जा रहा है। वहीं पीएम मोदी वाराणसी में प्रबुद्धजनों से भी संवाद करेंगे। इस दौरान सीएम योगी भी साथ रहेंगे।

बाबा विश्वनाथ व काल भैरव के किए दर्शन : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को बाबा काल भैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की।

आबकारी राजस्व लक्ष्य हासिल न करने पर होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 63 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य आबकारी मंत्री ने दी चेतावनी

अमृत विचार : आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग को 63 हजार करोड़ रुपये राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य मिला है। इसके लिए निर्धारित मासिक राजस्व लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करना होगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन जिलों ने अक्टूबर माह में निर्धारित आबकारी राजस्व लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया है और लगातार उनकी परफारमेंस खराब चल रही है, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में आबकारी मंत्री ने बताया कि इस वर्ष माह अप्रैल से अक्टूबर तक निर्धारित लक्ष्य 32,500 करोड़ के सापेक्ष प्राप्ति 30,657.54 करोड़ (94.33 प्रतिशत) रही। प्रदेश में गत वर्ष इसी अवधि में 26,330.87 करोड़ की आबकारी राजस्व प्राप्त हुआ था। इस तरह गत वर्ष के सापेक्ष प्राप्त 4326.67 करोड़ (116.43 प्रतिशत) का अधिक राजस्व अर्जित किया गया है। मंत्री ने मदिरा की संभावित नई दुकानों के लिए सर्वे कराकर 15 दिन के अंदर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

आगरा में बनेगा प्रदेश का तीसरा साइंस पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/आगरा

- 39 करोड़ 62 लाख की लागत वाले साइंस पार्क और नक्षत्रशाला की रखी गई नींव

अमृत विचार: लखनऊ और गोरखपुर के बाद अब आगरा में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त साइंस पार्क और नक्षत्रशाला की स्थापना होगी। कोठी मीना बाजार मैदान के सामने, एसीपी लोहा मंडी कार्यालय के पीछे आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और केंद्रीय राज्य मंत्री (सांसद) प्रो. एसपी सिंह बघेल ने संयुक्त रूप से शिलान्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन एवं हवन कर 39.62 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले साइंस पार्क व नक्षत्रशाला की नींव रखी गई। आगरा का साइंस पार्क प्रदेश का तीसरा उच्च सुविधा युक्त पार्क होगा, जहां छात्र-छात्राएं और आमजन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक साइंस और साइबर सुरक्षा जैसी आधुनिक तकनीकों से रूबरू होंगे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार ने बताया कि अब प्रदेश के हर मंडल मुख्यालय पर साइंस पार्क की स्थापना की जाएगी।

आगरा में साइंस पार्क व नक्षत्रशाला का शिलान्यास करते मंत्री अनिल कुमार, मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, साथ में अन्य।

पटेल जयंती पदयात्राओं की तैयारी को लेकर कसी कमर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्रियों, सांसदों, विधायकों व भाजपा नेताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष ने की वर्चुअल बैठक

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाली विधानसभा स्तरीय पदयात्राओं की तैयारियों को लेकर पूरी ताकत झोंक दी है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने गुरुवार को प्रदेश सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों के साथ वर्चुअल संवाद किया।

बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, एके शर्मा, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', बेबी रानी मौर्य, जेपीएस राठौर, धर्मवीर प्रजापति, अनिल राजभर और दारा सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में मंत्री, सांसद, विधायक और प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि पदयात्राएं सरदार पटेल के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगी। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बताया कि इन पदयात्राओं की तैयारियां विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मिलकर करेंगे।

कवायद | छह शैक्षणिक संस्थानों की मदद से बनेगी वार्षिक ग्राम पंचायत विकास योजना

जरूरतों को पूरा कर गांवों को मॉडल बनाने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हर जिले की 10 ग्राम पंचायत चयनित, 1.50 करोड़ बजट

अमृत विचार : पंचायती राज विभाग ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों को शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से मॉडल बनाने की कवायद शुरू कर दी है। इस कवायद में शामिल लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, डॉ. बीआर आम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस व डॉ. भीमराव आम्बेडकर यूनिवर्सिटी आगरा के पीएचडी स्कॉलर ग्राम सचिवों के साथ क्षेत्रों में जाकर वार्षिक ग्राम पंचायत विकास योजना बनाने में लगे हैं। 31 जनवरी तक प्लान तैयार करके अपलोड किया जाएगा।

विभाग ने पहले चरण में सभी 75 जिलों की 10-10 ग्राम पंचायतें वार्षिक योजना बनाने के लिए चयनित की हैं। पीएचडी स्कॉलर गांव में शोध करके ग्रामीणों की जरूरतों को समझकर प्लान में शामिल करेंगे, जो विकास कार्यों के लिए बेहद जरूरी होगा। इसके अलावा बजट के हिसाब से जो कार्य नहीं होते हैं, उन पर विशेष फोकस रहेगा, क्योंकि विभाग द्वारा जो विकास की योजना बनाई जाती है, उनमें इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य ज्यादा होता है। गांव में किन चीजों की जरूरतें हैं, उनकी जानकारी कर प्लान में दर्शाया जाएगा और आने वाले वित्तीय वर्ष में वही कार्य कराए जाएंगे। ताकि अच्छे से अच्छा कार्य कराकर ग्रामों को मॉडल बनाया जा सके। पहले चरण में कुल 1.50 करोड़ रुपये बजट प्रस्तावित किया गया है। इसमें प्रति ग्राम पंचायत पर 20 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे।

वार्षिक योजना में शामिल मुख्य कार्य

- तकनीकी, प्रबंधन, योजना निर्माण संबंधी सहायता देना
- निर्माण में गुणवत्ता एवं सहभागी दृष्टिकोण तय करना
- ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और सचिवों का क्षमता विकास
- स्थिति विश्लेषण एवं आवश्यकता मूल्यांकन, सर्वे, बैठक
- ग्राम सभाओं और योजना बैठक की सुविधा, मॉनिटरिंग एवं प्रगति रिपोर्टिंग

विश्वविद्यालयों को आवंटित जिले

- लखनऊ विश्वविद्यालय - 13 जिले
- डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी - 12 जिले
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी - 12 जिले
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी - 13 जिले
- डॉ. बीआर आम्बेडकर इंस्टीट्यूट - 12 जिले
- डॉ. भीमराव आम्बेडकर यूनिवर्सिटी आगरा - 13 जिले

लखनऊ में कोठी नहीं, फिर भी घोषित कर दिया भू-माफिया: आजम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अचानक लखनऊ पहुंचे आजम खां, बढ़ा सियासी तापमान
- प्रधानमंत्री मोदी के कट्टा वाले बयान पर कसा तंज

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मो. आजम खां गुरुवार को अचानक लखनऊ पहुंचे। उन्होंने कहा कि 50 साल की सियासत के बावजूद लखनऊ में मेरी कोई कोठी नहीं है, फिर भी मुझे भूमाफिया घोषित किया गया। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा, "अगर मैं भूमाफिया होता तो लखनऊ में मेरे पास भी कोठी होती। रामपुर में जहां रहता हूं, बारिश में पानी भर जाता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री के बिहार में कट्टा वाले बयान पर तंज कसा कि कट्टा बेचने वाले का बेटा विधायक बना और उसे कमांडो मिले हैं।

आजम खां का यह दौरा पूरी तरह गोपनीय रखा गया था। शहर के एक होटल में ठहरने की सूचना मिलने के बाद राजनीतिक हलकों में सरगर्मी बढ़ गई। दिनभर सपा नेताओं का होटल में आना-जाना लगा रहा। हालांकि सपा मुखिया लखनऊ में नहीं हैं। इस दौरान पहुंचे पत्रकारों के सवालों पर आजम खां ने कई राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। आजम खां ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर व्यंग्य कसते हुए कहा कि बहुत बेहतर है। बिहार की कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए कहा कि वहां आज भी जंगलराज कायम है। इसी वजह से वह चुनाव प्रचार के लिए बिहार नहीं गए। जिनके पास हथियार हैं, वही वहां जा रहे हैं, मेरे पास सुरक्षा नहीं, इसलिए उस जंगल तक नहीं गया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

यदि हम प्रश्न नहीं करेंगे, तो हम यांत्रिक जीवन जीएंगे।

–जे कृष्णामूर्ति, दार्शनिक

ममदानी की मुश्किलें

प्रख्यात फिल्म निर्देशक मीरा नायर के पुत्र और भारतीय मूल के युवा नेता ज़ोहरान ममदानी ने जब न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की थी, तब से ही यह नाम न केवल अमेरिका बल्कि समूचे विश्व में चर्चा का विषय तो बना हुआ था, मगर जीत की संभावना महज एक फीसदी थी। प्रत्याशित तौर पर अरबपतियों के इस शहर में मध्यमवर्ग और वंचितों के अधिकारों की बात करने वाला यह सोशल डेमोक्रेट जीत गया। ज़ोहरान ममदानी पिछले सौ वर्षों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा मेयर बने हैं। वे इस पद पर आसीन होने वाले पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम भी हैं। उन्हें 10 लाख से अधिक मत प्राप्त हुए,पिछले सात दशकों में किसी भी उम्मीदवार से अधिक। उन्होंने ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन उम्मीदवार को 44 प्रतिशत के बड़े अंतर से हराते हुए तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इस जीत ने न केवल अमेरिकी राजनीति में एक नई हवा भरी है, बल्कि प्रवासी समुदायों में आत्मविश्वास भरते हुए कहा, "यह शहर अप्रवासियों ने बनाया, अप्रवासियों ने चलाया और अब एक अप्रवासी के नेतृत्व में बढ़ेगा।"

उनकी पहचान एक प्रगतिशील डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट के रूप में है। उन्होंने मुफ्त बस सेवा, सार्वभौमिक चाइल्ड केयर और 2030 तक न्यूनतम मजदूरी 30 डॉलर प्रति घंटा करने जैसे महत्वाकांक्षी वादे किए हैं, लेकिन इन योजनाओं पर अरबों डॉलर का खर्च आएगा और इसके लिए उन्होंने अमीरों पर कर बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है, जिस पर विरोध के स्वर मुखर हैं, जिससे उनके सामने प्रशासनिक और राजनीतिक चुनौतियों का एक कठिन दौर शुरू होना तय है। इसी बीच पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें 'कम्युनिस्ट' करार देते हुए शहर की संघीय सहायता में कटौती और नेशनल गार्ड भेजने की धमकी दी है। यह खतरा इसलिए बड़ा है, क्योंकि न्यूयॉर्क का बजट काफी हद तक संघीय फंडिंग पर निर्भर करता है। यदि यह सहायता कम होती है, तो ममदानी की विकास योजनाएं गंभीर संकट में पड़ सकती हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी स्वयं इस समय दो हिस्सों में बंटी दिख रही है, जहां बर्नी सैंडर्स और अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज जैसे प्रगतिशील नेता ममदानी के समर्थन में हैं, वहीं कई उदारवादी नेता चिंतित हैं कि उनकी समाजवादी नीतियां पार्टी की पारंपरिक राजनीति को कमजोर कर सकती हैं।

इसके बावजूद, ममदानी की यह विजय केवल एक चुनावी जीत नहीं है, यह उस सोच की जीत है जो सामाजिक न्याय, समान अवसर और नागरिक कल्याण को राजनीति का केंद्र बनाना चाहती है। उन्होंने यह दिखा दिया है कि जनआकांक्षाओं से जुड़ी नीतियां, यदि सच्चे इरादों से प्रस्तुत की जाएं, तो बड़े से बड़ा सत्तातंत्र भी झुका सकता है। ट्रंप के लिए ममदानी ने भविष्य के लिए किंचित कठिनाइयां पैदा तो की हैं, पर सही बात तो यह है कि ममदानी की परीक्षा अभी से शुरू हो गई है। ममदानी को न केवल अपने वादों को पूरा करना होगा, बल्कि एक विभाजित और असमानताओं से भरे शहर को एकजुट भी करना होगा। यदि वे यह कर पाते हैं, तो यह जीत न सिर्फ न्यूयॉर्क की, बल्कि उस वैकल्पिक राजनीति की भी होगी जो आज के अशांत विश्व को नई दिशा दे सकती है।

प्रसंगवश

क्रांतिगीत वंदेमातरम् को भी चाहिए न्याय

वंदेमातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण गए। देशभक्ति का स्फूरण है, उत्साह है। रोम-रोम देशभक्ति की भावना से पुलकित है। वंदेमारतरम् दरअसल सिर्फ गीत नहीं है, यह देशभक्ति का प्रेरणापुंज है, यह मंत्र है। इसके शब्द, 'बीज मंत्रों' से आच्छादित हैं। जब यह अवतरित हुआ तब से आज तक भारत की एकता, विविधता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बना है। गीत ने राजनीतिक दूरियां मिटा दी थीं, उत्तर से दक्षिण तक पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्रीय एकता का संदेश और क्रांति की प्रेरणा दी। गुलामी की बेड़ियों में जकड़ी 'भारत मां' को मुक्त कराने के लिए क्रांति कर दी थी। लाखों युवाओं को क्रांति की मशाल हाथ में थमा दी थी, और वे स्वतंत्रतता का लक्ष्य लेकर निकल पड़े थे। आज उसी वंदेमातरम् को न्याय की आवश्यकता है। उसके मूल स्वरूप में स्वीकारोक्ति की आवश्यकता है।

सर्वेश कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

अंग्रेजों के क्रूर शासन में जब भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता खंडित की जा रही थी। बंगाल के सरकारी अधिकारी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के हृदय में अंग्रेज सरकार के एक फैसले से क्षोभ उत्पन्न हो गया। उन्होंने 'भारत माता' की स्तुति में एक गीत लिखने का निश्चय किया। चट्टोपाध्याय ने सात नवंबर 1875 को वंदेमातरम् की रचना कर दी। वंदेमारम् को कांग्रेस के अधिवेशन में प्रथम बार कलकत्ता में 1896 में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने गाया।

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में 28 अक्टूबर 1937 को प्रस्तुत एक रिपोर्ट के बाद इसे खंडित कर दिया गया। कांग्रेस ने उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिसमें इसके कई महत्वपूर्ण अंशों को काट दिया गया और केवल आरंभ के दो छंद ही स्वीकार किए गए। यह सब कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के कारण हुआ। दरअसल रामपुर के अली बंधुओं का कांग्रेस में काफी दबदबा था। कांग्रेस उन्हें देश के प्रमुख मुस्लिम नेताओं के रूप में मान्यता देती थी। इन अली बंधुओं के अनुरोध पर ही कांग्रेस ने खिलाफत आंदोलन में भाग लेने का फैसला किया था। अली बंधुओं में छोटे भाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उनकी अध्यक्षता में आंध्र प्रदेश के काकानाडा में 28 दिसंबर 1923 से एक जनवरी 1924 तक अधिवेशन हुआ था।

अधिवेशन में परंपरागत रूप से 'वंदेमातरम्' गायन होना निश्चित था। इसके लिए प्रख्यात संगीतज्ञ, गायक पंडित विष्णु दिगंबर पुलस्कर उपस्थित हुए थे। उन्होंने जैसे ही गायन आरंभ किया तो अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने विरोध कर दिया। उन्होंने गायन रोकने को कहा, किंतु वे नहीं रुके और पूरा वंदेमातरम् गायन किया। क्षुब्ध होकर मौलाना जौहर मंच छोड़कर चले गए। इस विरोध पर कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं ने स्वतंत्रता संग्राम में धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए मौलाना जौहर की मांग पर समिति बना दी। समिति की रिपोर्ट पर वंदेमातरम् को खंडित किया गया। इसके साथ ही इसे अनिवार्य गायन से भी मुक्त कर दिया गया। यही खंडित वंदेमातरम् 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया।

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदेमातरम् के खंडित होने के भारत के दर्द को उजागर किया है। प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर को एकता नगर (केवडिया) में सरदार पटेल की 150वीं जन्मजयंती पर कार्यक्रम में 'वंदेमातरम्' के भी 150 वर्ष पूरे होने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वंदेमातरम् के साथ वह किया जो अंग्रेज भी नहीं कर सके। यानी कि वंदेमातरम् जैसे क्रांतिगीत और अनन्य राष्ट्रभक्ति की प्रेरक प्रार्थना को खंडित कर दिया।

उत्तराखंड: थोड़ा है और बहुत की जरूरत है

अमित शर्मा

हल्द्वानी

उत्तराखंड के विकास के 25 साल के रोडमैप पर विधानसभा में सुझाव और तर्क दिए गए। पहाड़ों पर शिक्षा और स्वास्थ्य, ये दो मुद्दे आज भी पहाड़ की तरह खड़े हैं।

एक गीत के बोल हैं- थोड़ा है थोड़े की जरूरत है, लेकिन इस छोटे से पर्वतीय राज्य उत्तराखंड के लिए अभी विकास बहुत थोड़ा है और आगे अभी बहुत-बहुत-बहुत की जरूरत है। मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों को बढ़ाने के सतत् प्रयास करने होंगे, तो राज्य में स्थायी रोजगार देने के अवसरों के साथ ही, चाहे वह निम्न या मध्यम वर्गीय नागरिक हों, आर्थिक समानता के लिए हर एक को उसकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने की बेहतर स्थिति में लाना होगा। राज्य के विकास का 25 साल का रोडमैप कैसा होना चाहिए, उत्तराखंड विधानसभा में इस महत्वपूर्ण विषय पर सत्ता और विपक्ष के सदस्यों (विधायकों) द्वारा अपने-अपने सुझाव और तर्क भी दिए गए।

विधानसभा के इस विशेष सत्र की खूबी यह रही कि विधायकों ने अपनी बात को बिना किसी लाग-लपेट के रखा और परंपरा से हटकर सार्थक बहस की। चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार का मामला हो या भ्रष्टाचार का, सभी ने अपने-अपने हिसाब से विकास के रोडमैप की परिभाषा बताई। एक वरिष्ठ विधायक का यह दर्द भी सामने आया कि उत्तर प्रदेश से विभाजित होने के बाद भी उत्तराखंड की अभी तक अपना वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया है।

एक विधायक ने कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के बजाय हिमाचल प्रदेश की नीतियों का अनुसरण करना चाहिए, क्योंकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थितियां और चुनौतियां लगभग एक जैसी ही रहती हैं। एक विधायक का दर्द इस तरह भी छलका कि अभी तक इस राज्य में यह तय नहीं हो पाया है कि आखिर उत्तराखंडी होने की परिभाषा क्या है।

एक वरिष्ठ विधायक को तो यह कहते भी सुना गया कि चर्चा के दौरान मैं अपने उत्तराखंडी होने का प्रमाण भी दे दूंगा। एक तरह से देखा जाए तो उत्तराखंड कई मामलों में उत्तर प्रदेश के रोड मैप पर ही चल रहा है। पहाड़-मैदान का मुद्दा अभी भी मुखर है। विडंबना यह कि उत्तराखंड की विधानसभा में ही, पहाड़-मैदान जैसे संवेदनशील मामले में, जहां मौका लगता है, सदस्य एक-दूसरे पर तीखी टिप्पणी करने से चूकते नहीं। गढ़वाल मंडल में हरिद्वार और कुमाऊं में ऊधमसिंह नगर भले ही भौगोलिक तौर पर मैदानी एरिया हैं, लेकिन मानसिक तौर पर अभी भी इन्हें मैदानी इलाका ही माना जाता है। इस सोच को निश्चित तौर पर बदलना होगा।

अब विकास की बात करें, तो पहाड़ों पर शिक्षा और स्वास्थ्य, ये दो मुद्दे आज भी पहाड़ की तरह खड़े हैं। निःसंदेह सरकार इन दोनों मुद्दों पर बहुत कुछ कर चुकने और भविष्य की योजनाओं का खाका खींचने का दावा भी कर रही है, लेकिन यह आम बात हो चली है कि पहाड़ पर अधिकांश स्वास्थ्य केंद्र रेफरल सेंटर बन चुके हैं। सरकार को इस मिथक को तोड़ना होगा और पहाड़ों पर स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करना ही होगा। शिक्षा की भी हालत सही नहीं कही जा सकती। चाहे वह मानसून का महीना हो या फिर शीतकाल, भौगोलिक और मौसमी परिस्थितियां ऐसी हैं कि उन्हें जान हथेली पर रखकर शिक्षा के मंदिर तक जाना होता है।

पहाड़ की महिलाओं का दर्द भी कम नहीं है। जीविका चलाने के लिए उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि जंगल में खतरनाक वन्यजीवों से भी सामना करना पड़ता है और दुर्भाग्य यह है कि अक्सर खबर आती है कि अमुक जिले के जंगल में बाघ या भालू ने महिला को मार डाला। जंगली जानवरों के फसलों को उजाड़ने के मामले तो अब आम बात हो गई है।

उत्तराखंड को विश्व का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए अभी भगीरथ प्रयास करने की जरूरत है। दरअसल, विकसित उत्तराखंड के लिए आगामी 25 साल के लिए कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएं और मुद्दे हैं, जिन पर अहम तौर पर काम करने की आवश्यकता है। इसमें सतत् विकास कार्यों के साथ प्रदेश की आर्थिकी की निरंतरता के लिए कृषि, पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार करने होंगे।

जंगलों की आग इस राज्य की बेशकीमती वन संपदा को समूल नष्ट करने पर तुली है। अतिवृष्टि, बादल फटना, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं बिन बुलाए मेहमान की तरह हर साल उत्तराखंड के दर्द को बढ़ाने के लिए आतुर रहती हैं। विकास की दौड़ में वनों और पहाड़ों का सीना चीरने से कई नई चुनौतियां जन्म ले रही हैं। उच्च हिमालय को छोड़ दें, तो पहाड़ों पर हिमपात होना अब सपना हो गया है।

जलवायु परिवर्तन का ऐसा असर हो चुका है कि पता ही नहीं चल रहा है कि मौसम सर्दी का है या गर्मी का। मानव वन्यजीवों के प्राकृतिक बसेरे में घुसपैठ कर रहा है, तो बढ़ते असंतुलन से वन्यजीव शिकार की तलाश में आबादी में पहुंच रहे हैं। राज्य गठन से लेकर अभी तक एक बहुत बड़ी समस्या मूल निवास की भी सामने है, जिसका हल भी निकालना है।

यह सुखद है कि उत्तराखंड सरकार, इन चुनौतियों का सामना करते हुए देवभूमि के स्वर्णिम स्वरूप को संरक्षित रखने के लिए हर जतन कर रही है। सतत् विकास के कार्य भी हो रहे हैं और विकसित उत्तराखंड की दिशा में गंभीरता से प्रयास चल रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उत्तराखंड विधानसभा में ऐतिहासिक अभिभाषण विधायिका को एक नई दिशा दे गया। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयासों से ही हम उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में प्रयास कर सकते हैं। चुनौतियां अभी कम नहीं हैं, इसलिए उपलब्धियों को जारी रखने के लिए सतत् विकास की मंजिल की ओर हमें सामूहिक कदमों के साथ बढ़ना होगा।

आमने

वोटरों के नाम काटने की कोशिश करने वाले भाजपा नेताओं को पेड़ से बांधकर लटका दिया जाना चाहिए। अगर कोई सचमुच वोटरों का नाम काटता है, तो फिर उसे छोड़ा नहीं जाना चाहिए।

–असीमा पात्र

तृणमूल कांग्रेस की विधायक

सामने

अगर कोई विधायक खुलेआम बीजेपी कार्यकर्ताओं को पेड़ से बांधने की धमकी देती हैं, तो क्या पश्चिम बंगाल में अब तालिबानी शासन चल रहा है? राज्य का लोकतंत्र क्या तृणमूल कांग्रेस ने चुरा लिया है?

–स्वपन पाल

बंगाल भाजपा के नेता

क्रिकेट: छोटे शहर की बेटियों का बड़ा कारनामा

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

भारतीय महिला क्रिकेट की विजयी टीम की अधिकांश खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों से हैं। उन्होंने बहुत संघर्ष के बाद अपना मुकाम बनाया है।

बीते दो नवंबर का वह ऐतिहासिक पल, जब नवी मुंबई के दर्शकों से खचाखच भरे डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार महिला विश्वकप पर कब्जा जमाया। गौर करें कि इस विजयी टीम की अधिकांश खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों से आ रही हैं। रोहतक की शेफाली वर्मा, आगरा की दीप्ति शर्मा, धर्मशाला की रेणुका सिंह, उमा चेत्री असम के, क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश के तथा श्री चरनी आंध्र प्रदेश के ग्रामीण इलाकों से संबंध रखती हैं। क्या यह संकेत है कि अब छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से भारत को बड़े खिलाड़ी मिलेंगे? जवाब है हां!

अगर भारतीय क्रिकेट के गुजरे दौर के पन्नों को खंगाले तो पता चलेगा कि हमारे देश की क्रिकेट का इतिहास हमेशा से बड़े महानगरों जैसे मुंबई, दिल्ली, बैंगलूरु, कोलकाता, चेन्नई के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। छोटे शहरों से आने वाले खिलाड़ी अपवाद थे। महिला क्रिकेट में भी यही सिलसिला चला। 1980-90 के दशक में मिताली राज (हैदराबाद) या झूलन गोस्वामी (कोलकाता के उपनगर) जैसी दिग्गजों ने रास्ता दिखाया, लेकिन टीम का कोर हमेशा बड़े शहरों से ही रहा, लेकिन 2025 विश्व कप की भारतीय टीम में परिवर्तन स्पष्ट है। 15 सदस्यीय स्क्वॉड में कम से कम 10 खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं।

उदाहरण के लिए, शेफाली वर्मा का संबंध रोहतक से है, जहां क्रिकेट अकादमियां सीमित हैं। शेफाली ने स्थानीय क्लब से शुरुआत की और 16 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया। इसी तरह, दीप्ति शर्मा आगरा से हैं, जहां क्रिकेट का सपना देखना आसान नहीं था। दीप्ति ने घर पर ही नेट प्रैक्टिस की शुरुआत की और आज वे विश्व कप की हीरो हैं।

नई पीढ़ी की ये लड़कियां और भी प्रेरणादायक हैं। उमा चेत्री, असम के सिलचर जिले के एक छोटे से गांव से, जहां बाढ़ और गरीबी आम हैं, ने विकेटकीपिंग में अपनी छाप छोड़ी। उनकी कहानी फिल्मी लगती है। स्कूल के मैदान पर गेंद पकड़ते हुए सपने बुनना, फिर राज्य स्तर पर चयन और विश्व कप फाइनल में योगदान। मध्य प्रदेश के छतरपुर से आती हैं क्रांति गौड़, जिन्होंने खेतों के बीच गेंदबाजी सीखी। वे स्पिनर हैं और विश्व कप में अपनी किफायती गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका को परेशान किया।

श्रीचरनी आंध्र प्रदेश के एक पिछड़े क्षेत्र से संबंध रखती हैं, जहां क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर न के बराबर है। ये नाम न सिर्फ टीम की ताकत हैं, बल्कि छोटे शहरों की प्रतिभाओं का प्रमाण है। ESPN क्रिकइंफो के अनुसार, भारतीय महिला टीम के 2025 स्क्वॉड में 70 प्रतिशत खिलाड़ी गैर-महानगरीय पृष्ठभूमि से हैं, जो 2017 विश्व कप स्क्वॉड (जिसमें 40 फीसदी थे) से दोगुना है।

यह बदलाव रातों-रात नहीं हुआ। कई कारक जिम्मेदार हैं। सबसे पहले, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला क्रिकेट पर बढ़ती फोकस। 2013 के बाद से, बीसीसीआई ने घरेलू टूर्नामेंट्स जैसे सीनियर महिला ट्रॉफी और सुपर लीग में छोटे राज्यों को अधिक मौके दिए। इससे झारखंड, असम, तेलंगाना जैसे राज्यों से प्रतिभाएं उभरीं। दूसरा, डिजिटल क्रांति का योगदान। यूट्यूब, इंस्टाग्राम और टिकटॉक पर कोचिंग वीडियो उपलब्ध होने से छोटे शहरों की लड़कियां घर बैठे सीख रही हैं।

उदाहरणस्वरूप, रेणुका सिंह (हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से) ने ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स से स्विंग बॉलिंग सीखी। तीसरा, सरकारी योजनाएं। 'खेलो इंडिया' और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसी पहलों ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया। असम सरकार ने उमा चेत्री जैसे खिलाड़ियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी। चौथा, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का प्रभाव। 2023 से शुरू हुई डब्ल्यूपीएल ने छोटे शहरों की लड़कियों को प्लेटफॉर्म दिया, जहां वे बड़े कोचों से सीख सकें। छोटे शहरों में सुविधाओं की कमी, जैसे अच्छे ग्राउंड, कोचिंग सेंटर या यहां तक कि सुरक्षित यात्रा अभी भी बाधा हैं। क्रांति गौड़ ने एक इंटरव्यू में कहा, "उन्हें वारंगल से हैदराबाद ट्रेन से जाना पड़ता था, लेकिन मेरे परिवार का समर्थन ही मेरी ताकत था।"

लैंगिक पूर्वाग्रह भी एक मुद्दा है। कई परिवारों में लड़कियों को क्रिकेट खेलने की अनुमति देना ही बड़ी जीत होती है। फिर भी, ये बेटियां साबित कर रही हैं कि सपने शहर की सीमा नहीं मानते। विश्व कप जीत के बाद, रोहतक में शेफाली के सम्मान समारोह में हजारों लड़कियां मैदान पर उतरीं, जो भविष्य की प्रतिभाओं का संकेत है। यह ट्रेंड सिर्फ महिला क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। पुरुष क्रिकेट में भी छोटे शहरों से खिलाड़ी आ रहे हैं, लेकिन महिलाओं में यह ज्यादा तेजी से हो रहा है, क्योंकि क्रिकेट अब लैंगिक बाधाओं को तोड़ रहा है।

इस जीत का सामाजिक प्रभाव गहरा है। छोटे शहरों की लड़कियां अब देख रही हैं कि क्रिकेट न सिर्फ खेल है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण का साधन भी। विश्व कप विजेताओं को मिलने वाले इनाम और एंडोर्समेंट डील्स से परिवारों की जिंदगी बदल रही है। उमा चेत्री की मां, जो एक स्कूल टीचर हैं, अब कहती हैं, "मेरी बेटी ने गांव का नाम रोशन किया।" यह प्रेरणा लाखों लड़कियों को क्रिकेट के मैदान की ओर धकेल रही है।

सोशल फोरम

दुनिया भर में हो रही बुजुर्ग पेड़ों की मौत

पिछले दिनों 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में एक बहुत ही ख़ूबसूरत लेख छपा। लेख बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्तों के बारे में था। वैसे बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्त- जो बहुत कद्दावर भी हों। साइंस की ज़ुबान में इन्हें एल्डरफ्लोरा और मेगाफ्लोरा कहेंगे। लेखक जेरेड फार्मर बतला रहे थे कि दुनिया में हजारों साल पुराने दरख्त मौजूद हैं, लेकिन वो धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। हमें उन्हें बचाना चाहिए। क्यों? केवल इसलिए नहीं कि वो बहुत पुराने हैं और गुजरे वक्त की एक शानदार यादगार हैं, बल्कि इसलिए भी कि उनके भीतर वैसी जेनेटिक सूचनाएं संकलित हैं, जो बेशकीमती हैं।

सुशोभित

ब्लॉगर

वे पेड़ अतीत में ऐसे अवसर पर पनपे थे, जब उनके लिए परिवेश अनुकूल था। वैसी परिस्थितियां शायद सदियों तक फिर न दोहराई जा सकें। वे अतीत और भविष्य के बीच एक पुल की तरह हैं और सबसे बड़ी बात यह कि वे अपने आसपास के इकोलॉजिकल सिस्टम को सपोर्ट करते हैं। पर्यावरणविद् मेग लोमैन ने अकारण ही वृक्षों के माध्यम से संचालित होने वाले पारिस्थितिकी-तंत्र को आठवें महाद्वीप की संज्ञा नहीं दी थी।

पेड़ बहुत मिलनसार होते हैं। यारबाश होते हैं। वे समूह में रहना पसंद करते हैं, जिन्हें हम जंगल कहते हैं, वे दरख्तों की बस्तियां हैं। कवियों और शायरों को लगता है कि पेड़ अपने पत्तों की खड़खड़ाहट से आपस में गुफ़्तगू करते हैं। हकीकत यह है कि पेड़ पत्तों नहीं जड़ों के जरिये बात करते हैं और यह सच है। पीतर वोल्लेबेन ने इसी को वुड-वाइड-वेब कहा था। जितना पुराना पेड़ होगा, उतना ही उसका कम्युनिकेशन सिस्टम पुख्ता होगा और वो अपने आसपास के नौजवान दरख्तों की बढ़त में मददगार होगा। जेरेड फार्मर इन्हें मदर-ट्री कहते हैं। ये अपने आसपास के सब्जे को पालते-पोसते हैं। आपने साल के किसी वृक्ष को अकेला नहीं देखा होगा, वो समूह में ही पनपते हैं। तनहाई में वो मर जाते हैं।

जेरेड फार्मर ने चिंता जतलाई कि बूढ़े दरख्त एक-एक कर के मर रहे हैं और किसी को फिक्र नहीं है। हाल के दिनों में दुनिया में ऐसे पूरे-पूरे जंगल जलकर खाक हो गए, जिनमें तीन हजार साल पुराने तक पेड़ थे। इनमें आग-प्रतिरोधक सेकोइआस भी शामिल थे, जो दुनिया के सबसे भीमकाय पेड़ माने जाते हैं। अकाल के दौर में फलने-फूलने वाले ग्रेट बेसिन के ब्रिस्टलकोन पाइन पेड़ भी नष्ट हो गए हैं। ये पेड़ पांच हजार साल तक जीवित रह सकते हैं।

सामयिकी

बच्चों में बढ़ रहे हैं अवसाद व खुदकुशी के मामले

हाल ही में जयपुर के एक पांच सितारा स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा ने स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई आत्महत्या कई सवाल खड़े करती है। उसकी मौत इतनी दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। घटना के बाद छात्रा की मां स्कूल आईं। उस मां ने चीत्कार के साथ कहा कि आई किल्ड माई डॉटर। आप अंदाजा लगाने की कोशिश कीजिए कि उस मां पर क्या बीत रही होगी! वह आजीवन इस आत्म ग्लानि से कैसे उबर पाएगी। वह अपनी बेटी के मन में पनपती उस पीड़ा को भी नहीं समझ पाई, जिसका अंजाम इतना दर्दनाक निकला।

अमित बैजनाथ गर्ग

वरिष्ठ पत्रकार

असल में यह घटना कई सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करती है। सबसे पहला सवाल तो यह है कि आखिर इतने छोटे बच्चे आत्महत्या जैसा बड़ा कदम क्यों उठा रहे हैं? दूसरा हम अपने बच्चों को कैसी शिक्षा व्यवस्था में ढाल रहे हैं। तीसरा सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर बच्चे मानसिक रूप से इतने कमजोर क्यों हो रहे हैं? ये सवाल आपस में एक-दूसरे से गहरे तक जुड़े हुए हैं। असल में आत्महत्या का प्रयास करने वाले अधिकांश बच्चे मानसिक स्वास्थ्य विकार और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं।

छोटे बच्चों में आत्महत्या के प्रयास अक्सर आवेगपूर्ण होते हैं। ये प्रयास उदासी, भ्रम, क्रोध या ध्यान और अति सक्रियता संबंधी समस्याओं से जुड़े हो सकते हैं। वहीं उन पर पढ़ाई और सबसे आगे रहने का दबाव भी बना हुआ है। हमारी शिक्षा प्रणाली उन पर इतना दबाव बना देती है कि वे मानसिक अवसाद में आ जाते हैं और पढ़ाई का बोझ सहन नहीं कर पाते। यह रट्टा मार शिक्षा व्यवस्था हमारे नौनिहालों के जीवन पर भारी पड़ रही है। असल में बच्चों से लेकर युवाओं तक में आत्महत्या एक गंभीर समस्या बनी हुई है। एक अनुमान के अनुसार, 15 से 24 वर्ष की आयु के बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों में आत्महत्या मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है।

किशोरों में आत्महत्या के प्रयास तनाव, आत्म-संदेह, सफलता का दबाव, वित्तीय अनिश्चितता, निराशा और नुकसान की भावनाओं से जुड़ी हो सकती है। वहीं कुछ किशोरों के लिए आत्महत्या उनकी समस्याओं का समाधान लग सकती है। आत्महत्या के विचार और प्रयास अक्सर अवसाद से जुड़े होते हैं। अवसाद के अलावा अन्य जोखिम कारक भी हैं, जैसे आत्महत्या के प्रयासों का पारिवारिक इतिहास, हिंसा के संपर्क में आना, आवेगशीलता, आक्रामक या विघटनकारी व्यवहार, हथियारों तक पहुंच, निराशा या लाचारी की भावनाएं और तीव्र हानि या अस्वीकृति।

अगर बच्चों और किशोरों की बात की जाए तो आत्महत्या के बारे में सोच रहे बच्चे और किशोर खुलेआम आत्मघाती बयान या टिप्पणियां कर सकते हैं, जैसे काश मैं मर जाता या मैं अब ज्यादा समय तक तुम्हारे लिए समस्या नहीं रहूंगा आदि। आत्महत्या से जुड़े अन्य चेतावनी संकेतों में खाने या सोने की आदतों में बदलाव। बार-बार उदासी। दोस्तों, परिवार और नियमित गतिविधियों से दूरी। शारीरिक लक्षणों के बारे में अक्सर शिकायतें होती हैं, जो अक्सर भावनाओं से संबंधित होती हैं, जैसे पेट दर्द, सिर दर्द, थकान आदि। स्कूल के काम की गुणवत्ता में गिरावट। मौत होने को लेकर चिंता आदि। आत्महत्या के बारे में सोचने वाले युवा भविष्य की योजना बनाना या उसके बारे में बात करना भी बंद कर सकते हैं। असल में अवसाद और आत्महत्या की भावनाएं मानसिक विकार हैं, जिनका इलाज संभव है। बच्चे या किशोर की बीमारी की पहचान कर उचित उपचार किया जा सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

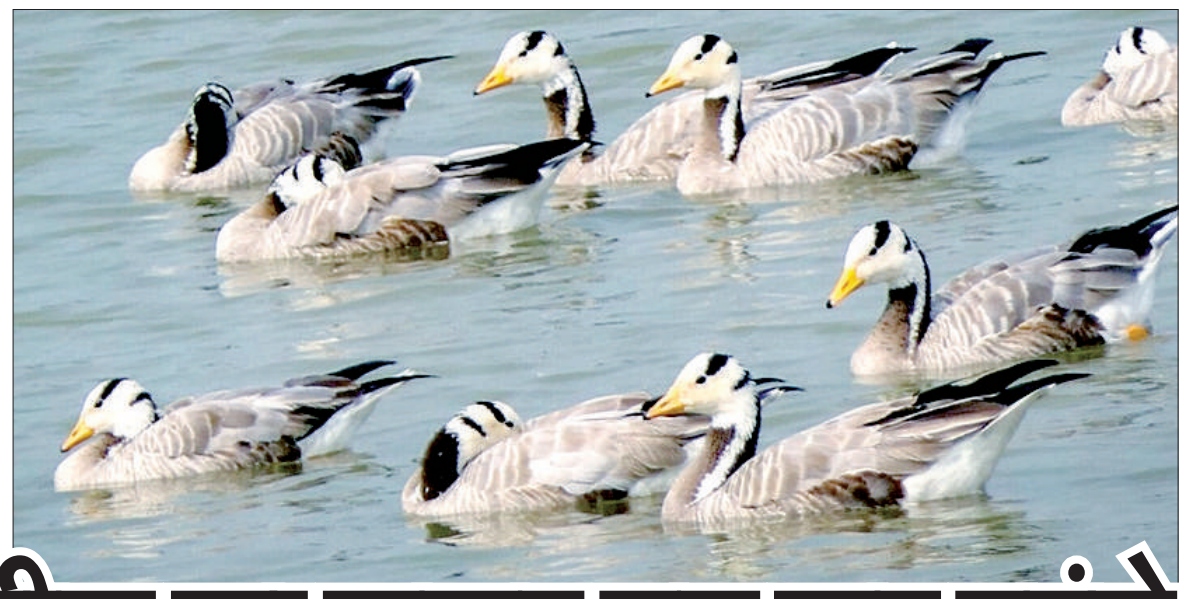

हजारों मील का सफर तय कर पहुंचे
सर्दियों के मेहमान

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के हसीन जंगल सिर्फ विदेशी पर्यटकों को ही आकर्षित नहीं कर रहें, बल्कि प्रवासी पक्षी भी अब यहां की आबो-हवा के दीवाने हो चुके हैं। हजारों मील का लंबा सफर तय कर साइबेरिया, मध्य एशिया और यूरोप में ठंड बढ़ने के साथ यह रंग-बिरंगे मेहमान (शरदकालीन प्रवासी पक्षी) तराई की गोद में बसे पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास की झीलों, नदियों और दलदली क्षेत्रों में नए बसेरे की तलाश में दस्तक दे चुके हैं। इन प्रवासी पक्षियों में कई ऐसे हैं, जिनकी खासियत हर किसी को हैरान कर देने वाली है। फिलहाल इन सभी ने अपना ठिकाना बनाने के बाद अब पानी में अठखेलियां और हवा में कलाबाजी कर लोगों में रोमांचित करना शुरू भी कर दिया है।

-सुनील यादव, पीलीभीत

ज्वेल ऑफ तराई कहे जाने वाले पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैव विविधिता के दम पर देश-दुनिया में टूरिज्म आइकॉन बनता जा रहा है। यहां के भारी-भरकम बाघों के बीच कई अन्य दुर्लभ स्तनधारी वन्यजीव भी हैं, जो शेड्यूल वन की श्रेणी में आते हैं। इन सबके बीच पिछले कुछ सालों से मेहमान परिंदों को भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व की आबो-हवा रास आने लगी है। टाइगर रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक यहां पक्षियों की 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। पक्षियों के इस अद्भुत संसार में अब दूर-दराज देशों एवं समेत देश के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में मेहमान परिंदें भी प्रवास को आने लगे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक इन प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों में धीरे-धीरे इजाफा भी हो रहा है।

प्रवासी पक्षियों पर लंबे समय से स्टडी करने वाली टरक्वाइज वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन सोसायटी के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास क्षेत्र में सात समंदर पार समेत देश के विभिन्न राज्यों से 100 के अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां प्रवास को आती हैं। यह प्रवासी पक्षी साल भर में दो बार अपनी आमद दर्ज कराते हैं। प्रवासी पक्षियों की यह आमद मानसून से पहले और मानसून के बाद होती है। पिछले माह ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों की विदाई के साथ शरदकाल में रूस, साइबेरिया, अलास्का, सेंट्रल एशिया, लद्दाख आदि से शरदकालीन प्रवासी पक्षियों के झुंड दस्तक दे चुके हैं। तकरीबन चार से पांच माह के प्रवास के बाद यह फरवरी के अंतिम दिनों में वतन वापसी शुरू कर देते हैं। इसमें बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी शामिल हैं, जो सात समंदर पार कर यहां टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत अन्य झील-पोखरों में प्रवास कर रहे हैं। जंगल से सटे इलाके में 22 किमी लंबे शारदा सागर डैम में इनकी संख्या हजारों में होती है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में मुख्य रूप से बार हेडेड गूज, ग्रे लेग गूज, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, कामन पोचार्ड, टफटेड डक, लैपविंग, चैट, फ्लाईकेचर, कॉमन सैंडपाइपर, मालार्ड, नार्दन पिनटेल आदि प्रमुख शरदकालीन प्रवासी हैं। इसमें वल्चर, ईगल व चैट आदि कुछ दुर्लभ प्रजाति के प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। सोसायटी अध्यक्ष अख्तर मियां खान के मुताबिक शरदकालीन प्रवासी पक्षी संबंधित देशों में बर्फवारी और जलजमाव के चलते यहां अनुकूलन के लिए आते हैं। यहां इनको बेहतर हैवीवेट और खासा भोजन भी मिल जाता है। इन प्रवासी पक्षियों के अवैध शिकार पर रोकथाम समेत इनकी सुरक्षा को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने शारदा सागर डैम समेत झीलों और अन्य जलाशयों की निगरानी बढ़ा दी है। सोसायटी के मुताबिक ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों के मुकाबले सर्दी में आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या पीलीभीत टाइगर रिजर्व में ज्यादा होती है। इनमें कुछ प्रवासी पक्षी ऐसे होते हैं, जिनकी खासियत को जानकर एक बारगी हर कोई हैरान रह जाएगा।

प्रवासी चिड़ियों की खासियत

- **बार हेडेड गूज-** यह प्रजाति रूस, कजाकिस्तान, मंगोलिया आदि जगहों से एक लंबा सफर तय करके हिमालय की 27 से 29 हजार फीट तक ऊंची चोटियों के ऊपर से उड़कर भारत में आते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक ये दुनिया के सबसे अधिक ऊंचाई पर उड़ने वाले पक्षी हैं। प्रवास से पहले हेडेड गूज काफी अधिक भोजन करके अपने शरीर में काफी वसा जमा कर लेते हैं, जो इन्हें लंबा सफर तय करने में खासी मदद करता है।
- **ग्रे लेग गूज-** यह प्रवासी पक्षी हिमालय पर तेज बर्फवारी के बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत बड़े जलाशयों में देखी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्रे लेग गूज घंटों बिना रुके आसमान में उड़ने की महारथ रखती है। धब्बेदार भूरे व सफेद पंखों, नारंगी चोंच और गुलाबी पैरों वाला यह प्रवासी पक्षी तापमान बढ़ने के साथ ही अपने पारंपरिक प्रवास के रास्ते से वतन वापसी करता है।
- **कॉमन पोचार्ड-** यूरोपीय देशों की स्थाई निवासी कॉमन पोचार्ड के झुंड यहां की झीलों और दलदली क्षेत्रों में बसेरा बना चुके हैं। अपने प्रवास के दौरान ये एक बड़े समूह में उड़कर आते हैं। प्रवास के दौरान जब इन्हें कोई डर महसूस होता है, तो ये तेजी से पानी पर दौड़कर उड़ान भरते हैं। भोजन की तलाश में यह पानी के अंदर दो मीटर गहराई तक चले जाते हैं।
- **फ्लाई कैचर-** शरीर से लंबी पूंछ और बेहद आर्कषक सा दिखने वाले पैराडाइज फ्लाई कैचर सर्दियों में श्रीलंका, तुर्किस्तान, मलेशिया आदि से यहां आते हैं। टाइगर रिजर्व के घने जंगलों में दस्तक देने वाले फ्लाई कैचर के शिकार का अंदाज भी कुछ खास है। ये हवा में नीचे की ओर उड़कर छोटे-छोटे कीट पतंगे, मक्खियों, तितलियां आदि कीड़ों का शिकार करते हैं। फ्लाई कैचर की सुंदरता पक्षी प्रेमियों को खासा आकर्षिक करती हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अभिलेखित पक्षी प्रजातियों में करीब 100 के आसपास प्रवासी पक्षी प्रजातियां हैं। यह संख्या हमें याद दिलाती है कि यह क्षेत्र न केवल बाघों का घर है, बल्कि हमारे पंखों वाले मेहमानों के लिए भी एक अहम ठिकाना है। हमें मिलकर सुनिश्चित करना चाहिए कि ये प्रवासी पक्षी जो दूर-दूर से आते हैं, उन्हें सुरक्षित आवास और शांति मिल सके। ताकि उनकी वार्षिक यात्राएं सदा चलती रहें।

- अख्तर मियां खान, अध्यक्ष, टरक्वाइज वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसायटी

पीटीआर में वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में बेहतर प्रयास किए जाने से सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। वन्यजीवों के साथ पक्षी प्रजातियों में भी बढ़ोतरी हुई हैं। इनमें माइग्रेटरी वर्डस भी शामिल हैं, जो हर साल ही बड़ी तादाद में यहां पहुंचती हैं। वन्यजीवों के साथ-साथ इनकी सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। माइग्रेटरी वर्डस की मौजूदगी पीटीआर और पर्यावरण दोनों के लिहाज से शुभ संकेत है।

- मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला आश्चर्यजनक ग्रह

एक ऐसा ग्रह है, जो सूर्य के आवेशित उच्च ऊर्जावान कण यानी हाई चार्ज पार्टिकल में घिरा रहता है। अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला यह ग्रह हमारे सौर मंडल के बाहर है, जो किसी भी तारे के गुरुत्वाकर्षण में बंधा हुआ नहीं है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस ग्रह की जानकारियों का खुलासा किया है। पृथ्वी के सिर्फ ध्रुवों पर अक्सर सूर्य के आवेशित कणों से रंग-बिरंगी रोशनी से आसमान नहाया हुआ नजर आता है, मगर खोजे गए नए इस ग्रह के चारों ओर रंग-बिरंगे ऑरोरा नजर आते हैं। इस ग्रह का नाम सिम्प -0136 रखा गया है।

यह हमारे सौर मंडल के ग्रह बृहस्पति से भी बड़ा है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से आश्चर्यजनक कर देने वाले अनोखे ग्रह की खोज हुई। आयरलैंड के ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन के वैज्ञानिकों ने इसे खोजा। यह ग्रह हमसे 20 प्रकाश वर्ष दूर है। इसके व्यवहार को देख वैज्ञानिकों ने इस ग्रह को दुष्ट प्रकृति का ग्रह माना है। खगोलविदों ने पहली बार वर्ष 2018 में सिंप- 0136 को देखा था। गहन अध्ययन के बाद इसके ग्रह होने की पुष्टि हुई है, क्योंकि इसका किसी तारे से संबंध नहीं होने के कारण इसकी पहचान नहीं हो पा रही थी, मगर जेम्स वेब टेलीस्कोप के जरिए इसकी पुष्टि संभव हो सकी है। यह दुष्ट ग्रह बृहस्पति की तुलना में लगभग 13 गुणा अधिक विशाल है। यह बहुत गर्म ग्रह है, जिसका तापमान 1500 डिग्री सेल्सियस है। इस ग्रह के खोज का श्रेय डॉ. एवर्ट को जाता है, जिनका कहना है कि यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्ध्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरोरा बनते रहते हैं। यह अजूबा ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस तरह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक चुंबकीय घेरे वाले अन्य ग्रहों की खोज कर पाना आसान हो जाएगा।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

हैरान कर देने वाला है ग्रह

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि वास्तव में यह हैरान करने वाली खोज है। अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला भी कोई ग्रह हो सकता है, इसका पहले कभी किसी को कोई अहसास नहीं था। इस तरह के कुछ और ग्रह भी हो सकते हैं। अब अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाले अन्य ग्रहों की खोज भी होने लगेगी।

रोचक किस्सा

जोस डेलगाडो

मैड्रिड विश्वविद्यालय के स्नातक जोस डेलगाडो को येल विश्वविद्यालय में भले ही एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर का पद मिला हो, लेकिन इस प्रतिष्ठित संस्थान के शरीर विज्ञान विभाग में उनका शोध बेहद अजीब था, क्योंकि यह कुल मिलाकर मन पर नियंत्रण से संबंधित था। 1950 और 60 के दशक में येल में रहते हुए, डेलगाडो ने प्राइमेट्स के मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड इम्प्लांट लगाए और एक रिमोट कंट्रोल का इस्तेमाल करके रेडियो फ्रीक्वेंसी जारी की, जिससे जानवर जटिल गतिविधियां कर पाए। बाद में, उन्होंने एक बैल के मस्तिष्क में एक इम्प्लांट लगाया और उस जानवर के साथ रिंग में उतरे और अपने ट्रांसमीटर का इस्तेमाल करके, उसे चार्ज होने से पहले ही रोक दिया। शायद सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह थी कि डेलगाडो ने कम से कम 25 लोगों को तार से जोड़ा था। व्यवहारिक रूप से उनके उपकरण का असर सिर्फ लोगों की आक्रामकता पर था, लेकिन वे मन पर नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे थे। एक बार उन्होंने डरावने अंदाज में कहा था, "हमें मस्तिष्क को इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित करना होगा। किसी दिन सेनाओं और जनरलों को मस्तिष्क के विद्युतीय उत्तेजना से नियंत्रित किया जाएगा।"

प्राकृतिक अग्निरोधी है डीएनए

वैज्ञानिक फैक्ट

डीएनए को आमतौर पर जीवों में आनुवंशिक जानकारी के वाहक के रूप में जाना जाता है, लेकिन हाल के एक शोध ने इसकी एक बेहद दिलचस्प क्षमता का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के अनुसार डीएनए में अग्निरोधी गुण पाए जाते हैं। जब सूती कपड़ों पर डीएनए की कोटिंग की जाती है, तो वे तेजी से आग पकड़ने के बजाय आग को रोकने का काम करते हैं।

आग रोधी होने का मुख्य कारण डीएनए की रासायनिक संरचना है। इसमें मौजूद फॉस्फेट गर्म होने पर फॉस्फोरिक अम्ल बनाता है, जो कपड़े की सतह पर एक सुरक्षात्मक परत तैयार कर देता है। यह परत आग और ऑक्सीजन के संपर्क को कम कर देती है, जिससे कपड़ा जलने से बच जाता है। वहीं नाइट्रोजन तत्व गर्म होकर अमोनिया गैस बनाता है, जो दहन प्रक्रिया को बाधित करता है और लौ को फैलने नहीं देता। चूंकि डीएनए प्राकृतिक रूप से प्राप्त होने वाला और पर्यावरण के लिए सुरक्षित पदार्थ है, इसलिए इसे एक इकोफ्रेंडली अग्निरोधक विकल्प माना जा रहा है। भविष्य में इस तकनीक का उपयोग कपड़ों, सुरक्षा उपकरणों और घरेलू वस्तुओं को अधिक सुरक्षित बनाने में किया जा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,311.01	25,509.70
गिरावट	148.14	87.95
प्रतिशत में	0.18	0.34

सोना 1,24,700
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,300
प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

गोदरेज का लाभ 21% बढ़कर 403 करोड़

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 21% बढ़कर 402.99 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 2024-25 की सितंबर तिमाही में 333.79 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया था। 2025-26 की सितंबर तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 1,950.05 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वर्ष 1,346.54 करोड़ रुपये थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 64% बढ़कर 8,505 करोड़ रुपये हो गई।

आर्सेलरमित्तल का लाभ 31% बढ़ा

नई दिल्ली। इस्पात एवं खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आर्सेलरमित्तल का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 31.35% बढ़कर 37.7 करोड़ डॉलर हो गया। कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 28.7 करोड़ डॉलर का लाभ कमाया था। कंपनी जनवरी-दिसंबर वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। सितंबर तिमाही में कंपनी की बिक्री 3% बढ़कर 1,565.7 करोड़ डॉलर हो गई, जो गत वित्त वर्ष की तिमाही में 1519.6 करोड़ डॉलर थी। आर्सेलरमित्तल के सीईओ आदित्य मित्तल ने कहा, बाजार की परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं और शुल्क से जुड़ी बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं, लेकिन हमें स्थिरता के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

टेनेको क्लीन का आईपीओ 12 को

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित टेनेको समूह की कंपनी टेनेको क्लीन एयर इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अभिदान के लिए 12 नवंबर को खुलेगा। कंपनी का लक्ष्य 3,600 करोड़ जुटाने का है। दस्तावेजों के अनुसार, यह पूरी तरह प्रवर्तक टेनेको मॉरीशस होल्डिंग्स लिमिटेड की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर है। इसमें कोई नए शेयर जारी नहीं किए जाएंगे। इसलिए कंपनी को आईपीओ से कोई आय प्राप्त नहीं होगी तथा जुटाई गई सारी धनराशि सीधे विक्रयकर्ता शेयरधारक को जाएगी। इस आईपीओ का मकसद केवल सूचीबद्ध होने से मिलने वाले लाभ हासिल करना है।

देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत : वित्तमंत्री

सीतारमण ने वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का किया आग्रह

- **12वें एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स सम्मेलन को केंद्रीय मंत्री ने किया संबोधित**

मुंबई, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और बैंकों के साथ बातचीत जारी है। सीतारमण ने 12वें 'एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स' सम्मेलन में वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का आग्रह किया।

उन्होंने भरोसा जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से मांग बढ़ेगी और इससे कुल मिलाकर निवेश बढ़ेगा। उन्होंने कहा, देश को कई बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है... । सरकार इस पर विचार कर रही है और काम शुरू हो चुका है। हम आरबीआई और बैंकों के साथ इस पर चर्चा कर रहे है। सरकार का मुख्य जोर बुनियादी ढांचे के निर्माण पर है और पिछले दशक में पूंजीगत व्यय में पांच गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2014 से व्यापार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधारों को आगे बढ़ाया है।

12वें एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 में शामिल केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और एसबीआई अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी।

सीतारमण ने कहा कि सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की और पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी की अगुवाई में वृद्धि पर जोर दे रही है। डेटा (इंटरनेट) की लागत आज कम होकर 10 रुपये प्रति जीबी पर आ गयी है जो 2014 में 300 रुपये प्रति जीबी थी।

शाखा कर्मचारी जानें स्थानीय भाषा

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों से आग्रह किया कि वे ग्राहकों से जुड़ाव बढ़ाने को शाखा कर्मचारियों के लिए स्थानीय भाषा की जानकारी सुनिश्चित करें। ग्राहकों से जुड़ाव कम होने से क्रेडिट सूचना कंपनियों पर निर्भरता बढ़ गई है। ये कंपनियां आंकड़े अद्यतन करने में लंबा समय लेती हैं, जिससे ग्राहकों को कर्ज देने से मना कर दिया जाता है। स्थानीय भाषा न बोलने पर बैंक अधिकारियों के राजनीतिक दलों के गुस्से का सामना करने की कई घटनाओं के बाद उन्होंने यह बात कही है। मंत्री ने नियुक्ति और मानव संसाधन नीतियों में बदलाव की भी वकालत की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्थानीय भाषा बोलने वाले लोगों की भर्ती की जाए और उनका बेहतर मूल्यांकन भी हो। सीतारमण ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए भर्ती करें कि शाखा में तैनात प्रत्येक कर्मचारी अपने ग्राहक को समझे और स्थानीय भाषा बोले। अगर शीर्ष प्रबंधन नहीं बोलता है, तो शाखा स्तर के अधिकारी को बोलना चाहिए। मैं स्थानीय भाषा में उनकी दक्षता के आधार पर उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन करने पर जोर दूंगी। सीतारमण ने कहा कि जिस एकमात्र आलोचना का वह बचाव नहीं कर सकतीं, वह है विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न मातृभाषाओं के लोगों को नियुक्त न करने की नीति। उन्होंने यह याद दिलाया कि किसी बैंक के लिए अपना व्यवसाय चलाने के लिए स्थानीय ग्राहक आवश्यक है।

प्रतिस्पर्धा, भारी बारिश से सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर पांच माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **अक्टूबर में घटकर 58.9 पर आया जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है**

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर प्रतिस्पर्धी दबाव और भारी बारिश से अक्टूबर में पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। गुरुवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक सितंबर के 60.9 से अक्टूबर में 58.9 पर आ गया। यह मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। इस नरमी के बावजूद, अक्टूबर माह का सेवा पीएमआई सूचकांक 50 के तटस्थ स्तर तथा 54.3 के अपने दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर रहा। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों में विस्तार और 50 से कम का आशय संकुचन से है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अक्टूबर में घटकर 58.9 पर आ गई जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा 400 कंपनियों की समिति से संकलित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई के अनुसार, मांग में तेजी तथा जीएसटी राहत जैसे कारकों से परिचालन स्थितियों में सुधार हुआ।

जल्द लाएंगे टिकाऊ विमानन ईंधन नीतिः नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नागर विमानन मंत्री बोले- कच्चे तेल के आयात को कम करने और हरित रोजगार सृजित में मिलेगी मदद**

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को कहा कि सरकार बहुत जल्द ही सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) पर एक नीति लेकर आएगी। इससे कच्चे तेल के आयात को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और अधिक हरित रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में नागर विमानन मंत्रालय और उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित 'भारत सतत विमानन ईंधन शिखर सम्मेलन' 2025 में मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एसएएफ (सतत विमानन ईंधन) को अपनाने के लिए अधिक नवाचार, निवेश एवं सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। भारत का लक्ष्य 2027 तक विमान ईंधन में एसएएफ का 1%, 2028 तक 2% तथा 2030 तक 5% मिश्रण करना है। एसएएफ का उपयोग विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) में 'ड्रॉप-इन' ईंधन के रूप में किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि तेल कंपनियों के अलावा निजी कंपनियों को भी एसएएफ उत्पादन में शामिल होना चाहिए। वैश्विक स्तर पर 2040 तक एसएएफ की जरुरत 18.3 करोड़ टन होने का अनुमान है।

नायडू ने कहा कि कच्चे माल से लेकर ईंधन तक, किसानों से लेकर विमान चालकों तक तथा तलने से लेकर उड़ान भरने तक... वास्तव में किसने सोचा होगा कि समोसे तलने वाले भी इस वैश्विक विमानन आंदोलन में हिस्सा ले सकते हैं। भारत में 75 करोड़ टन से अधिक बायोमास उपलब्ध है और 21.3 करोड़ टन अधिशेष कृषि अवशेष है।

नायडू ने कहा कि सरकार बहुत जल्द एसएएफ नीति लेकर आएगी। कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अलावा, एसएएफ किसानों की आय में 10-15% की वृद्धि करके उन्हें सशक्त बना सकता है। एसएएफ उत्पादन हमारे कच्चे तेल के आयात को हर साल पांच से सात अरब डॉलर तक कम करने के साथ मूल्य श्रृंखला में 10 लाख से अधिक हरित रोजगार सृजित करने में भी मदद कर सकता है। वैश्विक एसएएफ वर्तमान में बहुत कम है।

मंत्री ने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। घरेलू विमान कंपनियों ने 1,700 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं।

सेबी मूल्यांकन संबंधी चिंताओं पर हस्तक्षेप नहीं करेगा : पांडेय

मुंबई, एजेंसी

सेबी प्रमुख बोले- बाजार अवसरों के आधार पर मूल्य तय करने को स्वतंत्र

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर उत्पन्न चिंताओं के बीच भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने स्पष्ट किया कि पूंजी बाजार नियामक इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

पांडेय ने गुरुवार को कहा, हम मूल्यांकन का निर्धारण नहीं करते। यह निवेशक के आकलन पर निर्भर करता है। लेंसकार्ट के 7,200 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की कीमत बहुत अधिक रखे जाने पर चिंता जताने के कुछ दिन बाद पांडेय ने स्पष्ट किया कि सेबी इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। बाजार अवसरों के आधार पर मूल्य निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र है। अतीत में भी, कई हितधारकों द्वारा मूल्यांकन संबंधी चिंताएं उठाई गई हैं। खासकर से नए युग या डिजिटल कंपनियों जैसे नाइका या पेटीएम के आईपीओ के मामले में। इस बीच, एक्सीलेंस इनेबलर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पांडेय ने कंपनियों से कहा कि उन्हें पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रबंधन (ईएसजी) प्रतिबद्धताओं के प्रति अधिक प्रामाणिक होना चाहिए। उन्होंने कहा, ईएसजी प्रामाणिक होना चाहिए, न कि ब्रांडिंग अभ्यास। पांडेय ने कहा कि इसे मापने योग्य परिणामों से जोड़ा जाना चाहिए, स्वतंत्र आश्वासन के अधीन होना चाहिए और वास्तविक बोर्ड निरीक्षण में निहित होना चाहिए। यह स्पष्ट करते हुए कि ईएसजी अब वैकल्पिक नहीं है, पांडेय ने कहा कि व्यवसाय को विनियमों को लाभ में बदलना होगा न कि एक दायित्व में, जिसका अनुपालन किया जाना आवश्यक है। पांडेय ने यह भी कहा कि कंपनियों के निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधन को साइबर जोखिम, व्यवहार विज्ञान, डेटा नैतिकता और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी क्षमता को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के बाजार की जटिलता औपचारिक निरीक्षण की नहीं, बल्कि सूचित निर्णय की मांग करती है।

आईपीओ में भागीदारी बढ़ाने को उठाया कदम

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने आईपीओ में एंकर निवेशकों के लिए शेयर-आवंटन ढांचे में सुधार करते हुए नियमों में संशोधन किया है। इसका उद्देश्य म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों और पेंशन कोष जैसे घरेलू निवेशकों की भागीदारी को व्यापक बनाना है। नियामक ने एंकर हिस्से में आरक्षित कोटा को बढ़ाकर 40% कर दिया है, जो 33 था। इसमें म्यूचुअल फंड के लिए 33और बीमा कंपनियों तथा पेंशन कोष के लिए शेष 7% है। सेबी ने 31 अक्टूबर की अधिसूचना में कहा कि यदि बीमा कंपनियों और पेंशन कोष के लिए आरक्षित 7% हिस्से को अभिदान नहीं मिलता है, तो उसे म्यूचुअल फंड को आवंटित कर दिया जाएगा।

राष्ट्रीय

लालू एंड कंपनी सत्ता में आई तो बनाएगी घुसपैठिए घुसाओ बोर्ड : गृहमंत्री

अमित शाह बोले- यह विधानसभा चुनाव घुसपैठियों से राज्य को मुक्त करने का है

बेतिया/मोतिहारी (बिहार), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए देश की नौकरियां छीनते और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। शाह ने कहा कि यह चुनाव राज्य को घुसपैठियों से मुक्त कराने का है।

बिहार संग्राम

प. चंपारण और मोतिहारी जिले में चुनावी सभाओं में शाह ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासनकाल में नरसंहार और दुष्कर्म की घटनाएं आम थीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में बाहुबली के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मखाना बोर्ड की स्थापना की, लेकिन अगर लालू एंड कंपनी सत्ता में आई तो 'घुसपैठिए घुसाओ बोर्ड' बना दिया जाएगा।

शाह ने दावा किया कि केवल नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी ही बिहार में जंगलराज को लौटने से रोक सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद और राहुल गांधी बिहार में घुसपैठियों का रास्ता साफ करने की कोशिश कर रहे हैं। महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर ठगबंधन सत्ता में आया तो चंपारण मिनी चंबल में बदल जाएगा। शाह ने कहा कि बिहार ने कभी इंदिरा गांधी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और आपातकाल का विरोध किया था, लेकिन अब कांग्रेस राजद के साथ मिलकर राज्य में शासन करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि राजग सरकार के बरकरार रहने पर चंपारण में एक नया हवाई अड्डा बनाया जाएगा, क्षेत्र की सभी बंद चीनी मिलों को सहकारिता मॉडल के तहत फिर से चालू किया जाएगा और थारू समुदाय के लिए विशेष योजनाएं शुरू की जाएंगी। शाह ने यह भी घोषणा की कि मोतिहारी में एक नया मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा और अरेराज स्थित बाबा सोमेश्वरनाथ मंदिर का 100 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कराया जाएगा।

भाजपा कर रही चुनाव चोरी की कोशिश : राहुल

पूर्णिया/अररिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर बिहार चुनाव चोरी करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि प्रदेश के युवाओं और 'जेन जेड' को इसे रोकने के लिए मुस्तैद रहना होगा। उन्होंने पूर्णिया और अररिया में चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी पर नफरत बांटने का आरोप लगाया और दावा किया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह ने देश में जंगल राज लागू कर रखा है। कांग्रेस नेता ने पूर्णिया की सभा में कहा, हमने ऐसा सबूत दिया कि भाजपा और निर्वाचन आयोग उसका कोई जवाब नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया, भाजपा ने हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ का चुनाव चोरी किया, लोकसभा का चुनाव चोरी किया। अब ये बिहार का चुनाव चोरी करने की कोशिश कर रहे हैं, इन लोगों ने महागठबंधन के मतदाताओं के नाम काटे हैं और फर्जी लोगों के नाम जोड़े हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, बिहार के युवाओं और जेन जेड की जिम्मेदारी है कि संविधान को बचाएं।

मोदी निष्पक्ष चुनाव कराएं, देखते हैं कि कौन जीतता : प्रियंका गांधी

मोतिहारी/सीतामढ़ी/मधुबनी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) हरियाणा की तरह बिहार में भी चुनाव चोरी करने की तैयारी में है। उन्होंने पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी और मधुबनी जिलों में चुनावी सभाओं में दावा किया कि निर्वाचन आयोग संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने के लिए सरकार के साथ काम कर रहा है। प्रियंका ने राहुल गांधी के हरियाणा में कथित वोट चोरी का हवाला देते हुए कहा, जिस तरह राजग ने हरियाणा में पूरा चुनाव चुरा लिया, उसी बिहार में भी 65 लाख वोटों को नामावली से हटाकर ऐसा ही करने की तैयारी में हैं। प्रियंका ने जनता का आह्वान किया, आप बिहार में एक ऐसी सरकार बनाइए, जो महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीबों के लिए काम करे- वोट चोरी न करे। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो निर्वाचन आयुक्तों एसएस सिंधू और विवेक जोशी का उल्लेख करते हुए दावा किया, ये तीन लोग आपके अधिकार छीन रहे हैं। इनको पद और आयोग के पीछे छिपने मत दीजिए। कांग्रेस महासचिव ने कहा, जो लोग देश के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, उन्हें देश भूलेगा नहीं। मोदी को मैं चुनौती देती हूं कि वो निष्पक्ष चुनाव कराएं। देखते हैं कि कौन जीतता है?

रोटी को पलटना जरूरी, वरना जल जाएगी : लालू यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने गुरुवार को बिहार के लोगों से सरकार बदलने की अपील करते हुए कहा कि जैसे तवे पर रोटी को पलटते रहना जरूरी होता है, वरना वह जल जाती है, ठीक उसी तरह शासन में भी परिवर्तन आवश्यक है। राजद प्रमुख ने अपनी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी तथा पुत्र और महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के साथ मतदान किया। मतदान के बाद लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि रोटी को तवे पर पलटना जरूरी होता है, नहीं तो वह जल जाती है। 20 साल बहुत हो गए! अब नए बिहार के निर्माण के लिए तेजस्वी की सरकार जरूरी है। लालू प्रसाद का यह वक्तव्य बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दिन आया, जिसमें उन्होंने जनता से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को बदलने की अपील की।

देश में वायु प्रदूषण रोकने को न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी

- **देश में वायु प्रदूषण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका**
- **दिल्ली में 22 लाख बच्चों के फेफड़े खराब होने का दावा**

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के अनुरोध के साथ स्वास्थ्य विशेषज्ञ की ओर से उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में दिल्ली में 22 लाख बच्चों के फेफड़े खराब होने का दावा किया गया है।

याचिका में बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर से निपटने के लिए निरंतर और प्रणालीगत विफलता को दूर करने के लिए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है। याचिका समग्र स्वास्थ्य विशेषज्ञ ल्यूक क्रिस्टोफर कोटिन्हो की ओर से दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), कई केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग के साथ दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र की राज्य सरकारों को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया कि मौजूदा वायु प्रदूषण संकट जन स्वास्थ्य आपात स्थिति के स्तर पर पहुंच गया है जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिका में वायु प्रदूषण को राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित करने और समयबद्ध राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार करने का अनुरोध किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) को 2019 में 2024 तक पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में 20-30% की कमी के लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था जिसे 2026 तक 40% बढ़ाया गया, पर यह अपने सामान्य उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पाया है।

फर्जी दस्तावेज मामले में पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ चल रहे उस मामले को रद्द करने की मांग की थी, जो पासपोर्ट बनवाने के लिए नकली दस्तावेज़ों के इस्तेमाल से जुड़ा है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 23 जुलाई के आदेश में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया। हाईकोर्ट ने रामपुर में दर्ज मामले की कार्यवाही रद्द करने का अनुरोध करने वाली खान की अर्जी खारिज कर दी थी और निचली अदालत को कानून के अनुसार मुकदमा चलाने का निर्देश दिया था। उत्तर प्रदेश का पक्ष रखने के लिए पीठ के समक्ष पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि मामले की पड़ताल पूरी हो चुकी है और अब दलीलें सुनने की तारीख तय की गई हैं। पीठ ने खान का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा, निचली अदालत को इसपर फैसला करने दीजिए। सुनवाई अदालत पर भरोसा रखें। उसको ही इसका फैसला करने दीजिए। इस चरण में हमें इसमें हस्तक्षेप क्यों करना चाहिए। पीठ ने कहा कि सुनवाई अदालत उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश से प्रभावित हुए बिना सभी मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होगी।

दिल्ली दंगा : आरोपी ने न्यायालय से कहा- प्रदर्शन करना, उनमें भाग लेना आपराधिक मामला नहीं

दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में आरोपी शादाब अहमद ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि विरोध प्रदर्शन करना और उनमें भाग लेना कोई आपराधिक कृत्य नहीं है। अहमद के अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने भी न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष अहमद की ओर से देरी के अभियोजन पक्ष के दावे का खंडन किया। लूथरा ने कहा कि वह 27 साल का है और 2016 से एनडीएस एंटरप्राइजेज जगतपुरी में सुपरवाइजर है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 11 नवंबर के लिए तय कर दी, जब दिल्ली पुलिस दलीलें शुरू करेगी।

फिल्म 'हक' पर रोक से इन्कार, शाह बानो की बेटी की याचिका रद्द

इंदौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने इंदौर की शाह बानो बेगम की बेटी की उस याचिका को रद्द कर दिया, जिसमें फिल्म 'हक' पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है और किसी की निजता या प्रतिष्ठा का अधिकार उसके जीवनकाल के बाद समाप्त हो जाता है। अदालत के इस फैसले के साथ ही 7 नवंबर (शुक्रवार) को फिल्म के प्रदर्शित होने का रास्ता साफ हो गया है। फिल्म 'हक' में यामी गौतम धर और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सतपाल व राजिंदर ने राज्यसभा के सदस्यों के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी

सतपाल शर्मा

राजिंदर गुप्ता

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों राजिंदर गुप्ता और सतपाल शर्मा को शपथ दिलाई। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता गुप्ता पंजाब से निर्वाचित हुए हैं। भाजपा नेता शर्मा जम्मू-कश्मीर से चुने गए हैं।

गुप्ता ने संसद भवन में आयोजित समारोह में पंजाबी में जबकि शर्मा ने हिंदी में शपथ ली। उद्योगपति गुप्ता पंजाब में सत्तारूढ़ 'आप' के टिकट पर जीते हैं। शर्मा भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष हैं। वह पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और इससे पहले जम्मू-कश्मीर सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। शर्मा 2014 में जम्मू पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा सदस्य चुने गए थे। शपथ ग्रहण पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह आदि मौजूद थे। दोनों सांसदों के परिवार भी उपस्थित थे।

अनिल अंबानी को ईडी ने 14 को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में अगले सप्ताह फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। 66 वर्षीय उद्योगपति को 14 नवंबर को बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है।

मामला रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) द्वारा एसबीआई से 2,929 करोड़ की ऋण धोखाधड़ी से संबंधित है। ईडी ने अगस्त में अंबानी से 10 घंटे पूछताछ की थी। यह जांच सीबीआई की 21 अगस्त को दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका के डिकिंसन कॉलेज को पूर्व छात्र ने दो करोड़ डॉलर दान किया

हैरिसबर्ग। अमेरिका में पेंसिल्वेनिया के कार्लिस्ले स्थित डिकिंसन कॉलेज को उसके पूर्व छात्र सैमुअल जी. रोज़ ने क्षेत्र के मूलनिवासियों के इतिहास और संस्कृति पर केंद्रित एक कला एवं शिक्षा केंद्र विकसित करने के लिए 2 करोड़ डॉलर दान किया है। डिकिन्सन कॉलेज के 242 साल के इतिहास में यह सबसे बड़ा दान है। इसके साथ ही रोज की ओर से दिया गया अब कुल दान 10 करोड़ डॉलर हो गया है। इस दान से निवासियों के भविष्य के लिए जिम थॉर्प केंद्र का निर्माण किया जाएगा। शिक्षा एवं कला केंद्र में रोज के नाम से एक गैलरी होगी, जिसमें आदिवासी संस्कृति और कला का प्रदर्शन होगा। यह गैलरी कॉलेज के कला संग्रह को और समृद्ध करेगी तथा उसके शैक्षणिक कार्यक्रमों को बेहतर बनाएगी।

दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने बुधवार को मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' में कहा, मैं नहीं जा रहा हूं। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 की बैठक है। दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में ही नहीं होना चाहिए क्योंकि वहां जो हुआ है वह बहुत बुरा है। मैंने उन्हें बता दिया है कि मैं नहीं आ रहा हूं। मैं वहां अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं करने वाला। दक्षिण अफ्रीका ने एक दिसंबर 2024 को एक साल के लिए जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की थी और वह 22 और 23 नवंबर को जोहानिसबर्ग में समूह के नेताओं की शिखर बैठक की मेज़बानी करेगा। यह पहली बार है जब जी-20 शिखर सम्मेलन अफ्रीकी धरती पर आयोजित किया जाएगा।

बांग्लादेशी कलाकारों ने 18 साल बाद पाकिस्तान के कराची में प्रस्तुति दी

कराची। बांग्लादेशी कलाकारों की 18 साल बाद पाकिस्तान में प्रस्तुति ने दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। ये कलाकार कराची कला परिषद में आयोजित विश्व सांस्कृतिक महोत्सव में भाग ले रहे हैं। बांग्लादेशी दल में कई कलाकार हैं, जिनमें कुछ हिंदू कलाकार भी हैं। बुधवार रात शिरीन जवाद की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 'बांग्लादेश आर्ट वीक' की संस्थापक निहारिका मुमताज कर रही हैं। उन्होंने कहा, लगभग 18 साल बाद पाकिस्तान में बांग्लादेशी कलाकारों के लिए यह अवसर हमारी सांस्कृतिक विविधता को यहां के लोगों के सामने प्रस्तुत करने का शानदार मौका है।

दक्षिण कोरिया को विदेशी दुल्हनें पसंद 71% पुरुषों ने की दूसरे देशों में शादी

- हर साल बढ़ रहा है आंकड़ा, 18% महिलाओं ने भी तलाशे विदेशी पति

सियोल। दक्षिण कोरिया में बहुसांस्कृतिक विवाहों की संख्या लगातार तीसरे वर्ष बढ़ी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से दक्षिण कोरियाई पुरुषों और विदेशी दुल्हनों के बीच होने वाले विवाहों की वजह से दर्ज की गई है।

आंकड़ों के अनुसार 2024 में दक्षिण कोरिया और विदेशी नागरिकों के बीच 21,450 विवाह हुए। यह संख्या 2023 की तुलना में पांच फीसदी अधिक है। दक्षिण कोरियाई पुरुषों का विदेशी महिलाओं से शादी करने का प्रतिशत 71.2 रहा, जबकि विदेशी पुरुषों से दक्षिण कोरियाई महिलाओं के बीच हुए विवाह का प्रतिशत 18.2 प्रतिशत रहा। इसके अलावा, 10.6 प्रतिशत विवाह ऐसे थे, जिनमें जीवनसाथी पहले किसी दूसरे देश के नागरिक थे, लेकिन अब दक्षिण कोरिया की नागरिकता ले चुके हैं।

इन अंतर्राष्ट्रीय विवाहों में दूल्हे की औसत उम्र 37 वर्ष और दुल्हन की 30 साल की रही है। विदेशी दुल्हनों में वियतनामी महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 26.8 प्रतिशत रही। चीन से आई दुल्हनों का प्रतिशत 15.9 रहा जो इस मामले में दूसरा स्थान है। थाई दुल्हनें 10 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण कोरियाई महिलाओं से विवाह करने वाले विदेशी पुरुषों में अमेरिकी 7.0 प्रतिशत, चीनी 6.0 प्रतिशत और वियतनामी 3.6 प्रतिशत रहे।

भारत समेत कई देशों की चुनौती

हिंद-प्रशांत क्षेत्र विवाद

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हिंद महासागर और पश्चिम तथा मध्य प्रशांत महासागर शामिल हैं जो अफ्रीका के पूर्वी तट से अमेरिका के पश्चिमी तट तक फैला है। इस क्षेत्र में मेडागास्कर से ओशिनिया तक का समुद्री विस्तार शामिल है। जलडमरूमध्य और तटीय जल भी शामिल हैं जो दोनों महासागरों को जोड़ते हैं। हिंद-प्रशांत विवाद चीन के बढ़ते आधिपत्य और दक्षिण चीन सागर पर उसके दावों से जुड़ा है, जो इसे दुनिया का सबसे संघर्षपूर्ण क्षेत्र बनाता है। चीन सैन्य शक्ति बढ़ा रहा है, जो इस क्षेत्र से जुड़े कई देशों के लिए बड़ी चुनौती है, क्योंकि इससे समुद्री व्यापार मार्गों के लिए खतरा पैदा होता है। इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने क्वाड जैसे गठबंधन बनाया है। भारत सागर और एक्ट ईस्ट नीतियों के माध्यम से अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है।

महत्व और विवाद की पृष्ठभूमि

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक व्यापार का एक बड़ा हिस्सा संभालता है, जिसमें दुनिया का 40% से अधिक व्यापार और भारत का लगभग 80% व्यापार इसी क्षेत्र से होता है।
- चीन ने दक्षिण चीन सागर पर प्रभुत्व जमाने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल किया है और वियतनाम, फिलीपींस जैसे देशों के विवादित द्वीपों पर कब्जा भी किया है।
- चीन का दक्षिण चीन सागर में बढ़ता सैन्यीकरण और आक्रामक विदेश नीति अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खतरा है, इससे अमेरिका और सहयोगी देश चिंतित हैं।

चीन की चुनौतीपूर्ण गतिविधियां

- चीन अपनी नौसैनिक शक्ति बढ़ाने के साथ अपनी उपस्थिति को हिंद महासागर तक फैला रहा है, जो उसकी रणनीतिक और आर्थिक पहुंच मजबूत करता है।
- चीन के क्षेत्रीय दावे जैसे कि दक्षिण चीन सागर में नाइन-डैश लाइन बाकी सभी देशों के लिए चुनौती हैं और समुद्री व्यापार मार्गों पर नियंत्रण का एक प्रयास हैं।
- चीन क्षेत्र के अन्य देशों को प्रभावित करने के लिए आर्थिक ताकत के इस्तेमाल के साथ अमेरिका के सहयोगियों के प्रति अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है।

चीन को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयास

- क्वाड भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका का शक्तिशाली गठबंधन है जो चीन का मुकाबला करने और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए है।
- ऑकस ऑस्ट्रेलिया, यूके और यूएस का गठबंधन है, यह सुरक्षा साझेदारी भी चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए प्रयास कर रही है।
- इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क भी चीन की हिंद-प्रशांत में प्रभुत्व जमाने के लिए खिलाफ वैकल्पिक आर्थिक ढांचा प्रदान करता है।

इनके लिए खतरा : चीन के सैन्य दबाव के कारण ताइवान बड़े खतरे में, फिलीपींस, वियतनाम और आसियान देशों को समुद्री व्यापार मार्गों और संप्रभुता का डर। चीन के साथ पहले से सीमा विवाद में उलझे भारत के लिए सामरिक और आर्थिक चुनौती।

भारत की ओर से उठाए गए कदम

- सागर नीति के तहत हिंद-प्रशांत में भारत की सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की पहल की गई है।
- एक्ट ईस्ट नीति भारत को पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ अपने संबंध मजबूत करने में मदद करती है।
- भारत क्वाड का एक सक्रिय सदस्य है, यह गठबंधन भी क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग के लिए महत्वपूर्ण है।
- इंडो-पैसिफिक में भारत अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है, हिंद महासागर क्षेत्र के बाहर भी उपस्थिति बढ़ाई है।

हमने अपनी संप्रभुता का एक हिस्सा खो दिया... ममदानी की जीत पर ट्रंप

डेमोक्रेट नेता का उड़ाया मजाक, बोले- न्यूयॉर्क में कुछ हो सकता है भयानक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी का मजाक उड़ाते हुए उनका नाम ही नहीं लिया, इसके बजाय कहा कि 'जो भी उनका नाम है'। ट्रंप ने दावा किया कि अब अमेरिकी जनता को वामपंथ और कॉमन सेंस के बीच में से एक को चुनना होगा।

फ्लोरिडा के मियामी में बुधवार को 'अमेरिका बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि जब वह पिछले साल पांच नवंबर को दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए तब अमेरिकी जनता ने अपनी संप्रभुता बहाल की थी लेकिन मंगलवार को मेयर चुनाव के साथ उसका कुछ हिस्सा खो दिया है। यह बयान उस समय आया जब एक दिन पहले भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट जोहरान ममदानी को न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम और दक्षिण एशियाई मेयर के रूप में चुना गया।

ट्रंप ने चेतावनी दी, आप देखना, न्यूयॉर्क में क्या होता है, भयानक... मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा न हो, लेकिन आप देखोगे। उन्होंने कहा, '...और वह ममदानी या जो भी उनका नाम है, सोचते हैं कि पुरुषों का महिलाओं के खेलों में खेलना बहुत शानदार है। ट्रंप ने पहले भी चेतावनी दी थी कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही लेकर आएगी। उन्होंने कहा, मंगलवार के नतीजों के बाद, अब अमेरिकी जनता के सामने चुनाव बहुत साफ है हमारे पास दो विकल्प हैं : वामपंथ या कॉमन सेंस। उन्होंने दोहराया कि उनके नेतृत्व में अमेरिका किसी भी रूप में साम्यवादी देश नहीं बनेगा।

जोहरान ममदानी ने टीम के साथ यूनिस्फीयर के सामने लोगों को संबोधित किया।

> अगर कोई डोनाल्ड ट्रंप की ओर से देश को धोखा देने के जवाब में उन्हें हराने का तरीका दिखा सकता है तो वह न्यूयॉर्क है जिसने मुझे शिखर पर पहुंचाया। अगर किसी तानाशाह को डराने का कोई तरीका है तो वह उन्हीं परिस्थितियों को खत्म करना है जिन्होंने ट्रंप को सत्ता हासिल करने में मदद की। - **जोहरान ममदानी, अपने विजयी भाषण में**

ट्रंप बोले- मुझ पर गुस्सा दिखाएंगे तो सफल नहीं होंगे

ट्रंप ने बुधवार को ही मियामी में दिए एक साक्षात्कार में ममदानी के विजयी भाषण को 'बहुत गुस्से से भरा' बताया और कहा कि ममदानी ने अपनी शुरुआत ही गलत तरीके से की है और अगर वह वाशिंगटन के प्रति सम्मान नहीं रखेंगे तो उनके सफल होने की कोई संभावना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हां, मुझे लगा कि यह बहुत गुस्से वाला भाषण था, निश्चित रूप से मेरे खिलाफ गुस्सा झलक रहा था। मेरा मानना है कि उन्हें मेरे प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। आप जानते हैं, बहुत सी चीजें जो उनके पास आती हैं, उन्हें मंजूरी देने वाला मैं ही हूं। तो उन्होंने शुरुआत ही गलत दिशा में की है।

भारतीय अमेरिकियों ने कहा- यह जीत प्रवासियों के उज्ज्वल भविष्य की आशा

न्यूयॉर्क। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने ममदानी की ऐतिहासिक जीत को इस बात का संकेत बताया कि प्रवासी समुदाय अमेरिका में नई पहचान बना रहा है। न्यूयॉर्क स्थित शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'द कल्चर ट्री' की सीईओ अनु सहगल ने कहा, पिछली रात एक नए युग की शुरुआत जैसी थी। न्यूयॉर्क को भारतीय मूल का पहला मेयर मिलने के बाद हम इस शहर की पहचान, अपनापन और सत्ता को देखने के नजरिए में बदलाव देख रहे हैं। सहगल ने कहा कि ममदानी के विजय भाषण में नेहरू का जिक्र और धूम फिल्म के गीत के साथ समापन, हमारे समुदाय के लिए खास मायने रखता है। दक्षिण एशियाई समुदाय के नेता दिलीप चौहान ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि एक दक्षिण एशियाई-अमेरिकी सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पित होकर शहर के विकास का वादा कर रहा है। उन्होंने एक उज्ज्वल भविष्य की आशा जगाई है। 'इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड' नामक सामुदायिक संगठन ने कहा कि मंगलवार के चुनाव परिणामों ने यह साबित किया है कि चाहे वह सिटी काउंसिल हो, मेयर का पद या कोई राज्य स्तरीय पद, दक्षिण एशियाई-अमेरिकी अब इस देश के राजनीतिक भविष्य का हिस्सा हैं।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान गिराए गए थे 8 विमान : ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के दौरान आठ विमान मार गिराए गए थे। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये विमान किस देश के थे।

ट्रंप ने बुधवार को फ्लोरिडा के मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान मार गिराए गए विमानों की संख्या सात के बजाय आठ बताई। अब तक वह कहते रहे हैं कि संघर्ष के दौरान सात विमान मार गिराए गए थे। ट्रंप ने कहा कि आठ महीनों में उन्होंने कोसोवो और सर्बिया तथा कांगो और रवांडा सहित आठ युद्धों को समाप्त कर दिया, जो लंबे समय से जारी थे। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान वाशिंगटन की मध्यस्थता में देर रात तक चली बातचीत के बाद पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। इसके बाद से वह 60 से अधिक बार यह दावा दोहरा चुके हैं।

फिलीपींस में तूफान से 241 की मौत, देश में आपातकाल

लिलोन में पति, तीन बच्चों और माता-पिता के लापता होने के बाद बिलखती एक महिला।

मनीला, एजेंसी

- अचानक आई बाढ़ में डूबने से हुईं ज्यादातर मौत, 127 लोग लापता

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने तूफान कालमेगी के कारण देश के मध्य प्रांतों में 241 से ज्यादा लोगों की मौत होने और कई के लापता होने के बाद बृहस्पतिवार को आपातकाल की घोषणा कर दी। फिलीपींस में इस साल आई यह सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा है।

तूफान कालमेगी के कारण ज्यादातर लोगों की मौत अचानक आई बाढ़ में डूबने से हुई, जबकि 127 लोग लापता बताए गए हैं। इनमें से अधिकतर मध्य प्रांत सेबू के निवासी हैं। यही प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यह उष्णकटिबंधीय चक्रवात बुधवार को द्वीपसमूह से गुजरने के बाद दक्षिण चीन सागर की ओर बढ़ गया। तूफान के प्रकोप से लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हुए, जबकि 5.6 लाख से अधिक ग्रामीण विस्थापित हो गए, इनमें से लगभग 4.5 लाख लोगों को आपातकालीन आश्रयों में शरण लेनी पड़ी।

यूक्रेन ने रूस की प्रमुख रिफाइनरी पर किया ड्रोन हमला

कीव। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम ड्रोन से रूस के वोल्गोग्राद क्षेत्र स्थित प्रमुख तेल शोधन संयंत्र (रिफाइनरी) को निशाना बनाया है।

यूक्रेन के मुताबिक, तीन महीने में इस तेल शोधन संयंत्र पर यह उसका दूसरा हमला है। रूस ने हमले की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, स्थानीय गवर्नर ने कहा कि ड्रोन हमले से क्षेत्र में एक औद्योगिक संयंत्र में आग लग गई। यूक्रेन के अफसरों ने कहा कि हमला बुधवार को किया गया था। यह तेल शोधन कारखाना रूस के दक्षिणी संघीय जिले में ईंधन और लुब्रिकेंट का सबसे बड़ा उत्पादक है। कारखाने से सालाना 1.5 करोड़ टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण होता है, जो रूस की कुल शोधन क्षमता का लगभग 5.6 प्रतिशत है।

बांग्लादेश: जबरन गायब करने के दोषियों को मिलेगी मौत की सजा

ढाका, एजेंसी

- अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना पर शिकंजा और कसने की मंशा

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बृहस्पतिवार को एक मसौदा अध्यादेश को मंजूरी दी, जिसमें 'जबरन गायब किए जाने' जैसे अपराध के दोषियों को मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। अध्यादेश ऐसे समय आया है जब अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 15 सेवारत सैन्य अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराधों को लेकर मुकदमा चल रहा है।

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने मसौदे को मंजूरी दिए जाने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह कानून 'तथाकथित अयनाघर' जैसे गुप्त निरुद्ध केंद्रों की स्थापना को अपराध बनाता है और अदालतों को आरोप दायर होने के 120 दिनों के भीतर मुकदमा चलाने के लिए बाध्य करता है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन की स्वीकृति के बाद यह अध्यादेश संभवतः 15 सैन्य अफसरों, हसीना और अपदस्थ सरकार में उनके कई सहयोगियों पर लागू किया जाएगा, इनमें पूर्व पुलिस प्रमुख भी शामिल हैं।

हाफिज के संगठन के कार्यालय पहुंचे पाकिस्तान के मंत्री

लाहौर। पाकिस्तान के एक मंत्री ने बृहस्पतिवार को पंजाब में हाफिज सईद के प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा के राजनीतिक चेहरे पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के कार्यालय का दौरा किया और उसके नेताओं से मुलाकात की।

राज्य मंत्री सीनेटर तलाल चौधरी लाहौर से 130 किमी दूर फैसलाबाद स्थित लीग हाउस गए, जहां लीग के नेताओं ने उनका स्वागत किया। उनके दौरे को सईद के राजनीतिक संगठन को शहबाज सरकार द्वारा आधिकारिक संरक्षण के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी टैरिफ से संकट में भारतीय समुद्री खाद्य उद्योग

कोच्चि, एजेंसी

- टैरिफ लगने के बाद छह फीसदी कम हुआ कारोबार
- भारतीय निर्यातकों ने किया नए बाजारों का रुख

अमेरिका के नए टैरिफ के बाद भारत का समुद्री खाद्य (सीफूड) निर्यात क्षेत्र गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस झटके ने उद्योग जगत और नीति-निर्माताओं को मूल्य संवर्धन, तकनीकी नवाचार और बाजार विविधीकरण की दिशा में प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है ताकि देश की निर्यात आय को बचाया जा सके।

ये मुद्दे कोच्चि स्थित सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट में आयोजित चौथे 'इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मरीन इकोसिस्टम्स' नाम से हुई संगोष्ठी में प्रमुख रूप से उभरे। इसमें 'मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी' के चेयरमैन डॉ. राम मोहन ने बताया कि अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच अमेरिका को भारत का सीफूड निर्यात लगभग छह फीसदी कम हुआ है। लेकिन चीन, वियतनाम और थाईलैंड जैसे एशियाई बाजारों में निर्यात में तेज़ वृद्धि देखी गई है। यह इस बात का संकेत है कि भारतीय निर्यातक नए बाजारों की ओर रुख कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में जगह बनाएं

विशेष एक्वाकल्चर जोन घोषित करने और मुक्त व्यापार समझौता तेजी से आगे बढ़ाने की मांग की गई ताकि वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति सुधारी जा सके। सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि एजे थरकन ने कहा कि अमेरिका अब तक भारतीय झींगा का सबसे बड़ा बाजार रहा है लेकिन नए टैरिफ ने व्यापार को प्रभावित किया है।

तकनीक आधारित स्टार्ट अप और नवाचार को बढ़ावा दे भारत

सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. जॉर्ज निनन ने कहा कि समय आ गया है कि भारत सीफूड सेक्टर में तकनीक आधारित स्टार्टअप्स और नवाचार को बढ़ावा दे। उन्होंने शोधकर्ताओं, उद्योग और नीति निर्माताओं के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर बल दिया ताकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रह सकें। इस पर भी जोर दिया गया कि भारत को अब सिर्फ कच्चा समुद्री माल भेजने की बजाय रीप्रोसेसिंग और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स जैसे ब्रेडेड स्क्विड रिंग्स (ब्रेड से बनने वाले फिश पकौड़े), सुरिमी आइटम्स (फिश केक, फिश बॉल्स जैसी चीजें), रेडी-टू-ईट फिश फिलेट्स पर ध्यान देना चाहिए। वर्तमान में भारत का वैल्यू-एडेड सीफूड निर्यात 74.2 करोड़ डॉलर का है। यह चीन, वियतनाम, थाईलैंड, इक्वाडोर और इंडोनेशिया जैसे देशों की तुलना में बहुत कम है।

कैमरून : 92 वर्षीय पॉल बिया ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली

याओंडे। कैमरून के नेता 92 वर्षीय पॉल बिया ने पिछले महीने हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद बृहस्पतिवार को सात साल के नए कार्यकाल के लिए फिर से शपथ ली।

इस चुनाव को उनके विपक्षी प्रतिद्वंद्वी ने संवैधानिक तख्तापलट बताया है। संसद में विश्व के सबसे बुजुर्ग राष्ट्रपति ने कैमरूनवासियों के विश्वास के प्रति वफादार रहने का वादा किया तथा एक एकजुट, स्थिर और समृद्ध देश के लिए कार्य करने की शपथ ली। कैमरून की शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को बिया को 53.66 प्रतिशत मतों के साथ चुनाव में विजेता घोषित किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 11.05 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

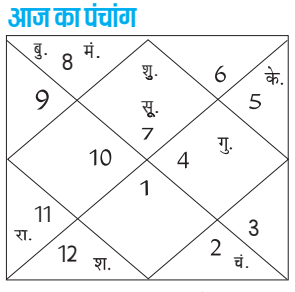

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- रोहिणी 8 नवंबर 00.23 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष आज दोपहर के बाद स्थितियों में सुधार आएगा, किंतु बिना पढ़े व गंभीर विश्लेषण के किसी डील पर निर्णय न लें। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर कुछ लापरवाह हो सकते हैं।

वृष आज का दिन काफी अच्छा रहेगा। अपने किसी शौक को करियर के रूप में चुन सकते हैं। बड़े आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल है। वैवाहिक जीवन अत्यंत सुखद रहेगा। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मिथुन आज व्यापार में स्थितियां उलझती हुई प्रतीत होंगी। परिवार में धन को लेकर समस्या हो सकती है। घर के किसी सदस्य की अस्वस्थता आपको परेशान कर सकती है। समय के अनुसार अपने व्यवहार में परिवर्तन लाने का प्रयास करें।

कर्क आज अधिक आदर्शवादी होने से भी नुकसान होने की संभावना है। किसी के भी सामने अपनी प्रशंसा स्वयं अपने मुख से न करें। आपकी व्यवहार कुशलता की सर्वत्र प्रशंसा होगी। एक साथ दो मामलों को निपटाना पड़ सकता है।

सिंह आज होटल कारोबारियों को कुछ तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। करियर को लेकर अत्यंत गंभीर रहेंगे। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे।

कन्या आज आपके व्यवहार में आए परिवर्तन के कारण लोग अचरज में आ सकते हैं। स्फूर्ति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए व्यायाम अवश्य करें। आपके काम धीमी गति से पूरे होंगे। अपनी गलती का ठीकरा दूसरों पर न फोड़ें।

तुला आज नए कार्यों में धन निवेश की योजना बनाएंगे। कारोबारी यात्राओं के लिए दिन शुभ नहीं है। घर में बिजली के उपकरण खराब हो सकते हैं। ऐसे मुद्दों से दूर रहें, जिनके विषय में आपके पास कम जानकारी है।

वृश्चिक आज दिन शांतिपूर्वक और बिना तनाव के रहने वाला है। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। आपके सभी कार्य समय पर हो जाएंगे। विवाहित जोड़े किसी रोमांटिक टूर के लिए जा सकते हैं। व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं।

धनु आज व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। परिवार में किसी उत्सव को लेकर असमंजस हो सकती है। अविवाहितों को विवाह के उत्तम प्रस्ताव मिल सकते हैं। दैनिक वेतनभोगियों की अटकी हुई पेमेंट वापस मिल सकती है।

मकर आज आपको हाल में ही शुरू किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे। समय का सदुपयोग करें। घर का वातावरण काफी अच्छा रहेगा। किसी भी काम को कल पर न टालें। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कुंभ आज व्यापारियों को नकदी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। दिखावे में धन खर्च होगा। कानूनी मामलों को लेकर सावधान रहें। कारोबारियों की आय में कमी होने की संभावना है। आप दूसरों के झगड़ों को सुलझाने में सफल रहेंगे।

मीन आज कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आने के योग बन रहे हैं। लोग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ने वाली है। मन में नए और क्रिएटिव विचार उत्पन्न हो सकते हैं।

सुडोकू - 153

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1				2				
		4	5					6
2			8					
	1			6			2	
	9						1	
	5			3				
5					2	8		
3					1	9		
6			3					4

सुडोकू - 152 का हल

6	7	1	4	8	5	2	3	9
8	2	4	9	1	3	6	5	7
9	5	3	2	6	7	8	1	4
5	4	6	3	7	8	1	9	2
7	1	9	5	2	6	3	4	8
3	8	2	1	9	4	5	7	6
2	9	7	8	5	1	4	6	3
1	3	8	6	4	9	7	2	5
4	6	5	7	3	2	9	8	1

मुझे खुद से ज्यादा हनुमान जी पर विश्वास है। जब भी मैं किसी मुश्किल स्थिति में होती हूं तो मैं उनका नाम लेती हूं और मुझे लगता है कि मैं उससे उबर सकती हूं। मुझे उन पर बहुत विश्वास है। मैंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी जय श्री राम लिखा है।

-दीप्ति शर्मा

स्टेडियम

मुरादाबाद, शुक्रवार 7 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

टी-20 विश्व कप फाइनल की मेजबानी करेगा अहमदाबाद

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप के आयोजन स्थलों की सूची में अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को जगह दी है। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। एकदिवसीय विश्व कप 2023 का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल भी अहमदाबाद में खेला गया था, जो एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। विश्व कप 2023 भारत में 10 स्थलों पर खेला गया था। टी-20 विश्व कप का श्रीलंका सह मेजबान होगा जो भारत के साथ इंतजाम के तहत पाकिस्तान के लिए तटस्थ स्थल होगा। श्रीलंका में कोलंबो सहित तीन स्थलों पर मुकाबलों का आयोजन होगा।

एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप ट्रॉफी दौरा आज से

नई दिल्ली : प्रतिष्ठित पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप ट्रॉफी शुक्रवार से शुरू होने वाले देशव्यापी दौरे के दौरान भारत के 20 शहरों का दौरा करेगी। यह दौरा शुक्रवार को हॉकी इंडिया शताब्दी समारोह के दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया, तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, एफआईएच अध्यक्ष दातो तैयब इकराम, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष सेकर जे मनोहरन की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर शुरू होगा। इन 20 शहरों में चंडीगढ़, अमृतसर, लखनऊ, जम्मू, पुणे और हैदराबाद भी शामिल हैं।

आरसीबी ने रंगराजन को महिला टीम का कोच नियुक्त किया

बेंगलुरु : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को तमिलनाडु के पूर्व स्पिनर मालोलन रंगराजन को अगले साल होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे सत्र से पहले अपनी महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। रंगराजन ल्यूक विलियम्स की जगह लेंगे, जिन्हें 2024 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया पिछले छह वर्षों से विभिन्न भूमिकाओं में आरसीबी के सहयोगी स्टाफ के प्रमुख सदस्य रहे मालोलन रंगराजन को अब आगामी डब्ल्यूपीएल के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उम्मीद है उनके निर्देशन टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व कप्तान हरमनप्रीत कौर विश्व कप ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

आप से युवा पीढ़ी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होगी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात की। जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उन्हें सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टीम जर्सी भेंट की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि खिलाड़ियों ने सिर्फ इतिहास ही नहीं रचा है बल्कि वे युवा पीढ़ी के लिए आदर्श भी बन गई हैं। राष्ट्रपति के कार्यालय से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि युवा पीढ़ी विशेषकर लड़कियां इस उपलब्धि से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। मुर्मू ने भविष्य में भी इस टीम के भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर रखने का भरोसा जताया और खिलाड़ियों के क्रिकेट सफर में आई मुश्किलों पर कहा कभी-कभी तो खिलाड़ियों को नींद भी नहीं आई होगी। लेकिन उन्होंने सभी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड पर जीत के बाद लोगों को पूरा भरोसा था कि मैच में उतार-चढ़ाव के बावजूद हमारी बेटियां ही जीतेंगी।मुर्मू ने कहा कि इन खिलाड़ियों की सफलता में उनकी कड़ी मेहनत, कौशल, पक्के इरादे और उनके परिवारों के अलावा क्रिकेट प्रेमियों के प्यार और आशीर्वाद का हाथ रहा। राष्ट्रपति ने टीम की हर सदस्य को बधाई दी। उन्होंने कहा देश और विदेश में लाखों भारतीय इस जीत का जश्न मना रहे हैं। संयोजन में भी भारत की छवि दिखी क्योंकि सभी खिलाड़ी अलग इलाकों और अलग पृष्ठभूमि से आती है। खिलाड़ी अलग-अलग इलाकों, अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि और अलग-अलग परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। पर वे एक टीम हैं 'इंडिया'। यह टीम भारत को सबसे अच्छी तरह प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर भारतीय टीम ने देशवासियों का अपनी काबिलियत पर भरोसा और मजबूत किया।

राष्ट्रपति भवन में मौजूद विश्व कप विजेता महिला क्रिकेट टीम व अन्य स्टाफ। एजेंसी

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर अपने हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की

भारत को टी-20 सीरीज में 2-1 की बढ़त

अक्षर, शिवम व वाशिंगटन ने की शानदार गेंदबाजी, चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया 48 रनों से परास्त

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की उम्दा गेंदबाजी से भारत ने बृहस्पतिवार को यहां चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बनाई। भारत के 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम वाशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट), अक्षर पटेल (20 रन पर दो विकेट) और शिवम दुबे (20 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 119 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान मिचेल मार्श (30) ही 30 रन के आंकड़े को छू पाए। नाथन एलिस (21 रन पर तीन विकेट) और एडम जंपा (45 रन पर तीन विकेट) ने इससे पहले अंतिम ओवरों में भारत को लगातार झटके दिए जिससे एक समय दो विकेट पर 121 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रही मेहमान टीम आठ विकेट पर 167 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 39 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से 46 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अभिषेक शर्मा (28), शिवम दुबे (22) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (20) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। अक्षर ने अंत में 11 गेंद में नाबाद 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव में रखा। मैथ्यू शॉर्ट (25) ने अर्शदीप सिंह (22 रन पर एक विकेट) पर चौके के साथ खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में भी छक्का और चौका मार। मार्श ने भी जसप्रीत बुमराह (27 रन पर एक विकेट) और अर्शदीप पर चौके मारे। अक्षर ने शॉर्ट को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा।

मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद विकेटों से टकरा रही थी। जोश इंग्लिस (12) ने आते ही बुमराह पर दो चौके मारे जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पावर प्ले में एक विकेट पर 48 रन बनाए। मार्श 21 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब वरुण चक्रवर्ती (26 रन पर एक विकेट) की गेंद पर लांग ऑफ पर अभिषेक ने उनका मुश्किल कैच टपका दिया। अक्षर ने इंग्लिस को बोल्ड किया जबकि मार्श भी दुबे की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में अर्शदीप को कैच दे बैठे जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 70 रन हो गया। पिछले मैच में अर्धशतक जड़ने वाले टिम डेविड (14) ने दुबे पर लंबा छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद को हवा में लहराकर मिड ऑफ पर सूर्यकुमार के हाथों लपके गए। अर्शदीप ने जोश फिलिप (10) को शॉर्ट मिडविकेट पर चक्रवर्ती के हाथों कैच कराके ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया। ग्लेन मैक्सवेल (02) ने एक रन के साथ 15वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के रनों का शतक पूरा किया लेकिन अंतिम गेंद पर बोल्ड हो गए।

ऑस्ट्रेलिया को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 65 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने 17वें ओवर में श्रृंखला में पहली बार गेंद वाशिंगटन को थमाई और उन्होंने लगातार गेंदों पर मार्कस स्टोइनिस (17) और जेवियर बार्टलेट (00) को आउट करने के बाद अपने अगले ओवर में जंपा (00) को गिल के हाथों कैच कराके भारत की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद मैच की दूसरी ही गेंद पर अभिषेक भाग्यशाली रहे जब बेन ड्वारशुइस की गेंद को कवर्स के ऊपर से खेलने की कोशिश में हवा में लहरा बैठे लेकिन जेवियर बार्टलेट उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। अभिषेक ने बार्टलेट (26 रन पर एक विकेट) पर पारी का पहला चौका मारा जबकि गिल ने ड्वारशुइस की गेंद को बाउंड्री के दर्शन कराने के बाद एलिस पर दो चौके जड़े।

अभिषेक ने मार्कस स्टोइनिस पर दो चौकों के साथ पावर प्ले में भारत का स्कोर बिना विकेट खोए 49 रन तक पहुंचाया। अभिषेक ने जंपा का स्वागत छक्के के साथ किया लेकिन इस लेग स्पिनर पर एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर टिम डेविड को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 21 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और एक छक्का मारा। दुबे ने ड्वारशुइस पर चौका जड़ने के बाद जंपा की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया। दुबे (22) हालांकि एलिस की धीमी गेंद पर चकमा खाकर बोल्ड हो गए। सूर्यकुमार ने जंपा पर लगातार दो छक्कों के साथ 13वें ओवर में भारत के रनों का शतक पूरा किया। गिल ने भी स्टोइनिस की गेंद पर छक्का जड़ा लेकिन एलिस की गेंद पर बोल्ड हो गए। गिल ने 39 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और एक छक्का मारा। सूर्यकुमार (20) भी बार्टलेट की गेंद को हवा में लहराकर डेविड के हाथों लपके गए।

वाशिंगटन सुंदर को बधाई देते कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

भारत

167/8 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा का डेविड बो जंपा	28
शुभमन गिल बो एलिस	46
शिवम दुबे बो एलिस	22
सूर्यकुमार का डेविड बो बार्टलेट	20
तिलक वर्मा का इंग्लिस बो जंपा	05
जितेश शर्मा पगबाधा बो जंपा	03
वाशिंगटन का कुनहेमन बो एलिस	12
अक्षर पटेल नाबाद	21
अर्शदीप का फिलिप बो स्टोइनिस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	01

गेंदबाजी : ड्वारशुइस 4-0-31-0, बार्टलेट 4-0-26-1, एलिस 4-0-21-3, स्टोइनिस 4-0-41-1, जंपा 4-0-45-3

ऑस्ट्रेलिया

119/10 (18.2 ओवर)

मिचेल मार्श का अर्शदीप बो दुबे	30
मैथ्यू शॉर्ट पगबाधा बो अक्षर	25
जोश इंग्लिस बो अक्षर	12
टिम डेविड का सूर्यकुमार बो दुबे	14
फिलिप का चक्रवर्ती बो अर्शदीप	10
स्टोइनिस पगबाधा बो वाशिंगटन	17
ग्लेन मैक्सवेल बो चक्रवर्ती	02
बेन ड्वारशुइस बो बुमराह	05
बार्टलेट का एवं बो वाशिंगटन	00
नाथन एलिस नाबाद	02
एडम जंपा का गिल बो वाशिंगटन	00

गेंदबाजी : अर्शदीप 3-0-22-1, बुमराह 4-0-27-1, चक्रवर्ती 4-0-26-1, अक्षर 4-0-20-2, दुबे 2-0-20-2, वाशिंगटन 1.2-0-3-3

हालात के अनुकूल ढलना जीत की कुंजी : सूर्यकुमार

कैरारा : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आस्ट्रेलिया पर चौथे टी20 मैच में 48 रन से मिली जीत के लिये बल्ले और गेंद से अपने खिलाड़ियों के चतुराई भरे खेल को श्रेय दिया। भारत ने 167 रन बनाने के बावजूद जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 2.1 से बढत बना ली है। सूर्यकुमार ने जीत के बाद कहा मुझे लगता है कि बल्लेबाजों को इसका श्रेय जाना चाहिए। शुभमन और अभिषेक ने जिस तरह से शुरुआत की, उन्हें पता था कि यह 200 या 220 रन वाला विकेट नहीं है। उन्होंने चतुराई से खेला। बल्लेबाजों की तरफ से यह पूरा टीम प्रयास था। उन्होंने आगे कहा मैं और गौती भाई (कोच गौतम गंभीर) इस बारे में स्पष्ट हैं कि गेंदबाजों को आक्रामक प्रदर्शन करना होगा।

भारत विश्व स्तरीय टीम है : मार्श

आस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा 167 का स्कोर बुरा नहीं था। हम फिनिश लाइन तक नहीं जा सके। भारतीय टीम को इसका पूरा श्रेय जाता है जो विश्व स्तरीय टीम है। एशेज श्रृंखला को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने टीम में काफी बदलाव किये थे। प्रमुख खिलाड़ी टी20 श्रृंखला के आखिरी दो मैच छोड़कर इंग्लैंड के खिलाफ एशेज की तैयारी में लग गए। मार्श ने कहा, '' आप हमेशा सर्वश्रेष्ठ टीम उतारना चाहते हैं लेकिन एशेज श्रृंखला आने वाली है। हम अधिक खिलाड़ियों को मौका देना चाहते थे, खासकर इस तरह के दबाव वाले मैच में।

जुरेल के शतक से भारत ए ने बनाए 255 रन

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते ध्रुव जुरेल। एजेंसी

बेंगलुरु, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच का पहला दिन

ध्रुव जुरेल के शानदार शतक की मदद से भारत ए ने शीर्षक्रम की नाकामी से उबरते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के पहले दिन बृहस्पतिवार को 255 रन बनाए।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर भारत ए ने सात विकेट 126 रन पर गंवा दिए थे, लेकिन जुरेल (नाबाद 132) और कुलदीप यादव (20) ने आठवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी की। जुरेल ने 175 गेंदों में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 126 रन की पारी खेली जबकि कुलदीप ने अपनी पारी में 87 गेंदों का सामना किया। जुरेल ने आफ स्पिनर प्रेनेलान सुब्रायेन को लांग आन पर शानदार छक्का जड़ा। इसके बाद इसी गेंदबाज को स्लॉग स्वीप पर छक्का लगाया। उन्होंने वान वूरेन की गेंद पर एक रन लेकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चौथा शतक पूरा किया। पिछली सात पारियों में यह उनका तीसरा शतक है। उन्होंने आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लखनऊ में और वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में शतक बनाया था।

27वीं अखिल भारतीय कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 में स्वर्ण पदक विजेता उत्तर प्रदेश की महिला यूथ खिलाड़ी।

उप्र ने इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

लखनऊ : नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की ओर से चेन्नई में आयोजित 27वीं अखिल भारतीय कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 में उत्तर प्रदेश की महिला यूथ टीम ने स्वर्ण पदक जीत लिया। प्रतियोगिता का आयोजन 27 अक्टूबर से 4 नवंबर तक किया गया था। इसमें देशभर के युवा निशानेबाजों ने हिस्सा लिया।

उत्तर प्रदेश राज्य राइफल संघ लखनऊ ने इस जीत को राज्य में निशानेबाजी के बढ़ते स्तर और युवा एथलीटों के समर्पण को बताया है। ये जानकारी टीम मैनेजर विशाल विश्वकर्मा ने दी।

प्रमुख उपलब्धियां

(एस006.177 पीप साइट एयर राइफल (एनआर) यूथ वीमेन) : उत्तर प्रदेश की टीम ने कुल 1166.0-0x के प्रभावशाली स्कोर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। टीम के व्यक्तिगत स्कोर इस प्रकार रहे : वृंदा महाजन : 393.0-0x, देवीना गर्ग : 387.0-0x, ईशानवी केसरवानी : 386.0-0x

महिला विश्व कप भारतीय खेलों के लिए ऐतिहासिक पल है : मजूमदार

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार का मानना है कि हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम का पहला विश्व कप खिताब देश में सिर्फ क्रिकेट के लिए ही नहीं बल्कि भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक पल है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले हफ्ते नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर अपना पहला विश्व कप खिताब जीतकर देश के खेल इतिहास में सुनहरा अध्याय लिखा। इस जीत को भारत में महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक पल बताया जा रहा है जिसकी तुलना पुरुष टीम की 1983 की ऐतिहासिक विश्व कप जीत से की जा रही है।

मजूमदार ने पीटीआई वीडियो से कहा 1983 के पल की बात करें तो मुझे लगता है कि यह महिला विश्व कप ना केवल पूरे भारतीय क्रिकेट के लिए, पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए, बल्कि भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक पल है। यह जीत और भी खास है क्योंकि एक समय भारत लगातार तीन हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर था लेकिन भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके बाद सेमीफाइनल में उन्होंने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व कप में सबसे बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया। कोच ने कहा इसमें कोई शक नहीं है कि अब जब हमने विश्व कप जीत लिया है तो इसके असली हीरो खिलाड़ी और मेरा सहयोगी स्टाफ है। मजूमदार ने कहा सभी ने अपना योगदान दिया है और बहुत ही पेशेवरपन के साथ अपना काम किया है।

गर्व की बात | पहले लड़कों की टीम में खेलती थीं, छतरपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्कालीन सचिव ने बदल दी जिंदगी

जो लोग ताना कसते थे, वही आज प्रशंसा कर रहे हैं : क्रांति

नई दिल्ली, एजेंसी

लड़कों की टीम में एक खिलाड़ी कम पड़ गया और ऐसे में उनके पास कोई विकल्प नहीं था और उन्होंने आखिर उसे अपनी टीम में शामिल कर दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का क्रिकेट में यह पहला कदम था। इससे पहले वह मध्य प्रदेश के अपने गांव धुवारा में दूर से ही लड़कों को खेलते हुए देखती थी और कभी कभार जब गेंद उनके दरवाजे पर पहुंच जाती तो उसे वापस लड़कों के पास फेंक देती थी।

गौड़ ने गुरुवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात से ठीक पहले पीटीआई वीडियो से कहा मुझे तो यह भी नहीं पता था कि महिला क्रिकेट टीम भी है। यहीं से क्रिकेट में मेरा सफर शुरू हुआ था। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने हाल में समाप्त हुए महिला वनडे विश्व कप में में 18.55 की औसत से नौ विकेट लिए जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच में तीन विकेट लेना भी शामिल था।

उन्होंने कहा मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप था और अब हम विश्व चैंपियन हैं। यह मेरे, मेरे परिवार और पूरे देश के लिए गर्व की बात है। क्रांति की कहानी स्टेडियम की दूधिया रोशनी और कैमरों से कहीं दूर शुरू हुई। वह ज्यादातर दूर से ही कुछ लड़कों को खेलते हुए देखती थी और जब भी गेंद उसके दरवाजे पर आती, तो वह उसे वापस फेंक देती थी। एक दिन अचानक उन्हें तब अंतिम एकादश में जगह मिल गई, जब लड़कों को एक खिलाड़ी की जरूरत थी। क्रांति ने कहा मेरे घर के आगे एक मैदान था जिस पर लड़के खेला करते थे और मैं दूर से ही उन्हें खेलते हुए देखती थी। जब मैंने उनके साथ खेलना शुरू किया, तो वे मुझे सिर्फ एक क्षेत्ररक्षक के तौर पर खिलाते थे, लेकिन धीरे-धीरे मैंने भी खेलना सीख लिया।

उन्होंने राजीव बिल्थरे का जिक्र करते हुए कहा तब मैंने एक लेदर बॉल टूर्नामेंट खेला और राजीव सर से मिली। राजीव बिल्थरे छतरपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव भी थे और उन्हें क्रांति की गेंद की रफ्तार काफी प्रभावशाली लगी थी। उन्होंने कहा उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट भी खेलना चाहती हूं। मुझे नहीं पता था कि लड़कियों की अंतर्राष्ट्रीय टीम भी है और फिर वह मुझे अपनी अकादमी में ले गए।

मेरे छोटे से गांव में लड़कियों को खेलने की नहीं थी इजाजत

क्रांति ने कहा मैं एक छोटे से गांव से हूं, इसलिए वहां लड़कियों को खेलने की इजाजत नहीं थी। मेरे परिवार से कहा जाता था कि तुम उसे लड़कों के साथ क्यों खेलने देते हो। तब मैंने सोचा कि एक दिन मैं अपने प्रदर्शन पर सबको तालियां बजाने पर मजबूर कर दूंगी। उन्होंने कहा और जो लोग मुझे और मेरे परिवार को ताना मारते थे, वे अब हमारी सराहना कर रहे हैं। अब महिला टीम भी बेहतर हो रही है और विश्व कप जीतने के बाद यह बहुत आगे जाएगी।